BIOLIFE

An ISO 9001:2015 Certified Co.

Biolife Technologies

Presents

VedOshidhi

A Complete Solution For Your Health

• Ved Oshidhi •

100% Health, Happiness & Harmony
Depends upon Ahar (Food), Vihar (Life Style) & Oshidhi

BIOLIFE

An ISO 9001:2015 Certified Co.

Director's Desk....

We Biolife Technologies is an established and experienced company engaged in manufacturing, marketing and exporting of Ayurvedic, Herbal, Dietary supplements, Cosmetics, Sports nutrition and nutraceuticals products. We offer highly effective formulations that have fetched us a distinguished space not only in domestic market also internationally. We have been accredited with ISO : 9001:2015, GMP, WHO GMP & HALAL certifications for the quality of our products and the work management system.

Our manufacturing units cater to the well established dealer distributor network in the entire country. With our expertise in third party manufacturing process, we have manufactured more than 500 formulations for our esteemed clientele. The quality of our products have always fetched us accolades and the repeat demand from the end users says about the efficacy of our products.

With our brand being recognized by our customers, we are now extending our arms and adding one more dimension to our health segment by introducing few more products with futuristic approach towards health for our domestic and international clients.

We are also in the process of expanding our online business as it well helps us to connect directly with our end users who recognize our brand and are our loyal users. Their feedback encourages us to continue and keep improving our quality and also make our products more accessible and economical.

Our journey which started with a dream is now finding its realization in reality which we see in every single person, we closely work with.

We now want to keep the baton of light moving upward and also wish to present the opportunity to everyone associated with us who has the courage to dream big.

We thank everyone who has helped me in my journey till date and I pledge their support and trust as always.

At Biolife Technologies, we understand the only way to thrive in the competitive landscape today is by doing those simple tasks- focussed efforts, excellent quality and best price.

Please let us share our experience, and together we can enjoy exciting results.

Live well

Hari Singh- Director

HRIDAY ROG KI KIT
Safe and effective lipid management

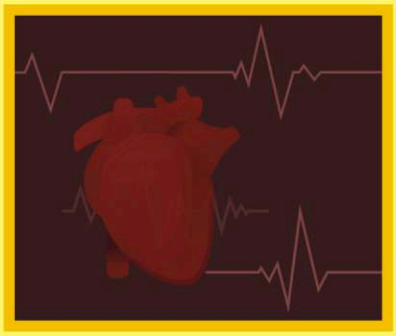

Yakrit rog har tablet यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets Twice a day.

Shantikar guti tablet शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jetamansi 50.0 mg, Kutaj chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shnkh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Tridosh sudha tablet त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg, **Mixed with Kwath** of Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg**. Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

Vat shodhani tablet वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Lahsuni guti tablet लहसुनी गुटी टैबलेट

Lahsan 125 mg, Harad 50 mg, Sonth 20 mg, Jeera kala 10 mg, Sandha namak 20 mg, Ghritkumari 25 mg.

INDICATION :- Hyperlipidemia, unexplained sweating, chest discomfort, feeling of heaviness and compression.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- छाती में दर्द, अनियमित दिल की धड़कन, चक्कर आना या बेहोशी, थकान, पैरों और भुजाओं में सुन्न पन, श्वासों की कमी

कार्य:- स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ दिल का होन बहुत जरूरी है-यह औषधि रक्त चाप और सूजन को कम करने में मदद करती है, धमनियों को साफ करती है कॉलेस्ट्रोल हाई ब्लड प्रेशर, अत्यधिक रक्त स्राव को रोकती है, हार्ट को ब्लॉक होने से बचाती है और शरीर से कॉलेस्ट्रोल को कम करके हार्ट को मजबूती प्रदान करती है, धमनियों की परत को क्षतिग्रस्त होने से बचाती है, रक्तवाहिकाओं को चौड़ा करके रक्त परिसंचरण में मदद करती है, बन्द धमिनियों को खोलने का कार्य करती है, रक्तचाप में सुधार और धमिनियों की सूजन को कम करती है।

दवा में प्रयोग अलसी का बीज रक्तचाप और सूजन को कम करने में सहायक है। अलसी - का बीज अल्फालिनोलेनिक (ALA) सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है इसमें बहुत अधिक मात्रा में फायबर एलडीएल पाया जाता है जो धमनियों को साफ करता है। अजुर्न- एक औसधीय पेड़ है जो हृदय के इलाज में लाभ कारी है। यह कॉलेस्ट्रॉल, हाई ब्लडप्रेशर और अत्यधिक रक्त स्राव को ठीक करता है। दाल चीनी- हार्ट ब्लॉकेज में काम आने वाली एक बढ़ियां औसधि है जो बेकार कॉलेस्ट्रॉल को शरीर से कम करती है और हार्ट को मजबूती प्रदान करती है। अनार- इसमे फाईटो केमिकल्स होते हैं जो एन्टी ऑक्सीडेंट के रूप में धमनीयों की परत को क्षतिग्रस्त होने से रोकती हैं।

क्या करें:- भोजन की हृदय रोग में महत्वपूर्ण भूमिका होती है व्यक्ति कितनी जल्दी ठीक होगा। सब्जियों में तेल का सेवन करना- हृदय रोगी को ऐसे तेल का सेवन करना चाहिए जिसमें ओमेगा 3 हो, क्योंकि ये तेल कॉलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं।

- संतुलित भोजन करना- हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति को संतुलित भोजन करना चाहिए।
- व्यायाम करना- दिल की बीमारी में व्यायाम करना अत्यन्त उपयोगी साबित हो सकता है।
- सामान्य वजन को बरकरार रखना- इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को अपने वजन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नशीले पदार्थो से दूरी बनाना- किसी भी हृदय रोगियों के लिए नशीले पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक साबित हो सकता है, इसलिए उसे इनका सेवन नहीं करना चाहिए।
- रक्तचाप और शुगर स्तर को सामान्य बनाए रखना- दिल की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के लिए अपने रक्तचाप और शुगर स्तर को सामान्य रखना काफी महत्वपूर्ण होता है। जैसा कि हम सभी यह जानते हैं कि आज कल दिल की बीमारी बहुत सारे लोगों में देखने को मिल रही है। दिल की बीमारी होने के कई सारे कारण जैसे तनाव, अनियमित दिनचार्या, बाहर का भोजन करना इत्यादि होते हैं।

क्या करें:- हृदय का रोग होने पर क्या ना खाएं

नया चावल, मैदा, उड़द, चौलाई सब्जी, बथुआ, सिंघाड़ा, अरवी, कटहल, बैंगन, शकरकंद, डिब्बा बंद भोज्य पदार्थ, नमक, पहले इस्तेमाल किया हुआ तेल, घी, बाहय खाद्य पदार्थ, देर में पचने वाले भोज्य पदार्थ, ठंडा पानी, शराब, मासाहार, अण्डा, अचार, फास्ट फूड। हृदय रोगियों को थोड़ा व्यायाम करना चाहिए, ताकि भोजन का पाचन सही से हो पाए और बीमारी की रोकथाम हो। तनाव व चिंता ना करें, रोजाना 7-8 घण्टे की नींद लें तथा चिंता कम से कम करें, धूम्रपान का सेवन ना करें, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव दिल की धमनियों पर पड़ता है। ध्यान एवं योग का अभ्यास रोज करें, ताजा एवं हल्का गर्म भोजन अवश्य करें। भोजन धीरे धीरे शांत स्थान में शांतिपूर्वक, सकारात्मक एंव खुश मन से करें, तीन से चार बार भोजन अवश्य करें, किसी भी समय का भोजन नहीं त्यागें एवं अत्याधिक भोजन से परहेज करें, भोजन को अच्छी प्रकार से चबाकर एंव धीरे-धीरे खांए। भोजन लेने के बाद 3-5 मिनट टहलें, बहुत अधिक व्यायाम नहीं करना है। निरंतर प्राणायाम करें। हृदयगति दुरूस्त रखने के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार 30 मिनट के लिए एरोबिक्स जरूर करें। रोजाना साइकिल चलाना भी हृदय के लिए बेहद लाभकारी व्यायाम है।

VedOshidhi

VRIKK ROG HAR KIT
Manages Kidney & Urinary Tract Problems

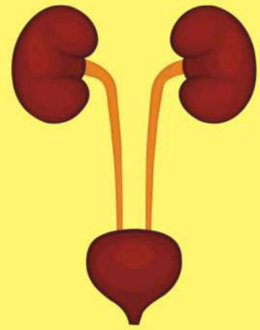

Varikk rog har tablets वृक्क रोग हर टैबलेट

Giloy 25.0 mg, Haldi 60.0, Kalijiri 100.0 mg, Kachur 120.0 mg, Mulathi 15.0 mg, Nagarmotha 25.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Punarnava 25.0 mg, Sanaya patti 15.0 mg, Saunf 33.0 mg, soyaa 17.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 120.0 mg **Mixed with Kwath** of Giloy 30.0 mg, Gokhuru 30.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Punarnava 15.0 mg, paneer doda 15.0 mg, Saunf 2.0 mg, Soyaa 13.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankhpushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg **Mixed with Kwath** of Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shankhpushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

Pit sodhini tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Tridosh sudha tablets त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg, **Mixed with Kwath** of Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg**. Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Indications :- Acute & chronic kidney diseases.

A. Natural health restorative Bio-constituents detoxify kidneys and check the shrinkage of nephrons they also restore normal kidney functions.
B. Nephro protective-protects from diabetes inducing nephron damage.
C. Improves red blood cells and restores electrolyte imbalance.
D. Improves general debility, stress and gives a feeling of wellness.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चय-अपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

उचित सहायक:- गंभीर व जीर्ण वृक्क विकारों में सहायक।

कार्य:- जड़ी-बूटियों से निर्मित प्राकृतिक स्वास्थ्य प्रदायक योग गुर्दो को साफ करता है। गुर्दो को सिकुड़ने से रोकता है। गुर्दो की सामान्य कार्य क्षमता प्रदान करता है।

रक्त मधुमेह के कारण होने वाली तकलीफों से बचाती है। लाल रक्त कणों को बढ़ाती है। और खून में Electrolyte को सामान्य रखती है। कमजोरी, थकावट व तनाव को दूर करके स्वस्थ होने का एहसास देती है।

मूत्र मार्ग में संक्रमण मार्ग में लक्षण:- बुखार लगभग 101 डिग्री से कम रहना और ठण्ड लगना। मूत्र त्याग करते समय जलन एवं दर्द। बार-बार मूत्र त्यागना। मूत्र में रक्त आना। मूत्र में मवाद आना। एक बार में मूत्र का पूरी तरह से ना आना। बार-बार तेज पेशाब आने जैसा महसूस होना, लकिन परेशानी के साथ थोड़ी-सा पेशाब आना। नाभि से नीचे पेट में दर्द एवं भारीपन होना। गंदला एवं गहरे रंग का बदबूदार पेशाब आना। बुजुर्गो में हाइपोथर्मिया, भूख ना लगना और सुस्ती।

मूत्र मार्ग में संक्रमण होने के कारण :- बहुत देर तक पेशाब रोककर रखने की आदत के कारण। यह संक्रमण अधिकतर इ.कोली बैक्टेरिया के कारण होता है। यह बैक्टेरिया सामान्य रूप से पाचनतंत्र में मौजूद होता है। पथरी के कारण मूत्र का प्रवाह रूकने पर मूत्र मार्ग में संक्रमण होता है। गर्भावस्था के दौरान। कई लोगों के साथ एवं असुरक्षित यौन संबंध बनाने के कारण। स्वच्छता की कमी। गर्भनिरोधक का उपयोग। डायबिटीज (शुगर), कम पानी पीने के कारण, एंटीबायोटिक दवाओं का अधिक प्रयोग।

क्या करें:- पेशाब में संक्रमण के दौरान आप अपनी जीवन शैली में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें।

1. कम से कम 3-4 लीटर पानी एक दिन में पीना चाहिये। इससे बैक्टेरिया को शरीर से बाहर निकालने में बहुत मदद मिलता है।
2. खट्टे फल जैसे संतरा, मौसमी, अनन्नास, नीबू पानी जितना ज्यादा हो सके पीयें।
3. तरबूज, सेब, अनार, फालसा आदि रसीले व ठण्डी तासीर वाले फलों का सेवन करें।
4. दूध से बनी लस्सी में थोड़ा - सा इलायची पाउडर डालकर सेवन करें।
5. पतली मूली रोजाना सालाद में खायें। ये किडनी की साफई करने में बहुत अधिक सहायक है।
6. सेब का सिरका भी 15 एम एल पीना लाभप्रद है।

क्या ना करें:- पेशाब में संक्रमण के दौरान आप अपनी जीवन शैली में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें।

1. जननांगों को साफ रखें।
2. शौच एवं मूत्र त्यागने के बाद हमेशा जननांगों को धोना चाहिये।
3. महावारी के दौरान सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए पानी में फिटकरी घोलकर जननांगों को धोयें।
4. बहुत अधिक समय तक मूत्र को ना रोकें। इससे मूत्राशय में वैक्टेरिया को बढ़ने में सहायता मिलती है। मूत्र का वेग आने पर मूत्र त्याग करें।
5. शराब गुर्दे के लिए बहुत नुकसान दायक होती है इसके सेवन से बचें।
6. अनजान लोगों से यौन सम्बन्ध न बनायें।

VedOshidhi

ROCHAK PACHAK KIT
Safely Controls Frequent Loose Motions

Ajeern rog har tablets अजीर्ण रोग हर टैबलेट

Ajwain 40.0 mg, Anar dana 52.50 mg, Dhania 30.0 mg, Dal Chinni 20.0 mg, elaich danna 35.0 mg, Jeera 52.50 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Kachur 60.0 mg, Nagarmotha 20.0 mg, Nagkesar 20.0 mg, Pudina 40.0 mg, Pitpapda 40.0 mg, Sauth 15.0 mg, Saunf 40.0 mg, Sarso 15.0 mg, Soya 40.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudina 75.0 mg, Sauth 25.0 mg, Saunf 25.0 mg, Sarso 25.0 mg. **Dosage :** 3 Tablets twice a day after meal.

Udar shul har tablets उदर शूल हर टैबलेट

Hing 8.0 mg, Namak 32.0 mg, Naushader 32.0 mg, Pudeena 408.0 mg, Saunth 64.0 mg, Suhaga 8.0 mg, Sarso 48.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudeena 120.0 mg, Saunth 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Tridosh sudha tablets त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg, **Mixed with Kwath** of Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

INDICATIONS :- Frequent loose motion, indigestion & gas. Milk indigestion & abdominal discomfort/distension useful in drug induced diarrhoea.

A. A natural health restorative, immunity booster which relieves stress, anxiety and fatigue.
B. Digestive herbs help to secrete digestive juices which control loose stool without causing flatulence.
C. Bio-constituents help to control sphincters, relieves gas formation, spasm & improve digestion.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चय अपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि...।

उचित सहायक:- जल्दी-जल्दी दस्त लगना, अपचन गैस बनना, दूध का ना पचना पेट में तनाव व भारीपन drug induced diarrhoea में लाभदायक।

कार्य:- यह एक प्राकृतिक स्वास्थ्य प्रदायक प्रतिरोधक क्षमता वर्धक औषधि है जो तनाव, उदासी और थकान से छुटकारा देती है। पाचक जड़ी-बूटियाँ आंत्रिक जूस के स्त्राव को बढ़ाने में मदद करती है। जो कि बिना पेट फुलाये दस्त रोकती है। प्राकृतिक जड़ी-बूटियाँ गैस को नियंत्रित करती है व मरोड़ को समाप्त कर हाजमा बढ़ाती है।

लूज मोशन एक ऐसी समस्या है जो कि नवजात शिशु से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक हर उम्र के लोगों के बीच होने वाली सबसे कॉमन बीमारी है जो कभी भी हो सकती है। अगर 1 दिन में को व्यक्ति 3 बार स्टूल पास करे तो उसे लूज मोशन या डायरिया की स्थिति मान सकते है। इस दौरान सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि शरीर से हद से ज्यादा पानी निकलने लगता है जिस वजह से कमजोरी महसूस होने लगती है। लूज मोशन होने की कई वजहें हो सकती है। जैसे-वायरल इंफेक्शन, बैक्टीरियल इंफेक्शन, किसी चीज को खाने से हुई ऐलर्जी, फूड पॉइजनिंग, किसी चीज को खाने या पीने से हुआ इंफेक्शन, स्ट्रेस आदि।

क्या करें- शरीर की ज्यादातर बीमारियों की जड़ पेट से जुड़ी होती है। सही ढंग से पेट में खाना न पचने की वजह से बहुत सारी समस्याएं घेर लेती है। पेट में दर्द, गैस, कब्ज के साथ ही कभी-कभी दस्त की परेशानी भी हो जाती है। जिसकी वजह से शरीर में पानी की कमी और कमजोरी होने लगती है। अगर कई बार दस्त आने लगे तो रसोई में रखी चीजों के इस्तेमाल से राहत मिल सकती है। तो चलिए जानें क्या है वो छोटी सी चीज जो पेट की समस्याओं से राहत दिला सकती है। **राई के दाने**- राई के दाने का इस्तेमाल अक्सर घरों में तड़के के रूप में किया जाता है। इस राई से दस्त की परेशानी को भी दूर कर सकते है। एक चौथाई राई के दानों को एक चम्मच पानी में एक घंटे के लिए भिगो कर रख दें। अब इस राई वाले पानी को पी लें। दिन में दो से तीन बार इसे पीने से दस्त में जल्द ही आराम मिलने लगता है। **अनार**- अनार के दाने से भी दस्त में आराम मिलता है। अगर किसी को दस्त हो रही है तो उसे अनार खाना चाहिए लेकिन दिन भर में दो से ज्यादा अनार न खाएं। अनार के पत्तों के पानी को उबाल कर उसे पीने से दस्त में जल्दी ही आराम मिल जाता है। **मेथी**- मेथी पेट के लिए वरदान से कम नही है। इसके दानों को पीस कर सुबह खाली पेट पीने से पेट की ज्यादातर समस्याओं से राहत मिलती है। मेथी के दानों का पाउडर बनाकर एक गिलास पानी में डालें और सुबह खाली पेट पिएं।

क्या ना करें- लूज मोशन में डेरी प्रोडक्ट नही खाना चाहिए। दस्त के दौरान आपको डेरी उत्पाद जैसे पनीर, दूध और बटर आदि नहीं खाना चाहिए क्योंकि इनमें लैक्टोज के रूप में शुगर मौजूद होते है। इस प्रकार के शुगर दस्त की समस्या को और भी बढ़ाते है। लूजमोशन में डेयरी उत्पादों को खाने से आपके आंत में जलन पैदा होती है। इसलिए दस्त के दौरान डेयरी उत्पादों को नहीं खाना चाहिए। डेयरी उत्पादों की जगह आप दही खाएं, यह आपके आंतो के लिए फायदेमंद है, जो अच्छे बैक्टीरिया में बदल कर दस्त से राहत दिलाते है। दस्त में अधिक भोजन नही करना चाहिए, वसा वाले खाद्य पदार्थ, अधिक वसा वाले और अधिक तले हुए खाद्य पदार्थो को लूज मोशन के दौरान किसी भी हाल में नहीं खाना चाहिए। अधिक वसा वाले खाद्य पदार्थ आंतों पर दबाव डालते है और इसे प्रभावित भी करते है, जो कि पहले से ही बहुत ज्यादा संवेदनशील होता है। इसलिए दस्त में इन पदार्थो को न खाएं। दस्त में न खाएं ये सब्लियां- कुछ सब्जियां, जैसे ब्रोकली, बंदगोभी, बीन्स और फूल गोभी को दस्त की समस्या में नहीं खाना चाहिए। यह सब्जियां आसानी से नहीं पचती है। लूजमोशन के दौरान इन्हें खाने से आपको गैस की समस्या होती है। इसलिए इन सब्जियों को नहीं खाना चाहिए, इन्हें खाने से दस्त की समस्या और भी बढ़ सकती है। लूज मोशन में नहीं खाना चाहिए फाइबर युक्त आहार- साबुत अनाज में बहुत अधिक मात्रा में फाइबर मौजूद होते है। वैसे तो यह आपके स्वास्थ के लिए अच्छे होते है, लेकिन दस्त के दौरान इनका प्रभाव नाकारात्मक हो जाता है। इन्हें खाने से आपके पेट में पानी की मात्रा अधिक हो जाती है और आप बार-बार मल त्याग करते है। इसके अलावा जब आपकी पाचन क्रिया कि गति धीमी हो जाती है, तो इन सब्जियों की वजह से आपको गैस की समस्या भी हो सकती है। दस्त में मद्यपान का सेवन नहीं करना चाहिए- अधिक मद्यपान आपके पेट के लिए नुकसानदायक होता है।

VedOshidhi

ASHMARI (STONE) ROG KI KIT
For Kidney Stone and Diuretic

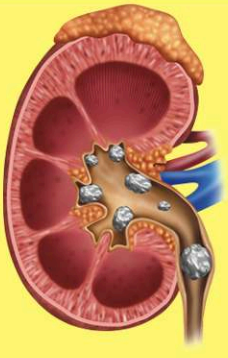

Ashmari rog har tablets अश्मरी रोग हर टैबलेट

Dalchini 6.6 mg, Elaich danna 6.6 mg, Giloy 38.0 mg, Gokhuru 15.0 mg, Harad 55.0 mg, Jeera 17.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kamalgatha 6.6 mg, Kamlisora 15.0 mg, Mulathi 20.0 mg, Nagarmotha 20.0 mg, Nagkesar 6.6 mg, Punaranva 1.3 mg, Revan Chinni 66.0 mg, Soya 37.0 mg, Saunf 11.3 mg, Sanaya patti 14.0 mg, Vasa Patra 10.0 mg, Sang yuhad bhasam 92.0 mg, Yavakshar 40.0 mg, **Mixed with Kwath of** Gokhuru 30.0 mg, Kulthi 53.0 mg, Nagarmotha 40.0 mg, Soya 23.0 mg,Saunf 4.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Shanti kar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankhpushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shankhpushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Varikk rog har tablets वृक्क रोग हर टैबलेट

Giloy 25.0 mg, Haldi 60.0, Kalijiri 100.0 mg, Kachur 120.0 mg, Mulathi 15.0 mg, Nagarmotha 25.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Punarnava 25.0 mg, Sanaya patti 15.0 mg, Saunf 33.0 mg, soyaa 17.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 120.0 mg **Mixed with Kwath of** Giloy 30.0 mg, Gokhuru 30.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Punarnava 15.0 mg, paneer doda 15.0 mg, Saunf 2.0 mg, Soyaa 13.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Rechani guti tablets रेचनी गुटी टैबलेट

Chilka trivi 100.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Kaladana 100.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sukmonia 50.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast.

INDICATIONS :- Renal calculi, UTI, dysuria, burning sensation in urine.

A. Natural Bio-constituents dissolve kidney stone smoothly & prevent the accumulation and deposition of salts in urinary media thereby prevents the formation of stones.

B. Act as diuretic & helps in regular flushing of stones, reduces residual urine quality.

C. Regularizes urinary ph & works as an adjuvant in chronic or recurrent UTI.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। इसके साथ हमें एक दिन में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी भी पीना चाहिए। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- गुर्दे की पथरी, मूत्र में जलन व रूकावट।

कार्य:- प्राकृतिक जड़ी बुटियों से तैयार किट। गुर्दे की पथरी को आसानी से गला कर बाहर निकालती है। और मूत्र मार्ग में होने वाली परेशानियों को रोकती है तत्थ पथरी बनने से रोकती है यह मूल रूप से पथरी को बाहर निकालने में मदद करती है। यह मूत्र के पी.एच. को नियमित करती है। तथा मूत्र रोगों के लिए मददगार औषधि के रूप में भी उपयोग की जाती है। किडनी में पथरी होने के दो मुख्य कारण मोटापा और डिहाइड्रेशन है। जब आप अच्छी तरह से हाइड्रेड नहीं होते है तो किडनी में पथरी बनने की संभावना रहती है। ऐसी स्थिति में आपके पेशाब में कुछ खनिजों की मात्रा बढ़ जाती है। किडनी में होने वाली पथरी अलग-अलग साइज की होती है। ये पथरी गुर्दे से मूत्र पथ के अन्य हिस्से में भी जा सकती है। किडनी में पथरी जब बड़ी हो जाती है तो ऑपरेशन के जरिए उसे निकाला जाता है। किडनी का दर्द पसलियों और पेट में होता है। इसके अलावा पेशाब के वक्त भी दर्द होता है।

क्या करें:- आपको ये बात तो जरूर पता होगी कि मानव शरीर में 70 फीसदी पानी है। आप समझ सकते हैं कि पानी की कमी शरीर को किस तरह से नुकसान पहुंचा सकती है। किसी भी सामान्य व्यक्ति को दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पीना चाहिए। आप जितना पानी पीएंगें यूरिन के द्वारा शरीर से बेकार टॉक्सिन पदार्थ उतने ही ज्यादा बाहर होगें। अगर आपको किडनी स्टोन है तो आप ज्यादा से ज्यादा पानी पियें यह स्टोन को बाहर करने में मदद कर सकता है। **नींबू का रस और जैतुन का तेल-** तो चलिए हम आपको बताते है कि बिना सर्जरी के कैसे ठीक करें किडनी स्टोन। हो सकता है कि नींबू रस और जैतुन का तेल सुनने में आपको थोड़ा अजीब लगे। लेकिन यह बहुत ही प्रभावी घरेलू नुस्खा है। नींबू और जैतुन के तेल को मिला कर बने इस नुस्खे से आप अपनी इस तकलीफ से निजात पा सकते है। अगर आप बिना सर्जरी के किडनी स्टोन को ठीक करना चाहते हैं, तो आपको यह मिश्रण रोज लेना होगा। इस पेय का फायदा यह होगा कि नींबू जूस स्टोन को काटने का काम करेगा और ऑलिव ऑयल या जैतुन का तेल उसे बाहर निकालने में मदद कर सकता है। **किडनी स्टोन में सेब का सिरका** जिसमें सिट्रिक एसिड होता है, जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में काटने का काम करता है। इससे किडनी स्टोन को जड़ से खत्म किया जा सकता है। यह शरीर से टॉक्सिस को बाहर करने में किडनी की मदद करता है। सेब का सिरका लेते समय इसकी मात्रा का पूरा ध्यान रखें। आप इसे दो छोटे चम्मच गर्म पानी के साथ रोज ले सकते है। कई मामलों में यह किडनी स्टोन पूरी तरह से ठीक कर देता है।

क्या ना करें:- पथरी में देर से पचने वाली गरिष्ठ चीजों का सेवन न करें। आवश्यकता से अधिक मात्रा में भोजन कर शरीर का वजन न बढ़ाए। कोल्ड ड्रिंक्स, मांस, मछली के सेवन से परहेज करें। फलों में स्ट्राबेरी, आड़ू, बेर, अंजीर, रसभरी तथा किशमिश, मुनक्का जैसे ड्राई फ्रूट के सेवन से परहेज करें। दूध और दूध से बने पदार्थ दही, पनीर, मक्खन, टॉफी, कैन सूप, नूडल, तला हुआ, फ्राई फूड, जंक फूड, चिप्स चॉकलेट, चाय का सेवन नहीं करना चाहिए।

निम्नलिखित भोज्य पदार्थो में ऑक्सलेट होता है, जो पथरी का कारण बनता है, इसलिए पथरी की समस्या होने पर इनको नहीं खाना चाहिए। ये पदार्थ है- टमाटर, पालक, चौलाई, अंगूर, आंवला, सोयाबीन, सोया मिल्क, चीकू, काजू, चॉकलेट, कद्दू, सूखे बींस, कच्चा चावल, उड़द और चने, नट्स (बादाम, अखरोट, काजू, मूंगफली आदि)। कुछ पदार्थो में पथरी बनाने वाले यूरिक एसिड और प्यूरीन जैसे तत्व होते है, लिहाजा पथरी की समस्या में इनके सेवन से भी बचना चाहिए। ये पदार्थ है- मांस, मछली, मशरूम, फूलगोभी। उच्च फास्फोरस वाले पदार्थो से भी पथरी के मामले में परहेज करना होगा। इनमें चॉकलेट, नट्स, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, दूध, पनीर, सोया पनीर, सोया दही, फास्ट फूड, रेस्टोरेंट फूड आदि आते है। किडनी और पथरी की समस्या में चिकन, मांस आदि से परहेज करना चाहिए। इन पदार्थो में फैट तो ज्यादा है ही और प्रोटीन भी बहुत ज्यादा है। शाकाहारी लोगों को भी इस रोग में प्रोटीन कम ही लेना चाहिए। ज्यादा प्रोटीन से किडनी पर विपरीत असर पड़ता है। यदि ज्यादा प्रोटीन लेगें तो हमारे मूत्र में सामान्य स्थिति से कहीं ज्यादा कैल्शियम बाहर जाएगा। साथ ही पेशाब में यूरिक एसिड और ऑक्सलेट का स्तर भी ज्यादा प्रोटीन से बढ़ जाता है। यह स्थिति हड्डियों की समस्या ऑस्टियोपोरोसिस को तो न्योता देता ही है, किडनी स्टोन की समस्या भी पैदा करती है। मीट प्रोटीन में प्लांट प्रोटीन के मुकाबले सल्फर भी ज्यादा होता है, जिससे ज्यादा एसिड पैदा होता है।

VedOshidhi

SMRITI VARDHAK KIT
Natural Memory Enhancer

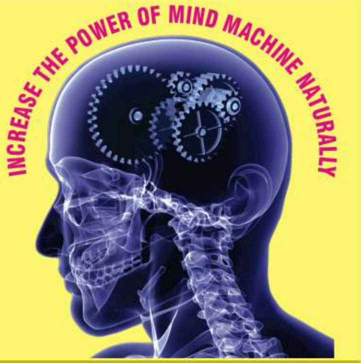

Smriti vardhak tablets स्मृति वर्धक टैबलेट

Amla 25.0 mg, Akharot giri 100.0 mg, Arjuna Chhal 5.0 mg, Ajwain khurasani 25.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Chirongi 100.0 mg, Harad chhilaka 25.0 mg, Jetamansi 25.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Mulethi 25.0 mg, Pippali 25.0 mg, Shankh puspi 100.0 mg, Saunth 25.0 mg, Vach 100.0 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 30.0 mg, Arjuna chhal 30.0 mg, bhrami 30.0 mg, Shankh puspi 30.0 mg, Vach 30.0 mg. **Dosage :** 3 Tablets twice a day after meal.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankhpushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shankhpushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After dinner.

INDICATIONS:- Poor memory, Memory disturbances. Mental Fatigue, Examination phobia and stress. Attention deficit disorders. Speech disorders & bed-wetting in children. Stress, anxiety, depression & disturbed sleep pattern.

A. Improves concentration enhances learning ability and grasping power.
B. Regenerates mind, relieves mental stress, exhaustion and anxiety.
C. Stabilizes mood by calming brain thus reduces tiredness and fatigue.
D. Provides natural source of iron in highly assimilation form without any gastrointestinal disturbances.
E. Helps to improve physical and mental activeness & alertness.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चय-अपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- कमजोर व बिगड़ी हुई याददाश्त, भूल जाना, दिमागी थकावट, एग्जाम का डर व तनाव, ध्यान में कमी, बोलने में तकलीफ बच्चों का बिस्तर में पेशाब करना, तनाव चिंता, सोच अवसाद व नींद न आना।

कार्य:- एकाग्रता बढ़ाकर यह स्मरण करने व ग्रहण करने की खमता बढ़ाती है। दिमाग तेज कर मानषिक तनाव चिंता व थकावट को हटाती है। मनोदशा शान्त कर दिमाग की थकावट कम करती है। प्राकृतिक लोह जो कि बिना हाजमा खराब किए आसानी से रक्त में मिल जाता है। शारीरिक व मानसिक तीव्रता बढ़ाती है।

कारण:- 1- स्मरण शक्ति कमजोर होने का कारण स्वस्थ भोजन की कमी। **2-** उम्र की वजह से स्मरण शक्ति का कमजोर होना। **3-** मस्तिक की कमजोरी का कारण दवाइयों का अधिक सेवन है। **4-** ड्रग्स का अत्यधिक उपयोग दिमाग की कमजोरी की वजह है। **5-** अपाच्य भोजन के कारण नींद की कमी हो सकती है । **6-** मानसिक तनाव के कारण स्मरण शक्ति कम होती है। **7-** सिर पर गहरी चोट भी है स्मरण शक्ति कमजोर होने का कारण। उम्र बढ़ने पर तो स्मरण शक्ति कमजोर होती ही है लेकिन कुछ बच्चों और वयस्कों को भी बाते और चीजें याद रखने में दिक्कत होती है। **8-**पोषण की कमी या किसी चोट या बीमारी की वजह से व्यक्ति की स्मरण शक्ति कमजोर हो सकती है।

क्या करें:- याददाश्त बढ़ाने के घरेलू तरीके -
फिश ऑयल सप्लीमेंट:- मछली का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड इकोसपेंटेनोइक एसिड (ईपीए) और डोकोसेहैक्सेनोइक एसिड (डीएचए) से युक्त होता है। ये फैट तनाव और एंग्जायटी को कम करने में मदद करते है। कई अध्ययनों में सामने आया है कि फिश ऑयल सप्लीमेंट से खासतौर पर बुजुर्ग व्यक्तियों की याददाश्त में सुधार आ सकता है। **सेब:-** सेब में क्यूरसेटिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कि मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है। अगर इन कोशिकाओं को नुकसान पहुंचे तो बौद्धिक क्षमता में भारी गिरावट आ सकती है। सेब पार्किंसन और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के खतरे को कम करने की शक्ति रखता है। **याददाश्त तेज करने का घरेलू उपाय है ब्राह्मी:-** याददाश्त बढ़ाने और बौद्धिक क्षमता में सुधार लाने के लिए ब्राह्मी सबसे बेहतरीन जड़ी बूटियों में से एक है। इसमें बैकोसाइड और सिटग्मास्टेरोज जैसे कई बायोएक्टिव तत्व मौजूद हैं जो न सिर्फ याददाश्त में सुधार लाते हैं। बल्कि मस्तिष्क के कार्य को भी ठीक करते हैं। **याददाश्त तेज करने का घरेलू उपाय है मेडिटेशन:-** मेडिटेशन तनाव को कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। साइकोलॉजी के 293 छात्रों को माईन्डफुलनेस ट्रेनिंग दी कई जिससे इनकी चीजों को याद रखने की क्षमता में सुधार आए। अध्ययन में पाया गया कि जिन छात्रों को ट्रेनिंग नही दी गई थी उनकी तुलना में ट्रेनिंग लेने वाले छात्रों की याददाश्त में सुधार आया है।

क्या न करें:-शराब का अधिक सेवन न करें, देर रात तक बिना किसी कारण न जागें और 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें, मानषिक तनाव न लें और खुश रहने की कोशिश करें, व्यायाम जरूर करें आलस्य न करें, ड्रग्स न लें जिसके कारण याददाश्त कमजोर हो जाती है, मेडिटेशन का उपयोग करें जिससे तनाव कम होता है, खाली बैठ कर अपना समय नष्ट न करें पजल गेम खेलें जिससे दिमाग की कसरत होगी, खाली समय में मनोरंज की बुक पढ़े जिससे दिमाग व्यस्त रहे, ऐलोपैथिक दवाई लगातार काफी समय से लेते रहने के कारण याददाश्त की समस्या उत्पन होती है जिससे बचे, जब आप किसी जानकारी को याद करने का प्रयास कर रहे हों, तो अपनी सभी इंद्रियों को जागृत रखना बहुत महत्वपूर्ण है इसका मतलब यह है कि आपने जिस दृश्य, श्रवण और अर्थ संबंधी इंद्रियों को शामिल किया है यह रणनीति बहुत उपयोगी है क्योंकि सूचना को पूरी तरह से बनाए रखने के लिए विपरीत इंद्रियों की आवश्यकता होती है, केवल बादाम खाने से ही आप इंटेलीजैंट नहीं बन सकते, मेमोरी को शार्प करने के लिए कुछ फल भी असर करते है, अनार में सबसे अधिक पोषक तत्व होते है, अनार खाने से केवल खून ही नहीं बढ़ता बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। गाय के दूध के सेवन से मस्तिष्क की स्मरण शक्ति का पुर्ण विकास होता है

VedOshidhi

NARI SUDHA KIT
Non Harmonal Uterine Tonic

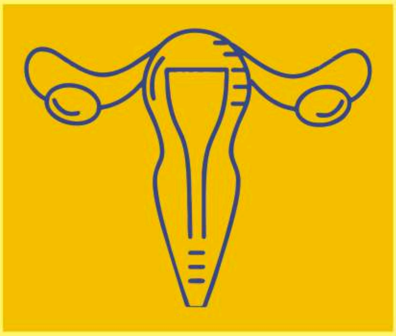

Nari sudha tablets नारी सुधा टैबलेट

Anar Pushp 9.6 mg, Ashok Chhal 40.0 mg, Ajawain 11.2 mg, Dal chini 64.5 mg, Elaichi big 16.3 mg, Dhataki 19.2 mg, Katira 30.0 mg, Harad Small 70.0 mg, Jeera 2.4 mg, Kayphal 2.4 mg, Kamarkas 19.2 mg, Kamalgatha 7.5 mg, Kachur 120.0 mg, Lodh 4.8 mg, Mulethi 30.0 mg, Majuphal 19.2 mg, Nagkeshar 20.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Sauf 5.0 mg, soya 60.0 mg, Tagar 7.5 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 37.5 mg, Kamalgatha 37.5 mg, Lodh 37.5 mg, Sauf 6.0 mg, Soya 31.5 mg, **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets in morning after Breakfast.

Pitt kaph sudh tablets पित्त कफ़ सुधा टैबलेट

Dal chinni 10.0 mg, Elaich dana 5.0 mg, Ghritkumari 5.0 mg, Kachur 300.0 mg, Kamalgatha 5.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kayaphal 10.0 mg, Kali jiri 25.0 mg, Kali mirch 5.0 mg, Nagkesar 5.0 mg, Pitpapda 50.0 mg, Pippli 15.0 mg, Soya 10.0 mg, Saunf 15.0 mg, Vasa 120.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 20.0 mg, Giloy 10.0 mg, Gojiva 10.0 mg, Paneer dodha 45.0 mg, Soya 10.0 mg, Sounf 10.0 mg, Vasa 10.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Pitt sodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jetamansi 50.0 mg, Kutaj chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg. **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shnkh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

INDICATIONS :- Relieves menstrual pain, irregular mensuration, dysfunctional uterine bleeding, infertility, premenstrual syndrome.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

कार्य:- शक्तिदायक की तरह कार्य करता है। और गर्भाशय के परत (Lining) की नियमित सतह बनाये रखती है। इसका प्रभाव असामान्य व बेवक्त के स्त्राव को नियंत्रित करती है। यह गर्भाशय के तीव्र मरोड़ो को कम करती है और मासिक शूल में आराम देती है। इसमें उपस्थित प्राकृतिक लौह, थकान, चिड़चिड़ापन, नींद न आना जैसे विकारों में राहत देता है।

उचित सहायक- माहवारी महिलाओं के जीवन की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसका एक चक्र लगभग 28 दिनों का होता है। महिलाओं में कभी-कभार इसकी अनियमितता की शिकायत देखी जाती है जिसकी कई वजहें हो सकती है। ऐसे में मासिक धर्म समय पर नहीं होता। इसकी अनियमितता के कई कारण हो सकते है। महिला को यदि थायराइड की समस्या है या फिर उसे अन्य किसी तरह की बीमारी है तो मासिक धर्म में अनियमितता हो सकती है। अत्यधिक तनाव में रहने वाली महिला के मासिक धर्म में अनियमितता की समस्या पाई जाती है। महिलाओं के खान-पान में असंतुलन या फिर वजन घटने-बढ़ने के कारण भी इस तरह की समस्या होने की संभावना होती है।

क्या करें:- महिलाओं को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हाइजीन के लिए अनावश्यक कैमिकल्स प्रयोग में न लें। खान-पान में पौष्टिक चीजें खाएं। खूब पानी और छाछ पीएं, इससे हार्मोस का बैलेंस ठीक रहता है। शरीर को आराम दें, तनाव से बचें। बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी दवा न लें। पीसीओडी और हाइपोथयरॉडिज्य (hypothyroidism)का समय रहते इलाज जरूर लें।

उपचार हार्मोन थैरेपी देकर इलाज करते है। यदि किसी प्रकार के हार्मोन डिसऑर्डर से माहवारी अनियमित हुई है तो पहले समस्या का इलाज किया जाता है। जैसे थायरॉइड, पीसीओडी आदि। रोगी को दिनचर्या में बदलाव करने के अलावा खानपान में सुधार करने के लिए कहते है। **माहवारी में कम ब्लीडिंग होने पर हल्दी का उपयोग-** गरम पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर मासिक धर्म को निर्धारित तिथि से पाँच दिन पहले सुबह-शाम पीना शुरू करें। यह उपाय मासिक धर्म में कम रक्तस्राव की समस्या को ठीक करता है। **मासिक धर्म में कम ब्लीडिंग होने पर अदरक का सेवन-** एक चम्मच अदरक के रस में एक चम्मच गुड़ मिलाकर खाएँ। यह उपाय मासिक धर्म की अनियमितता में बहुत लाभदायक होता है। बेहतर उपाय के लिए बॉयोलाईफ आयुर्वेदिक चिकित्सक से परमर्श लें।

क्या ना करें:- भागती दौड़ती जिंदगी में अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को नजरअंदाज करना मानव का स्वभाव बन गया है। ऐसी ही कुछ स्थिति महिलाओं की भी है। बता दें, शहरी महिलाएं व्यस्त होने के कारण तो ग्रामीण महिलाएं अज्ञानता की वजह से अक्सर अपने मासिक धर्म या माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान नहीं रखती है। ऐसा करने वाली महिलाएं इस बात से अनजान रहती है कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते है। महिलाएं इस वजह से बांझपन तक की शिकार बन सकती है। यही वजह है कि माहवारी यानी पीरियड्स के दौरान सफाई रखने की सलाह दी जाती है।

आज भी कई महिलाएं मासिक धर्म के दौरान कपड़े का ही इस्तेमाल करती है। ऐसा करने से पहले ना तो वो कपड़े को धोती है ना ही धूप में सुखती हैं, जिस वजह से कपड़े में जीवाणु पैदा हो जाते है। इस गंदे कपड़े को दोबारा इस्तेमाल करने का मतलब होता है कई गंभीर बीमारियों को न्योता देना। ऐसे में माहवारी के दौरान स्वच्छता का खास ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं को हर महीने मासिक धर्म से गुजरना पड़ता है। ऐसे समय में उन्हें कपड़े की जगह सैनिटरी नैपकिन, टिशू पेपर, हैंड सैनिटाइजर, तौलिए, एंटीसेप्टिक दवा हमेश अपने साथ रखनी चाहिए।

VedOshidhi

YAKRIT ROG KI KIT
Manages Liver Disorders & Metabolism Enhancer

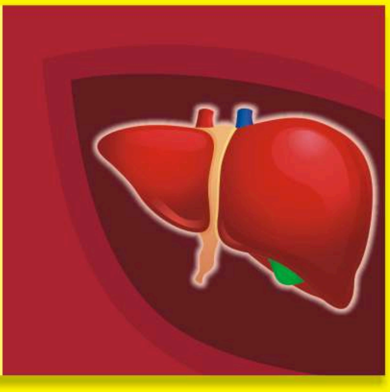

Yakrit rog har tablets यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets Twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jetamansi 50.0 mg, Kutaj chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shnkh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Amal pitt har tablets अम्ल पित्त हर टैबलेट

Chhilka harad 85.0 mg, Dalchin 15.0 mg, Elaichi dana 15.0 mg, Jeera 27.0 mg, Kamalgatha 15.0 mg, Kachur 100.0 mg, Mulethi 24.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Nagkeshar 30.0 mg, Sanay patti 24.0 mg, Saunf 35.0 mg, Soya 30.0 mg, Tage 15.0 mg, Vasa 155.0 mg, **Mixed with Kwath of** Chhilka harad 25.0 mg, Jeera 3.50 mg, Kachur 37.0 mg, Mulethi 7.50 mg, Sanaya patti 7.50 mg, Soya 10.0 mg, Vasa 52.50 mg. **Dosage :** 2 Tablets in morning After Breakfast.

Pitt Shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets in morning after Breakfast.

INDICATIONS :- infective/Alcohol or drug induced hepatitis, cirrhosis of liver, jaundice care and anorexia, constipation, obesity, impaired metabolism and as a liver tonic.

A. Natural Bio-constituents clean our blood by its action on liver thereby regularizing our SGOT/SGPT levels.
B. Protects liver, rejuvenates liver cells & acts as an immunity enhancer.
C. Improves red blood cells restores electrolyte imbalance.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान–पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- इंफेक्टिव, शराब या ड्रग्स के कारण होने वाला हेपेटाइटिस, लिवर सिरोसिस, पीलिया, भूख की कमी, कब्ज, मोटापा, विकृत मेटाबोलिज्म।

कार्य:- प्राकृतिक जड़ी बूटियों से निर्मित यह योग यकृत पर प्रभाव डाल कर हमारे खून को साफ करता है। इस प्रकार SGOT/SGPT को नियंत्रण में रखता है।

यकृत कोशिकाओं को नया बनाता है। इस प्रकार यकृत को बचाता है। और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। खून के लाल कणों को बढ़ाता है। और Electrolyte Imbalance को ठीक करता है।

क्या करें:- लिवर इंजाइमों का उत्पादन करता है। जो कि सभी अंगो द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। सल्फर से भरपूर आहारों जैसे, अंकुरित अनाज, पत्ता गोभी और सब्जियों का सेवन करें। ये लिवर को ठीक रखने में मदद करता है। आप जब भी खाना पकाएं उस समय आंच को मध्यम रखिये और उसमें ऑलिव ऑयल का प्रयोग जरूर कीजिये। इससे एक तो आपके शरीर में फ्री रैडिकल्स नहीं बनेंगे और वहीं कोई कोशिका भी डैमेज नहीं होने पाएगी। हमेशा जैविक खाद्य पदार्थो को ही खाइये। इनमें कम कीटनाशक होते हैं और ये प्राकृतिक भी हैं। रसायन और कीटनाशक लिवर में जम जाते हैं। जिन्हें निकाल पाना बहुत मुश्किल होता है। आपकी हेल्दी डाइट में विटामिन और मिनरल वाले आहार होने जरूरी है। जैसे, गाजर, बॉकली, बादाम, आलू आदि जरूर खाएं। अपचनीय आहार लिवर में चर्बी जमा कर देते हैं। तो ऐसे में ज्यादा नमक और कार्बोहाइड्रेट वाले आहार कम खाएं। अगर आप दिन में 3–4 कप कॉफी पीते है तो उसके बजाए आयुर्वेदिक चाय शुरू कर दें। इससे आपके शरीर से गंदगी बाहर निकलेगी और लिवर साफ रहेगा। एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स को डैमेज होने से रोकता है। पत्ता गोभी, गाजर, गोभी, सोयाबीन, अंकुरित अनाज और फिश ऑयल आदि में ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स होता है। आप यह हमेशा ध्यान रखें व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, इससे आपका ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है और जिससे चर्बी जल जाती है। इससे मन को भी शांति मिलती है। तैराकी साइकिलिंग जरूर करें।

क्या न करें:- **ऐल्कॉहॉल** फैटी लिवर डिजीज और लिवर से जुड़ी कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। **ऐल्कॉहॉल** के सेवन से बचें। **शुगर युक्त प्रॉडक्ट**- कैंडी, कुकीज, सोडा और फ्रूट जूस जैसे शुगर युक्त प्रॉडक्ट्स से दूर रहें। ब्लड शुगर का लेवल बढ़ने से लिवर में ज्यादा फैट बनने लगता है। **फ्राइड फूड**- इनमें फैट और कैलरीज की मात्रा बहुत अधिक होती है। **नमक**- ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी की मात्रा बढ़ जाती है जिसका लिवर पर बुरा असर पड़ता है। **वाइट ब्रेड**- वाइट ब्रेड, वाइट राइस या पास्ता ये सभी प्रोसेस्ड होते है जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है और इनमें फाइबर की मात्रा भी कम होती है।

VedOshidhi

AMAL PITT ROG KI KIT
Fast Relief From Acidity & Gas

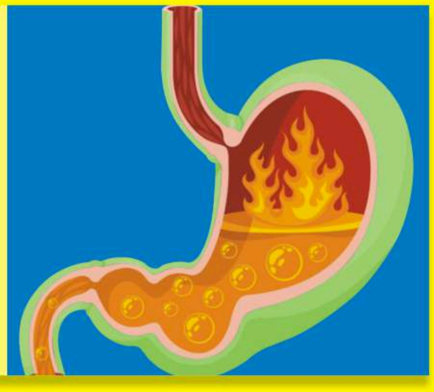

Amal pitt har tablets अम्ल पित्त हर टैबलेट

Chhilka harad 85.0 mg, Dalchin 15.0 mg, Elaichi dana 15.0 mg, Jeera 27.0 mg, Kamalgatha 15.0 mg, Kachur 100.0 mg, Mulethi 24.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Nagkeshar 30.0 mg, Sanay patti 24.0 mg, Saunf 35.0 mg, Soya 30.0 mg, Tage 15.0 mg, Vasa 155.0 mg, **Mixed with Kwath of** Chhilka harad 25.0 mg, Jeera 3.50 mg, Kachur 37.0 mg, Mulethi 7.50 mg, Sanaya patti 7.50 mg, Soya 10.0 mg, Vasa 52.50 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Udar shool har tablets उदर शूल हर टैबलेट

Hing 8.0 mg, Namak 32.0 mg, Naushader 32.0 mg, Pudeena 408.0 mg, Saunth 64.0 mg, Suhaga 8.0 mg, Sarso 48.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudeena 120.0 mg, Saunth 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast

Rechani guti tablets रेचनी गुटी टैबलेट

Chilka trivi 100.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Kaladana 100.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sukmonia 50.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

INDICATIONS :- Hyper acidity, gastritis, stomach pain, peptic ulcer & constipation.

A. It regulates acid secretion & soothe the suffering of acid burning.
B. Its anti-spasmodic, anti-inflammatory & liver protective herbs act as anti-ulcerative & gastro care remedy.
C. relieves constipation & spasm by regulating digestive fire to excrete toxins
D. Improves gut mobility prevents gas formation and improves digestion wellness.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- अति जलन, अमाशय शोथ व दर्द, पेट व आंतों के छाले व जख्म, कब्ज में सहायक।

कार्य:- यह अम्ल स्त्राव को नियमित करता है और आमाशय की जलन में आराम देता है। इसकी जड़ी-बूटियों से निर्मित नुस्खा आंतों की ऐठन को दूर करता है।
इसका शोथहर प्रभाव और यकृत को साफ कर आंतो के जख्मों को दूर करता है। और आमाशय की रक्षा करता है।

यह पाचक अग्नि को बढ़ाकर शरीर से दूषित पदार्थ बाहर निकाल कर कब्ज़ हटाता है। यह आंतो की गति को बढ़ाती है गैस बनना कम कर पाचन शक्ति को तीव्र करता है। आयुर्वेद में वात, पित्त एवं कफ इन तीन दोषों के असंतुलन से ही सारे रोग होते है, तथा इनके सामान्य अवस्था में रहने से व्यक्ति रोगरहित रहता है। उदर रोगों में उदरवायु सबसे आम समस्याओं में से एक देखी जाती है, यह वात के कारण होने वाला रोग है। अनुचित आहार-विहार के कारण वात प्रकुपित होकर अनेक रोगों को जन्म देता है तथा पेट में गैस की समस्या से व्यक्ति को जूझना पड़ता है। आयुर्वेद में वायु के पाँच प्रकार बताए गए हैं- **प्राण, उदान, समान, व्यान एवं अपान वायु।** उदर वायु समान एवं अपान वायु की विकृति से उत्पन्न होती है। लेकिन इसके पीछ बहुत सारे आम कारण होते है। जिनके वजह से गैस होती है।

क्या करें:- अगर खाना खाने के बाद एसिडिटी हो रहा है या हमेशा किसी न किसी कारण गैस का प्रॉबल्म हो रहा है तो इसको रोकने के लिए अपने आहार योजना और जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। सबसे पहले आहार योजना के बारे में जानते है-
जैसे:- पेट में गैस वात दोष के कारण होने वाली एक समस्या है अत: वातशामक आहार एवं उचित जीवनशैली के द्वारा गैस की समस्या से राहत मिलती है।
अपने आहार में बदलाव करें- सेम, गोभी, प्याज जैसे खाद्य पदार्थो की मात्रा का ध्यान रखें, हालांकि, इससे पहले कि आप इन चीजों को खाना छोड़ दे एक या दो सप्ताह इन्हे खाकर यह पता लगा लें कि आपको किस चीज से नुकसान पहुँचाता है, अपने आहार का ट्रैक रखें।
चाय और रेड वाइन भी अधोवायु को रोकने में मदद करता है। सुबह उठकर प्राणायाम एवं योगासन करें। भोजन को चबा-चबा कर खाएं, जल्दी-जल्दी भोजन न खाएं। पवनमुक्तासन, वज्रासन तथा उष्ट्रासन करें। वज्रासन, खाने के बाद करने से गैस होने से रोका जा सकता है। इसको करने के लिए घुटने मोड़कर बैठ जाएं। दोनो हाथों को घुटनों पर रख लें। 5 से 15 मिनट तक करें। गैस पाचन शक्ति कमजोर होने से होती है। यदि पाचन शक्ति बढ़ा दें तो गैस नहीं बनेगी। योग की अग्निसार क्रिया से आंतों की ताकत बढ़कर पाचन सुधरेगा।

क्या ना करें:- जब भी किसी व्यक्ति को एसिडिटी की शिकायत होती है तो उसे अनेक तरह की परेशानियां होने लगती है। रोगी सही से भोजन नहीं कर सकता, साथ ही पेट के दर्द से भी परेशान रहता है। प्राय: देखा जाता है कि एसिडिटी से पीड़ित होने पर रोगी आस-पास की दुकानों से दवा खरीदकर खा लेता है, लेकिन इसके बाद भी मरीज को एसिबडटी से आराम नहीं मिलता। वास्तव में मरीज को दवा के साथ-साथ उचित खान-पान रखने की भी जरूरत होती है। इसलिए यहा एसिडिटी के लिए डाइट की जानकारी दी जा रही है।
एसिडिटी में क्या ना खाएं- नया धान, बेसर, दाल, कुलथ और उड़द, आलू तथा अन्य कन्द मूल, लीसोरा, बैंगन, खट्टे फल, नारंगी, अंगूर, नीम्बू, तीखा भोजन, खट्टा सिरका, साधरण नमक, चाय, कॉफी, धूम्रपान, फास्ट फूट, आचार, मक्खन, कोल्ड ड्रिंक्स, डब्बे में बंद भोजन, जंक फूड, अनुपयुक्त समय में भोजन, मांसाहार, शराब, आदि।

VedOshidhi

KESH ROG KI KIT
Complete Hair Care Remedy

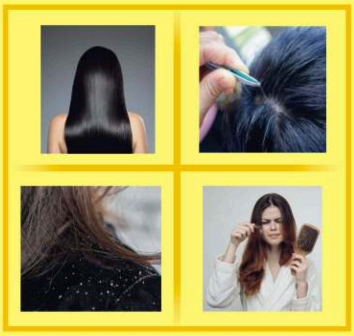

Kesh rog har tablets केश रोग हर टैबलेब

Kayaphal 10.0 mg, Kalijiri 25.0 mg, Kali mirch 5.0 mg, Nagkesar 5.0 mg, Dal chinni 10.0 mg, elaichi danna 5.0 mg, Ghritkumari 5.0 mg, Kachur 300.0 mg, Kamalgatha 5.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Pitpapda 50.0 mg, Pipali 15.0 mg, Soya 10.0 mg, Saunf 15.0 mg, Vasa 120.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 20.0 mg, Gojiva 10.0 mg, Giloy 45.0 mg, pannerdhodha 45.0 mg, Soyaa 10.0 mg, Saunf 10.0 mg, Vasa 10.0 mg.

Dosage : 3 Tablets twice a day after meal.

Tridosh sudha tablets त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg, **Mixed with Kwath of** Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg,

Dosage : 1 Tablets twice a day after meal.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg.

Dosage : 1 Tablets twice a day after meal.

INDICATIONS :- Hair fall, Premature graying & Dandruff.

A. hair treatment formula prepared with potent herbs that gives dark colour to hair along with promoting hair growth too.
B. It makes hair beautiful & soft.
C. It also provides strength, prevents hair loss, dandruff & premature graying.
D. Bio-constituents act as an anti oxidant, immune modulator & eliminate toxins.
E. Natural source of iron in highly assimilated form that prevents graying of hair due to iron deficiency.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- बालों का झड़ना, टूटना, वक्त से पहले सफेद होना और रूसी होना।
उपयोग:- बालों की चिकित्सा का अचूक नुस्खा जो कि प्रभाशाली जड़ी बूटियों से तैयार किया गया है। यह बालों को गहरा रखने के साथ-साथ बालों को बढ़ाने में सहायक है। बालों को मजबूती प्रदान करता है। बालों का झड़ना, टूटना, वक्त से पहले सफेद होना और रूसी से बचाता है। यह एक Anti-Oxidant प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने वाली और शरीर से दुषित पदार्थो को बाहर निकालती है। इसमें उपस्थित प्राकृतिक लोह बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकती है। **उम्र से पहले बाल सफेद होना:**- बालों के रोम में मेलानिन नाम का पिग्मेंट मौजूद होता है, जो हमारे बालों के रंग के लिए जिम्मेदार होता है। समय के साथ मेलानिन की कमी होने लगती है और इसलिए बाल सफेद दिखने लगते है। उम्र से पहले बालों के सफेद होने के अनेक कारण है जैसे की तनाव, चिंता, धूम्रपान, खान-पान, अनुवांशिकी, वातावरण आदि। हमारे देश में भूरे से लेकर काले रंग के बाल होते है। 30 की उम्र से पहले बालों का सफेद होना एक समस्या है। **बालों का झड़ना :**- रोजाना 10-50 बालों का झड़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसकी मदद से हमारे सिर पर नए बाल आते है। लेकिन यदि आपके बहुत ज्यादा झड रहे हैं तो जरूरी है की आप एक केश विशेषज्ञ या त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करें। बालों के झड़ने का कारण कोई अन्य स्वास्थ्य समस्या भी हो सकती है। **गंजापन-** गंजापन पुरूषों में ज्यादा देखा जाता है। इसे एलोपेशिया भी कहा जाता है, इसके कारण है अनुवांशिकी और उम्र के साथ बाल झड़ना। **गंजेपन के लक्षण है-** मेडुला का हल्का होना, सिर पर गंजेपन के गोल घेरे बनना, बाल झड़ना, शरीर से बालों का कम होना आदि। गंजेपन के कारण हो सकते है अनुवांशिकी, हॉर्मोनल समस्याएं, दवाईयों के दुष्प्रभाव और तनाव।

क्या कारण है:-

- लंबी बीमारी या किसी बड़ी शल्य क्रिया या सर्जरी, गंभीर संक्रमण या इंफेक्शन और शारीरिक तनाव से दो या तीन महीने के बाद बालों का झड़ना एक सामान्य प्रक्रिया है।
- हार्मोन स्तर में आकस्मिक बदलाव के बाद भी ये हो सकता है, विशेकर स्त्रियों में शिशु को जन्म देने के बाद यह होता है।
- दवाइयों के दुष्प्रभाव के कारण।
- किसी बीमारी के लक्षण के रूप में भी बालों का झड़ना हो सकता है जैसे कि थायराइड, सेक्स हार्मोन में असंतुलन या गंभीर पोषाहार समस्या विशेकर प्रोटीन, जिंक, बायोटीन की कमी। यह कमी खान-पान में परहेज करने वाले और महिलाओं में मासिक धर्म में बहुत ज्यादा रक्तस्राव होने पर होता है।
- सिर की त्वचा में फफूंद से संक्रमण हो जाता है तो बीच-बीच में बाल झड़ते है।
- वंशानुगत गंजापन या वंश में कोई गंजा है तो वह आनुवांशिकता के तौर पर मिल सकता है।

क्या न करें:-

- बालों में अत्यधिक शेम्पू का प्रयोग नहीं करें।
- बालों में कलर (डाई) न लगवाएं।
- केराटिन हेयर ट्रीटमेंट न करवाएं।
- बालों को स्टाइलिश बनाने के नए-नए तरीकों का उपयोग न करें।
- स्नान के बाद बालों को टावल से ज्यादा न रगड़े।
- बालों पे साबुन लगाने के बाद बालों को ज्यादा न मसलें।
- आप बहुत जल्दी-जल्दी हेयर कलर, स्ट्रेटनिंग या अन्य कोई केमिकल ट्रीटमेंट लेते हैं तो इस वजह से भी आपके बाल झड़ सकते हैं एसा ना करें।
- अक्सर महिलांए बाल धोने के बाद सुखाने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करती हैं। बालों को तेज-तेल से रगड़कर साफ करती हैं, जिससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती है एसा न करें।

VedOshidhi

MED ROG KI KIT
Freedom From Over Weight

Medo har guti tablets मेदो हर गुटी टैबलेट

Saunth 20.0 mg, Kali mirch 28.0 mg, Pipali 28.0 mg, Harad chilka 28.0 mg, bageda 28.0.0 mg, Amla 28.0.0 mg, chitrak Chal 56.0.0 mg, Val vading 56.0 mg, Shudh Gugul 248.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Yakrit rog har tablets यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg,

Dosage : 2 Tablets Twice a day after a meal.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Rechni guti tablets रेचनी गुटी टैबलेट

Chilka trivi 100.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Kaladana 100.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sukmonia 50.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Kanchnari tablets कंचनारी गुटी टैबलेट

Kachnar 120.0 mg, Varun 12.0 mg, Triphala 72.0 mg, Trikuta 36.0 mg, Gugul 252.0 mg, Elaichi dana 3.0 mg, Dal chini 3.0 mg, Tej patta 3.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

INDICATIONS :- A- Increases fat metabolism **B-** natural pungent bio-constituents enhance the activity of liver and pancreas to enable pancreatic amylase convert fat into energy at its initial level. **C-** It softens the stool in natural way with out any side effect like bloating, nausea, gas & diarrhea **D-** gives relief in acidity and constipation by regulating digestive fire to excrete out toxins & improves gut movements. **E-** Regulates hormonal imbalance.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

कार्य:- यह चर्बी के मेटाबोलिज्म को बढ़ाती है। प्राकृतिक तीक्षण जड़ियाँ व तिल्ली की कार्यक्षमता को बढ़ाती है। जिसके फलस्वरूप चर्बी प्रथम दौर में ही ऊर्जा में बदल जाती है। यह बिना किसी दुष्प्रभाव के जैसे पेट फूलना, उलटी आना, गैस व मल को प्राकृतिक तौर पर नरम करती है। यह पाचक शक्ति को नियमित करके शरीर से दूषित पदार्थों को बाहर निकालती है और जिसके फलस्वरूप जलन व कब्ज से राहत मिलती है। और आंतों की गति को बढ़ाती है। यह हार्मोन को संतुलित करती है।

सार:- आयुर्वेद के अनुसार मोटापे व वजन के बढ़ने का मुख्य कारण कफ का बढ़ना है इसे वसा भी कह सकते हैं। यह एक गाढ़ा, चिपचिपा, गीला, धीमा व ठण्डा पदार्थ है। जो कि हमारे शरीर को संरक्षित करता है। और मस्तिक व शरीर को स्नेहन प्रदान करते हुए वजन को बढ़ाने के साथ-साथ मुख्य सात ऊतकों को बनाता है ये ऊतक इस प्रकार हैं: पोषक तरल पदार्थ, रक्त, वसा, मांसपेशियां, हड्डी, मज्जा और प्रजनन ऊतक : साधरणत: आम परिस्थितिओं में ये कफ इन सभी ऊतकों को विभिन्न प्रकार के छोटे-छोटे रास्तों से पोषकता प्रदान करते हैं। पर जब कफ की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है। तब इसके कारण ही शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ने लग जाती है। ये टॉक्सिन (वसा) शरीर के कमजोर भागों में इकट्ठा होना शुरू हो जाता है। और ये प्रक्रिया वसा चैनलों को अवरूद्ध कर देता है और वों टॉक्सिन वही अधिक वसा ऊतकों का उत्पादन शुरू कर देते है, मुख्यत: इसी कारण मोटापा व वजन लगातार बढ़ता जाता है।

क्या करें:- 1. सुबह दो टमाटर खायें। 2. गर्म पानी ही पीयें गर्म पानी शरीर की गंदगी को बाहर निकालता है। इस तरह आपका शरीर डीटोक्स होने लगेगा तो मेटावोलिज्म बढ़ेगा और आप स्लिम होने लगेंगे। 3. आप रोजाना व्यायाम करें एवं दो कि.मी. सुबह-शाम सैर अवश्य करें। 4. आप स्विमिंग भी कर सकते है। जिसके करने से बहुत अधिक कैलोरी खर्च होती है। इससे पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। 5. एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद 3 चम्मच नींबू का रस उसमें एक चुटकी काली मिर्च पाउडर रोज सुबह पीयें। 6. बिना छाने हुए जौं और गेंहू के आटे की रोटी खायें। 7. रोज सुबह एक - दो देसी खीरा खायें। 8. लौकी का जूस भी बहुत फायदा करता है। 9. रोजाना 15 मिनट तक योगासन जैसे सूर्यनमस्कार, कपालभांति, त्रिकोणासन, धनुरासन इत्यादि करें। 10. अपने भोजन का समय निर्धारित करें एवं फाइबरयुक्त फल व सब्जियों का सेवन करें।

क्या ना करें:- 1. अत्यधिक कैलोरी वाला भोजन शराब, सिगरेट, जंकफूड अधिक मात्रा में चाय, अधिक मसालों वाला व तला हुआ भोजन न करें। 2. इसके अलावा हर प्रकार के नशे व टॉक्सिन वाला भोजन नही करना चाहिए। 3. अधिक वसा प्रदान करने वाले भोजन जैसे- मांस, अण्डें, मख्खन, घी, अधिक मिठीं चीजें न खायें। 4. ज्यादा समय तक एक ही जगह न बैठें। 5. मैदा व मैदे से बने हुए भोजन नही करने चाहिये। 6. ज्यादा तनाव में न रहें।

गुण:- मेद रोग की किट एक ऐसी आयुर्वेदिक औषधि है जो इस प्रक्रिया को ठीक रूप से चलाते हुए मोटापे को बढ़ने से रोकती है। ये पूर्णत: आयुर्वेदिक है इसका किसी भी प्रकार का कूप्रभाव हमारे शरीर पर नहीं पड़ता है।

VedOshidhi

AANTRA ROG KI KIT For Complete Solution of IBS & Colitis

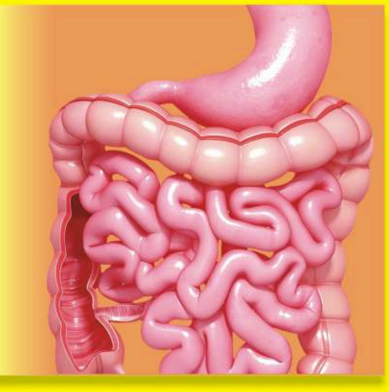

Aantra rog har tablets आन्त्र रोग हर टैबलेट

Ajwain 7.50 mg, Anar pushp 10.0 mg, Amla 10.0 mg, Dalchini 75.0 mg, Elaich Danna 10.0 mg, Gond katiri 50.0 mg, Guldhava 10.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Jeera 10.0 mg, kachur 200.0 mg, Kayaphal 5.0 mg, Kamalgatha 10.0 mg, Kataj chhal 50.0 mg, Lahsude 50.0 mg, Mochrass 10.0 mg, Nagermotha 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 43.70 mg, Kamalgatha 26.60 mg, Lodra pathani 26.70 mg, Nagermoth 26.60 mg, Soya 22.80 mg,Saunf 3.70 mg. **Dosage** : 2 Tablets twice a day.

Pusti vardhak tablets पुष्टि वर्धक टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Dalchini 25.0 mg, Elaichi danna 40.0 mg, Gond katiri 100.0 mg, Giloy 15.0 mg, Harad kali 25.0 mg, Jeera 50.0 mg, Kachur 35.0 mg, Nagkesar 40.0 mg, Nagarmotha 40.0 mg, Pudina 50.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Saunf 50.0 mg, Soya 10.0 mg, Tager 20.0 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Nagarmoth 50.0 mg, Ravend Chinni 75.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets after dinner daily.

Tridosh sudha tablets त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg. **Mixed with Kwath of** Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankhpushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg. **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shankhpushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

INDICATIONS :- **Irritable Bowel Syndrome, Dysentery, Chronic blood loss, severe illness and fatigue.**

A. Its has protective, anti-microbial & anti spasm-odic action which improves digestion.
B. The combination of hemostatic, astringent & anti-inflammatory herbs are for complete solution of intestines.
C. Its digestive & health restorative action improves digested food assimilation, calms second brain (stomach), cleans the colon, regulates bowel movement & is non habit forming.
D. It provides natural source of iron in highly assimilable form without any gastro intestinal disturbances & is immunity booster.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

कार्य:- इसके प्रयोग से प्रतिरोधक क्षमता और आंत्रों की ऐठन से बचाव व पाचन शक्ति बढ़ती है। रक्त स्तंम्भक रोधक व शोधहर जड़ी-बूटियों आन्त्र रोग से पूर्ण राहत देती है। पाचक व स्वास्थ वर्धक प्रभाव भोजन को पूर्ण रूप से पचाता है। पेट को आराम देता है, आन्त्र को साफ करता है और यह मल त्याग को नियमित करता है। और इसकी आदत भी नहीं पड़ती है। अगर कभी पेट दर्द, उल्टी, थकावट और दस्त कि समस्या हमें होती है तो हम उसे पाचन की समस्या से जोड़ के देखते हैं। खाने के दौरान शरीर के कुछ अंग सक्रिय हो जाते हैं और खाने को पचाने में जुट जाते हैं। कई बार खाना आंतों में सही तरह से ऑब्जर्व नहीं हो पाता है और हमें आंतों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

आन्त्रों की समस्या :- कब्ज और डायरिया- खाने में फाइबर की कमी के कारण पाचन में समस्या उत्पन्न होती है। **बवासीर**- आन्त्रों की समस्या होने पर बवासीर भी हो सकती है। **हार्ट बर्न और एसिड रिफ्लेक्स**- हम जो भी खाना खाते हैं वो भोजन भोजननली से होते हुए स्टमक में जाता है। अगर खाना पहुंचने की दिशा में बदलाव आता है तो स्टमक का एसिड गलें में पहुंच जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान आपको छाती में जलन होती है। **इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम**- पेट में ऐंठन, सूजन, दस्त और कब्ज चार मुख्य लक्षण है, जो आंत में समस्या को बढ़ाते है। आई.बी.एस. पुरूषों की तुलना में महिलाओं को दो गुना तेजी से प्रभावित करता है ये समस्या 30-35 की उम्र में अधिक पाई जाती है। खान-पान में बदलाव करके या फिर कुछ दवाओं का प्रयोग करके इस समस्या से निजात पाया जा सकता है।

क्या करें:- आंतो में सूजन के घरेलू उपचार के तौर पर ओमेगा-3 एसिड युक्त तेलों का सेवन बढ़ा दें। मछली के तेल और अलसी के तेल में ओमेगा-3 ज्यादा पाया जाता है। ये तेल इंफ्लामेट्री प्रक्रिया को कम करने में मदद करते है। रोज एक से दो चम्मच अलसी का तेल लेना बेहतर रहता है। कई बार घरेलू परहेज भी दवा का काम कर जाते है। अगर हम सही समय पर सही तरीकों से परहेज करना शुरू कर दें तो बीमारी पर नियंत्रण हासिल कर सकते है। यहां हम आपको आंत में सूजन के कुछ घरेलू परहेज बताने जा रहे है। जो निम्नलिखित है। 1- आंत में सूजन की स्थिति में खाना खाते समय खाने को धीरे-धीरे चबाना चाहिए। 2- पानी प्रचुर मात्रा में पीएं। 3- एक बार में भारी मात्रा में खाना खा लेने की अपेक्षा कई बार में थोड़ा-थोड़ा करके खाना खाएं। 4- उच्च कैलोरी/सात्विक खाद्य पदार्थो का सेवन करें। 5- आन्त्र स्वस्थ रखने के लिए कई बदलाव कर सकते हैं जैसे कि कम चीनी का सेवन, चिंता कम करें, कसरत करें, अच्छी नींद लें, बैलेंस डाइट फॉलो करें आदि।

क्या ना करें:- कुछ लोगों को गर्म मसालेदार खाद्य सामग्री परेशान करती है जबकि कुछ लोग उन्हें सहन कर लेते हैं। मसालेदार भोजन कम करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा आन्त्र की सूजन में हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थो का सेवन खतरनाक होता है। ऐसे में खानपान में उच्च फाइबर वाले निम्नलिखित खाद्य पदार्थो को खाने से परहेज करना चाहिए। **जैसे:**- दस्त, पेट में दर्द और गैस को कम करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कम या बंद कर दें। उच्च फाइबर युक्त चीजों जैसे कि ताजी फल और सब्जियों एवं साबुत अनाज से लक्षण और भी बढ़ सकते हैं। ब्रोकली और फूलगोभी से ज्यादा दिक्कत हो सकती है इसलिए इन चीजों को खाने से बचें। मसालेदार खाना, शराब और कैफीन न लें। इसकी वजह से लक्षण और गंभीर रूप ले सकते है। आंत के लिए कई सारी चीजें हानिकारक हो सकती हैं जैसे कि प्रोसेसड फूड, ग्लूटेन, अंडा, मक्का, आर्टिफिशियल मिठास आदि।

VedOshidhi

MADHUMEH ROG KI KIT
Helps to Manage Diabetes Naturally

Madhumeh har tablets मधुमेह हर टैबलेट

Ashwagandha 120.0 mg, Amla 60.0 mg, Gudmar buti 60.0 mg, Jamun guthli 60.0 mg, Kali jirri 60.0 mg, Karela 60.0 mg, Methi dana 60.0 mg, Neem patra 60.0 mg, Vijayakshar 60.0 mg **Mixed with Kwath of** Amba haldi 50.0 mg, Giloy 50.0 mg, Methi dana 50.0 mg, **Dosage :** 3 Tablets twice a day after meal.

Pusti vardhak tablets पुष्टि वर्धक टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Dalchini 25.0 mg, Elaichi danna 40.0 mg, Gond katiri 100.0 mg, Giloy 15.0 mg, Harad kali 25.0 mg, Jeera 50.0 mg, Kachur 35.0 mg, Nagkesar 40.0 mg, Nagarmotha 40.0 mg, Pudina 50.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Saunf 50.0 mg, Soya 10.0 mg, Tager 20.0 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Nagarmoth 50.0 mg, Ravend Chinni 75.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets after breakfast daily.

Shaktikar guti tablets शक्तिकर गुटी टैबलेट

Ashwagandha 320.0 mg, Beej vidhara 35.0 mg, Gugul sudh 70.0 mg, Kesar 3.0 mg, Long 12 .0 mg, Sudh kuchala 10.0 mg, Sudh singref (Higul) 35.0 mg, Shilajit 5.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After dinner.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After dinner.

INDICATIONS :- A- By enhancing metabolism it helps to digest the food properly which in turn reduces the chances of accumulation of toxins and so chances of diseases become less thereby maintaining normal blood sugar level. **B-** enriched with Rasayana herbs to restore the quality of life. **C-** Useful in prevention of complications. due to diabetes. **D-** Adjuvant therapy of PRE DIABETES & PCOS.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे**:- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

कार्य:- रक्त मधुमेह प्रबन्धन चिकित्सा चयापचय को बढ़ाते हुए भोजन को पूर्ण रूप से पचाती है। जिससे शरीर में Toxic waste कम एकत्रित होते है परिणाम स्वरूप बिमारियों के होन के अवसर कम हो जाते है। इस प्रकार से यह रक्त मधुमेह को नियंत्रण में रखती है। यह रसायन जड़ियों से युक्त जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। रक्त मधुमेह के कारण होने वाली जटिलताओं से बचाने में सहायक यह Pre-Diabetes & Pcos की प्राकृतिक चिकित्सा के रूप में भी दी जा सकती है।

उपयोग:- मधुमेह रोग की किट में दिये गये निर्देश अनुसार सभी औषधियों का उपयोग करें। ये ऐसी अद्भुत मधुमेह रोधी आर्युवेदिक औषधियां है जो खून शर्करा की मात्रा को निर्धारित रखने में सहायता प्रदान करती है। ये दोनो तरह के मधुमेह रोगी के लिए असर कारक है। **(जिन्हें मधुमेह रोग अभी हुआ है एवं मधुमेह काफी समय से है।)** ये मधुमेह उपचार की अत्यंत प्रभावी एवं सुरक्षित औषधि है। जो रोगी इन्सुलीन का इस्तेमाल कर रहे है। वो इसका इस्तेमाल डाक्टर के परामर्श के अनुसार करें। एकाएक अंग्रेजी दवाई लेना बंद न करें अहिस्ता-आहिस्ता छोड़ें।

क्या करें:- 1- थोड़े अंतराल में भोजन करें क्योंकि एक साथ ज्यादा खाना खाने से रक्त में शुगर की मात्रा बहुत तेजी से बढ़ती है। दिन भर के भोजन को पांच हिस्सों में बांट लें। 2- आहार ज्यादा फाइबर युक्त होना चाहिए जैसे:- छिलके सहित पूरी तरह से बनी गेंहू की रोटी, दलिया आदि जैसे कार्बोहाइड्रेट शामिल होना चाहिए। क्योंकि वे खून के प्रवाह में धीरे-धीरे मिल जाते हैं। 3- सब्जियों में करेला, मेथी, सहजन, पालक, तुरई, शलगम, बैंगन, टिण्डा, चौलाई, परबल, लौकी, मूली, फूलगोभी, ब्रोकली, टमाटर, बंदगोभी, सोयाबीन, काला चना, बीन्स, शिमला मिर्च, हरे पत्तेदार सब्जियां खायें व सूप का सेवन करें। 4- कमजोरी दूर करने के लिए कच्चा नारियल, अखरोट, मूंगफली, काजू, इसबगोल, दही व छाछ आदि का सेवन करें। 5- Biolife ग्रीन टी का सेवन दिन में दो बार करें। 6- रोजाना आधा घंटा जरूर टहलें। 7- प्रतिदिन सुबह-शाम कुछ देर व्यायाम जरूर करें।

मधुमेह के रोगी को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:-

1- किसी भी प्रकार का तला हुआ भोजन न करें। 2- जिस भोजन में स्टार्च की मात्रा ज्यादा हो वो भी नही खाना चाहिए। 3- मदिरा का सेवन भी निशेद्ध है। 4- मीठे पदार्थ और ज्यादा मीठे फल भी नही खाने चाहिए। 5- कॉफ़ी चाय, चॉकलेट, कोका कोला इत्यादि का सेवन न करें। 6- सभी प्रकार की बाह्य खाद्य पदार्थो के सेवन से बचें। 7- किसी भी तरह की बनावटी शुगर का इस्तेमाल न करें। 8- ज्यादा समय तक भूखा न रहें। 9- ज्यादा चिंता न करें एवं ज्यादा देर तक न जागें। 10- तम्बाकू (जर्दा, खैनी, गुटका, बीड़ी, सिगरेट एवं सिगार) न लें।

VedOshidhi

LEUCODERMA KI KIT
Complete Leucoderma Solution

Leuco sudha tablets ल्यूको सुधा टैबलेट

Bakuchi 200.0 mg, Gandhpushp 50.0 mg, giloy 25.0 mg, Gugule 50.0 mg, Ghritkumari 50.0 mg, Harad 50.0 mg, Harad Chhoti 50.0 mg, Haldi 50.0 mg, Babool 50.0 mg, Kachur 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Manjistha 75.0 mg, Nagarmotha 50.0 mg, Neem 50.0 mg, Paneerdhodha 25.0 mg, Rasanjan 50.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 10.0 mg, Vasapatra 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Bakuch 50.0 mg, Giloy 25.0 mg, Nagarmotha 32.0 mg, Neem 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Yakrit rog har tablets यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After breakfast.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets after Dinner.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast.

INDICATIONS :- White patches, Leucoderma.

A. restores skin colour and pigmentation by synthesiszing of melanin.
B- helps to initiate redness on the spots of vitiligo & reduces irritation.
C- Digestive herbs which help to excrete toxins from body which enhance metabolism & cleans blood by action on liver thus regulates immunity.
D. Reduces stress to improve emotional trauma.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

उचित सहायक:- सफेद दाग, ल्यूकोडर्मा।

कार्य:- यह मेलालीन का उत्पादन कर त्वचा का रंग फिर से प्रदान करती है। यह श्वेत कुष्ठ के दागों पर लालिमा लाने में मदद करती है। और जलन कम करती है। इसकी पाचक औषधियाँ शरीर से दूषित पदार्थो को शरीर से बाहर निकालता है। जिससे मेटाबोलिज्म बढ़ता है।

यह यकृत पर प्रभाव डाल कर खून को साफ करती है। और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। मानसिक तनाव कम करती है। समाज में अभिशाप माने जाने वाले सफेद दाग की समस्या का हल जहां विज्ञान तलाश कर रही है वहीं कुछ आसान घरेलू उपायों से इसे दूर किया जा सकता है। सफेद दाग एक तरह का त्वचा रोग है जो किसी एलर्जी या त्वचा की समस्या के कारण होता है। कई बार ये आनुवांशिक भी होता है। दुनिया के दो प्रतिशत लोग इस समस्या से ग्रस्त है और भारत में चार प्रतिशत तक लोग इस समस्या से ग्रसित है। इसे ठीक करने के लिए काफी धैर्य की जरूरत है। इन घरेलू उपायों में इस समस्या का समाधान छुपा है जिसे धैर्य के साथ अपनाने की जरूरत है।

क्या करें:- सफेद दाग के उपचार के दौरान आपको इन बातों का ध्यान रखना है। 1- ध्यान एवं योग का अभ्यास रोज करें। 2- ताजा एवं हल्का गर्म भोजन अवश्य करें। 3- भोजन धीरे-धीरे शांत स्थान में शांतिपूर्वक, सकारात्मक एवं खुश मन से करें। 4- तीन से चार बार भोजन अवश्य करें। 5- किसी भी समय का भोजन नहीं त्यागें एवं अत्यधिक भोजन से परहेज करें। 6- हफ्ते में एक बार उपवास करें। 7- अमाशय का एक तीहाई या एक चौथाई भाग रिक्त छोड़े। 8- भोजन को अच्छी प्रकार से चबाकर एवं धीरे-धीरे खायें। 9- भोजन लेने के बाद 3-5 मिनट टहलें। 10- सूर्योदय से पहले जग जायें। 11- रोज दो बार दांतों को साफ करें। 12- रोज जिव्हा को साफ करें। 13- रात में सही समय पर नींद लें। रोजाना अदरक का जूस पीएं और अदरक के एक टुकड़े को खाली पेट चबाएं। साथ ही अदरक को पीसकर सफेद त्वचा पर लगाएं। और कई बार लोग मल मूत्र को रोक कर रखते है। जो कि बहुत ही गलत है। इससे शरीर के अंदर अपशिष्ट पदार्थो का जमावड़ा बन जाता है जो शरीर को नुकसान पहुंचाते है। इसलिए हमेशा शरीर के विषैले तत्व को बाहर निकालें और शरीर को शुद्ध रखें।

क्या ना करें:- इस रोग का इलाज करते समय परहेज बहुत जरूरी है। ज्यादा नमक के सेवन से बचें, नया अनाज, भारी गरिष्ठ तला हुआ नमकीन मिर्च मसालेदार भोजन नहीं खाएं। अचार, सिरका, दही, अमचूर, इमली, नींबू का सेवन ना करें, अण्डा, मछली या अन्य मांसाहार और शराब तंबाकू से परहेज करें। आलू, उड़द, गन्ना, प्याज, मक्खन, दूध, जामुन, मिठाई, केला न खाएं। दूध और मछली या दूध और नॉनवेज का एक साथ सेवन न करें इन चीजों का सफेद दाग में विशेष तौर पर परहेज रखें। दूध से बनी चीजों का सेवन कम कर दें। मिठाई, रबड़ी, दही एक साथ खाने में शामिल न करें। तिल, गुड़ और दूध भी एक साथ सेवन न करें। खट्टी चीजें जैसे इमली,खटाई, नींबू, संतरा, अंगूर टमाटर, आंवला, अचार, दही, लस्सी, मिर्च, मैदा, उड़द न खाएं। इन चीजों का सफेद दाग में परहेज रखें। मांसाहार और फास्ट फूड खाने से परहेज करें। नमक मूली और मांस के साथ दूध न पिए। सफेद दागों पर खुजली होने पर नाखून से खुजली ना करें। कब्ज की शिकायत ना होने दें।

VedOshidhi

ARSH ROG KI KIT
Piles Fissure Management Effective Care From Pain & Discomfort

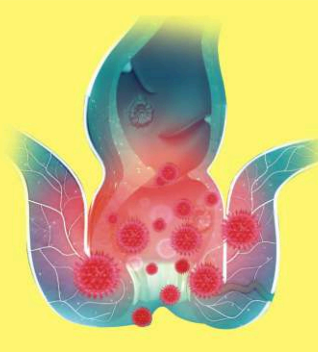

Arsh rog har tablets अर्श रोग हर टैबलेट

apamarg 30.0 mg, Chlka harad 150.0 mg, Gugulsudh 70.0 mg, Harad kali 75.0 mg, Jeera 10.0 mg, Kachur 100.0 mg, Kamalgatha 10.0 mg, Mulethi 40.0 mg, Nimboli 30.0 mg, Nagarmoth 10.0 mg, Pitpapda 25.0 mg, Rasont 10.0 mg, Saunf 10.0 mg, Sanaya patti 40.0 mg, Tager 5.0 mg, Vasa 75.0 mg. **Mixed with Kwath of** Chilka harad 50.0 mg, Harad kali 20.0 mg, Kachur 20.0 mg, Nagarmoth 20.0 mg, Pitpapda 10.0 mg, Sanaya patti 10.0 mg, Vasa 20.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Arsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0 mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulathi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablet After Breakfast.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 167.0 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Pitt kaph sudha tablets पित्त कफ सुधा टैबलेट

Dal chinni 10.0 mg, Elaich dana 5.0 mg, Ghritkumari 5.0 mg, Kachur 300.0 mg, Kamalgatha 5.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kayaphal 10.0 mg, Kali jiri 25.0 mg, Kali mirch 5.0 mg, Nagkesar 5.0 mg, Pitpapda 50.0 mg, Pippli 15.0 mg, Soya 10.0 mg, Saunf 15.0 mg, Vasa 120.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 20.0 mg, Giloy 10.0 mg, Gojiva 10.0 mg, Paneer dodha 45.0 mg, Soya 10.0 mg, Sounf 10.0 mg, Vasa 10.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Nimbadi guti tablets निम्बादि गुटी टैबलेट

Rasoni 200.0 mg, Nimboli 100.0 mg, Apamark 100.0 mg, Shudh gugul 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Bajrangi Powder बजरंगी पॉउडर

Kamila powder 166.0 mg, Sindoor 500.0 mg, Suhaga 167.0 mg, Sefeda kashgiri 167.0 mg. **Dosage :** Mix in 100 ml of coconut oil apply on anal area before & after defection.

INDICATIONS :- Piles, bleeding & pain associated with piles, anal itching, fissure & Fistula, constipation.

A. Due to hemostatic & astringent action it heals & stops chances of recurrence.
B. By toning blood capillaries it checks rectal bleeding.
C. By anti inflammatory & analgesic properties it controls pain and local itching.
D. With anti-microbial action it helps to check any type of local secondary infections.
E. By toning the peristalsis action of intestines it softens stool and controls painful defection.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- बादी व खूनी बवासीर, गुदा मार्ग से दर्द खारिश व जलन, कब्ज, गुदा मार्ग का कटना।

कार्य:- इसका रक्त स्तम्भक संकोचक प्रभाव जख्म भरता है और दुबारा होने से रोकती है। रक्त धमनिओं को सुद्यढ़ बना कर गुदा मार्ग से होने वाले रक्त बहाव को रोकती है। इसका शोथहर और पीड़ाहर प्रभाव दर्द और चुभन को नियंत्रित करता है। सक्रमण से होने वाले दुष्प्रभाव को रोकता है। यह आंतो की गति को बढ़ाकर मल को नरम करता है। और दर्द से होने वाले मल विसर्जन में राहत देता है।

खूनी बवासीर:- खूनी बवासीर में किसी प्रकार की पीड़ा नही होती है। इसमें मलत्याग करते समय खून आता है। इसमें गुदा के अन्दर मस्से हो जाते हैं। मलत्याग के समय खून के साथ थोड़ा-थोड़ा टपकता है, या पिचकारी के रूप में आने लगता है।

बादी बवासीर:- बादी बवासीर में पेट की समस्या अधिक रहती है। कब्ज एवं गैस की समस्या बनी ही रहती है। इसके मस्सों में रक्तस्राव नहीं होता। यह मस्से बाहर आसानी से देखे जा सकते है। इनमें बार-बार खुजली एवं जलन होती है। शुरूआती अवस्था में यह तकलीफ नहीं देते, लेकिन लगातार अस्वस्थ खान-पान और कब्ज रहने से यह फूल जाते है। इनमें खून जमा हो जाता है, और सूजन हो जाती है।

क्या करें:- 1. नरम आहार ही करें। 2. काले चने का आटा एक भाग गेहूं का आटा तीन भाग मिलाकर रोटी बनवा कर खाएं, पुराने चावल, पपीता, आमलकी का सेवन अधिक मात्रा में करें। 3. जिमीकंद (सूरन) की सब्जी बना कर खाएं। 4. मल त्याग करने के लिए अंग्रेजी शौचालय का ही प्रयोग करें।

इसके अनुसार जिसकों भी बावासीर है, वो हर रोज खाना-खाने के बाद एक कप मूली का रस या जूस जरूर पियें। इससे बहुत जल्दी आपकी बवासीर ठीक हो जाएगी। यह रस दोनों तरह की बवासीर पर काम करता है। खूनी हो या बादी यह दोनों को ठीक करता है। मूली के रस से ही फिशचुला, फिशर को भी ठीक होने में बहुत मदद मिलती है।

एक और घरेलू औषधि है, जो बहुत आसानी से व बहुत सस्ते में मिल जाती उसका नाम है कपूर! यह वही कपूर है जो हम भगवान की पूजा में प्रयोग करते हैं! यह बहुत थोड़ी मात्रा में लेना है, लगभग एक से डेढ़ ग्राम, और इसको लेने की विधि भी बहुत आसान है। कपूर को आप केले में रख कर सीधा खा सकते हो। इसको हफ्ते में केवल एक बार या दो हफ्ते में एक बार लेना काफी है। यह डेढ़ से दो महीनों में बवासीर, भगन्दर को आराम से ठीक कर देता है।

क्या ना करें:- 1. तले हुए एवं मसालेदार भोजन का सेवन न करें, आलू व कद्दू की सब्जी का सेवन न करें। 2. अनियमित आहार न करें। 3. पेशाब व मल को रोक कर न रखें जैसे ही थोड़ा सा दबाव हो त्याग दें। 4. घुड़सवारी व सख्त सतह पर न बैठें। 5. धुम्रपान न करें।

फैट वाले आहार न खाएं:- तेल में फैट बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। फैट युक्त पदार्थ पेट के लिए बहुत खतरनाक होते है। फैट युक्त पदार्थो का अधिक सेवन करने से पेट में जलन, पेट में दर्द और सीने में जलन की समस्या हो सकती है। इन पदार्थो का सेवन करने से बवासीर का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि तैलीय पदार्थ कब्ज की शिकायत को बढ़ा देते हैं। डेरी प्रोडक्ट भी कम मात्रा में खाएं। घी का सेवन कम करें।

कैफीन न खाएं:- कैफीन पाचन के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। कैफीन का अधिक सेवन करने से दस्त की समस्या भी हो सकती है। कॉफी और चाय में कैफीन अधिक मात्रा में पाई जाती है। कैफीन के सेवन से कब्ज की शिकायत होती है और शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है। कैफीन युक्त पदार्थ मलाशय में सूजन की समस्या कर सकते है। इसलिए बवासीर में कैफीन युक्त पदार्थ खाने से अच्छा है कि कोई स्वस्थ तरल पदार्थ पियें। चाय, कॉफी और चॉक्लेट में कैफीन बहुत अधिक मात्रा में मौजूद होता है।

VedOshidhi

KAS-SHVAS ROG KI KIT
Safe Choice for Asthma-Bronchitis

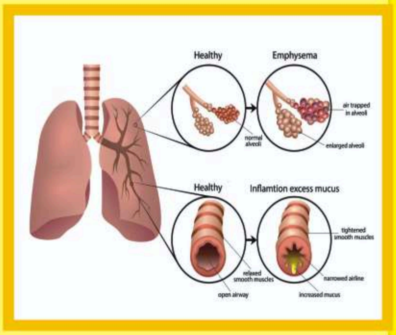

Var kaph sudha guti tablets वात कफ सुधा गुटी टैबलेट

Ashwagandha 10.0 mg, Ajawain 10.0 mg, Dal chinni 30.0 mg, ghritkumari 10.0 mg, Kachur 200.0 mg, Kali mirch 30.0 mg, Kamalgatha 10.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kayaphal 15.0 mg, Kalijiri 10.0 mg, Nagkeshar 10.0 mg, Namak 5.0 mg, Pipali 30.0 mg, Pitpapada 50.0 mg, Pudina 10.0 mg, Saunth 30.0 mg, Saunf 10.0 mg, Soya 10.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 100.0 mg. Mixed with Kwath of Dashmool 45.0 mg, Gulbanaksha 25.0 mg, Jufa 10.0 mg, Paneerdhodha 45.0 mg, Vasa 25.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets after Breakfast.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets in morning after Breakfast.

Vatik kas ripu tablets वातिक कास रिपु टैबलेट

Ashwagandha 12.5 mg, Ajawain 12.5 mg, Dal chinni 62.5. mg, Ghritkumari 12.5 mg, Kachur 125.0 mg, Kali mirch 31.25 mg, Kayaphal 31.25 mg, Kala danna 12.5 mg, Kutki 12.5 mg, Kamalgatha 12.5 mg, Kashani 25.0 mg, Muleth 62.5 mg, Kaddu 25.0 mg, Nagarmotha 25.0 mg, Pitpapada 62.5 mg, Pipali 31.25 mg, Pudina 12.5 mg, Saunth 31.25 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 6.25 mg, Talish patar 25.0 mg, Vasa patra 93.75 mg, **Mixed with Kwath of** Gajvan 30.0 mg, Vanfsa 30.0 mg, Giloy 30.0 mg, Jupha 30.0 mg, Basa Patra 30.0 mg, Dashmool 45.0 mg, Gulbanaksha 25.0 mg, Jufa 10.0 mg, Paneerdhodha 45.0 mg, Vasa 25.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Amal pitt har tablets अम्ल पित्त हर टैबलेट

Chhilka harad 85.0 mg, Dalchin 15.0 mg, Elaichi dana 15.0 mg, Jeera 27.0 mg, Kamalgatha 15.0 mg, Kachur 100.0 mg, Mulethi 24.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Nagkeshar 30.0 mg, Sanay patti 24.0 mg, Saunf 35.0 mg, Soya 30.0 mg, Tage 15.0 mg, Vasa 155.0 mg, **Mixed with Kwath of** Chhilka harad 25.0 mg, Jeera 3.50 mg, Kachur 37.0 mg, Mulethi 7.50 mg, Sanaya patti 7.50 mg, Soya 10.0 mg, Vasa 52.50 mg. **Dosage :** 2 Tablets in morning After Breakfast.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jetamansi 50.0 mg, Kutaj chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg. **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shnkh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Kaph avaleh Powder कफ अवलेह पाऊडर

Sitopaladi 600.0 mg, Talisadi 200.0 mg, Lavandadi 200.0 mg. **Dosage :** 1.4 (Mix in 100 gms of Honey & make paste & lick 2-3 three time in a day).

INDICATIONS :- Breathlessness associated with asthma, chronic cough & chest congestion, allergic bronchitis, hoarseness of throat, smokers cough.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे**:- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

कार्य:- इसका एन्टी- वायरल, जीवाणु हर व शोधहर प्रभाव गले के दर्द में आराम देता है। और बलगम को नरम करता है। इसका एन्टी- इंफेक्टिव, एन्टी- एलर्जिक प्रभाव श्वास नलियों की सूजन कम करता है। और दिन में बिना नशा दिए पुरानी खांसी में आराम देता है। इसकी प्रतिरोधक शक्ति व श्वास नलियों को खोलने का प्रभाव Lungs व गले को साफ करती है। इस प्रकार व बचपन से चली आ रही bronchitis को ठीक करती है।

इसका प्राकृतिक स्वास्थदायक प्रभाव श्वासतन्त्र में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, बीमारी से लड़ने में शरीर के त्रिदोषों को सम अवस्था में लाकर ठीक होने का एहसास देता है।

यह यकृत पर प्रभाव डाल कर खून को साफ करके शरीर से दूषित तत्वों को बाहर निकालता है और अम्ल बनने की क्रिया को नियमित करता है। जो पुरानी खांसी का मुख्य कारण है। बिना नींद लाये दिमाग को शांत कर मानसिक पीड़ा को कम करता है।

उचित सहायक- दमा व इससे सम्बन्धित सांस फूलना कम, छाती में रूकावट, एलर्जिक ब्रोंकिट्स, आवाज का भारी होना व धूम्रपान के कारण रहने वाली खांसी।

क्या करें:- अपनी दवा का पालन करें- यदि आप अपने अस्थमा की दवा को उस तरीके से लेते है जिस तरह से आपके डॉक्टर आपको परामर्श देतें हैं। आपको शीघ्र स्वास्थ्य में लाभ मिलेगा। **अपने लक्षणों के बारे में सावधान रहें**- अपने सीने में सांस की तकलीफ या जकड़न जैसे शुरूआती संकेतों पर ध्यान देने से आपको अपने अस्थमा के लिए त्वरित कार्यवाही करने में मदद मिलेगी।

अपने अस्थमा एक्शन प्लान का पालन करें- अपने डॉक्टर के साथ अपनी कार्य योजना पर चर्चा करना सुनिश्चित करें, जो आपको अच्छे अस्थमा नियंत्रण के लिए मार्गदर्शन करेगा।

शांत रहें- अस्थमा का दौरा पड़ने पर शांत रहें।

अपने पीक फ्लो जोन को जानें- पीक फ्लो मीटर का उपयोग आपकी श्वास की जांच के लिए किया जाता है और ये रीडिंग आपको यह जानने की अनुमति देते है कि आप कैसे सांस ले रहे है। यह समस्याओं को जल्दी संकेत दे सकता है और सांस लेने में परेशानी से बचने में मदद कर सकता है।

अपने अस्थमा ट्रिगर से बचें- अस्थमा ट्रिगर्स को जानें और उन ट्रिगर्स से दूर रहें जो आपके अस्थमा को भड़काते या खराब करते है।

सही लोगों से बात करें- अपने डॉक्टर से बात करें। अस्थमा और नियंत्रण के बारे में अपने परिवार, स्कूल या दोस्तों से बात करें। उन्हें आपकी मदद करने दें।

क्या ना करें:- उन संकेतों को जानें जब आपका अस्थमा बिगड़ रहा है। जल्दी से कार्यवाही करों। जितनी तेजी से आप कार्य करेंगे, उतनी ही तेजी से आप अपनी स्थिति पर नियंत्रण हासिल करेंगे।

धुएं के आसपास न रहें- धूम्रपान से अस्थमा बढ़ता है और बिगड़ता है।

व्यायाम करना बंद न करें- अपने चिकित्सक से व्यायाम, खेल और अन्य गतिविधियों के बारे में पूछें। फिट रहने से आपको स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी।

ग्रीष्मकालीन और शरद ऋतु के दौरान खिड़की न खोलें- एलर्जी के मौसम के दौरान, धूल मिट्टी को अपने घर या कार में प्रवेश करने से रोकें। जब प्रदूषण अधिक हो तब (सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक) घर के अंदर रहने की कोशिश करें। ताजा कटी घास से बचें।

अपने बेडरूम में पालतू जानवर न रखें- पालतू जानवरों के साथ स्मार्ट बनें। कालीन और कपड़े से ढके हुए फर्नीचर से डैंडर (जानवरों के फर) फंस जाएंगे और आपको परेशानी होगी।

VedOshidhi

AAM VAT (GATHIYA) KI KIT
Rheumatic Pain Management

Aamvatari guti tablets आमवातारि गुटी टैबलेट

Kali mirch 55.0 mg, Ravand chini 35.0 mg, Haldi 65.0 mg, Manjistha 35.0 mg, Vacha 35.0 mg, Sarjikshar 35.0 mg, Shudh gugul 165.0 mg, Pulp ghritkumari 65.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

Sarvang shool har tablets सर्वांग शूल हर टैबलेट

Suranjaan Akshiri 40.0 mg, Mulethi 30.0 mg, Manjistha 20.0 Kali mirch 40.0 mg, Ajawain 20.0 mg, Ashwagandha 90.0 mg, Pudeena 45.0 mg, Saunth 20.0 mg, Gugul 100.0 mg, Palp Ghrit Kumari 20.0 mg, Ravand Chini 20.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Sandhi shool har tablets सन्धि शूल हर टैबलेट

Ashwagandha 150.0 mg, Ajwain 10.0 mg, Ghritkumari 25.0 mg, Gugul sudh 25.0 mg, Haldi 75.0 mg, Hing 5.0 mg, Kali mirch 50.0 mg, kayaphal 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Manjistha 25.0 mg, Nagkesar 10.0 mg, Namak 5.0 mg, Piplamool 75.0 mg, Pipali 25.0 mg, Pudina 75.0 mg, Sargikshar 25.0 mg, Saunth 150.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmool 60.0 mg, Kateri 10.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Var shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Greevakati shool hal tablets ग्रीवाकटी शूल हर टैबलेट

Balchad 5.0 mg, Chhilka harad 15.0 mg, Chhilka trivi 12.5 mg, Dalchini 25.0 mg, Elaichi dana 10.0 Gugulshudh 12.5 mg, Ghritkumari 40.0 mg, Geru 10.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 40.0 mg, Kali mirch 90.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Kalaa danna 10.0 mg, Kutki 15.0 mg, kayaphal 10.0 mg, Lahasun 12.5 mg, Nagkesar 30.0 mg, Pipali 75.0 mg, Piplamool 120.0 mg, Pudina 50.0 mg, Rasont 12.50 mg, Sendha namak 10.0 mg, Saunf 15.0 mg, Saunthi 90.0 mg, Tagar 10.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 80.0 mg, Methidana 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

INDICATIONS :- A unique combination of hot & high potency Bio-constituents with vat balancing, natural anti-Inflammatory & digestive property the help to excrete out toxins from our body because they are the causes of generalized body aches & inflammation in joints thus it relieves pain, muscle stiffness & aches.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

कार्य:- तीक्ष्ण व उष्ण शक्तिशाली जड़ियों का अद्वितीय योग जो वात सन्तुलित करता है। प्राकृतिक शोध निवारक व पाचक गुण से युक्त है जो शरीर से Toxins पदार्थो को बाहर निकालता है। जिसके फलस्वरूप शरीर में किसी प्रकार के दर्द से राहत मिलती है व जोड़ों की सूजन कम होने लगती है।

उपयोग:- जोड़ों के दर्द रोग की किट में दिये गये निर्देश अनुसार सभी औषधियों का उपयोग करें। यह एक ऐसी अद्भुत जोड़ों के दर्द की आर्युवेदिक औषधि है जो गठिया, मांसपेशियों में खिचाव, जोड़ो का दर्द, कमर व पिण्डलियों के दर्द में आराम देती है।

फ्लैक्सी तैल उपयोग विधि:- शरीर के जिस भी जोड़ या हिस्से में दर्द हो उस जगह पर गरम पानी में तौलिया भिगो कर लपेट लें, 2-3 मिनट इन्तजार करें (ऐसा 2 या 3 बार करें) उसके बाद उस जगह को सूखें कपड़े से साफ कर लें ऐसा करने से उस जगह के रोम छिद्र खुल जाएंगे, उसके बाद तैल को ऊपर से नीचे की ओर या नीचे से ऊपर की ओर ही मालिश करें।

क्या करें:- 1- कोई भी मौसम हो, संतुलित आहार की जरूरत हमेंशा होती है। संतुलित आहार में फल, सब्जियां, दाले, अनाज और डेयरी उत्पाद शामिल करें। ठंड के दिनों में सभी मौसमी फल व सब्जियां अपने खाने में शामिल करें। ताकि आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन और खनिज पदार्थ मिलते रहें। भोजन के साथ अंकुरित मेथी का सेवन भी करें। कच्ची दो भिण्डी सवेरे पानी के साथ खाएं। दिन भर में तीन अखरोट अवश्य खाएं। खाने में सरसों का तेल, जैतून का तेल, देशी घी, व सेंधा नमक का इस्तेमाल करें।

विटामिन बी जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है। इसलिए विटामिन बी3, नाइसिन युक्त पदार्थ जैसे मीट, मछली, पनीर, बी5 एवं पेंटोथेनिक एसिड युक्त पदार्थ जैसे अण्डें, सोयाबीन, और बी6 युक्त जैसे साबुत आनाज, केला, दलिया इत्यादि का सेवन करें।

व्यायाम से मांस-पेसियां व जोड़ों को मजबूत एवं लचीला बनाने में मदद मिलता है। ठण्ड में जोड़ों में अकड़न बढ़ जाती है। ऐसे में यह गर्माहट गतिशीलता व दर्द से राहत देता है।

क्या न करें:- सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल एवं कॉर्न ऑयल का इस्तेमान कम से कम करें। शराब और बीयर में यूरिक बहुत अधिक होता है। जिससे सूजन की समस्या हो सकती है। साथ ही इसमें ग्लूटेन भी होता है जो शरीर में दर्द उत्पन्न करने की क्षमता का प्रभावित करता है। रिफाईड नमक में फॉस्फोरस और सिलिकॉन मौजूद होता है जो हड्डियों के घनत्व के कम कर देते है। और उन्हें कमजेर बना देते है। इसलिए इसका सेवन न करना ही फायदेमंद होता है।, अगर आपको जोड़ों में दर्द रहता है। अपने भोजन में सूखी और कच्ची सब्जियां खाने से बचें। बहुत ज्यादा दालें, अंकुरित अनाज और सलाद न खाएं। बहुत जल्दी-जल्दी अपने सोने की शैली को न बदलें। हरी पत्तेदार सब्जियां, मशरूम, मटर तीखें पादर्थ, कोल्ड-ड्रिंक, ठंडे खाद्य पदार्थ और आइस्क्रीम का अधिक मात्रा में सेवन लगातार व्रत न रखों या लंबे समय तक खाने से दूर न रहें। प्राकृतिक इच्छाओं जैसे मल त्याग करने या पेशाब को रोके नहीं। बहुत ज्यादा शारीरिक कार्य न करें जिससे जोड़ों में लगी चोट पर दबाव पड़े। किसी भी तरह की कठिन एक्सर्साइज से बचें और ज्यादा आराम न करें।

URJA KIT
Rasayan - Complete Health Restorative

Pusti vardhak tablets पुष्टि वर्धक टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Dalchini 25.0 mg, Elaichi danna 40.0 mg, Gond katiri 100.0 mg, Giloy 15.0 mg, Harad kali 25.0 mg, Jeera 50.0 mg, Kachur 35.0 mg, Nagkesar 40.0 mg, Nagarmotha 40.0 mg, Pudina 50.0 mg,Ravend chinni 50.0 mg, Saunf 50.0 mg, Soya 10.0 mg, Tager 20.0 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Nagarmoth 50.0 mg, Ravend Chinni 75.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Shaktikar guti tablets शक्तिकर गुटी टैबलेट

Ashwagandha 320.0 mg, Beej vidhara 35.0 mg, Gugul sudh 70.0 mg, Kesar 3.0 mg, Long 12 .0 mg, Sudh kuchala 10.0 mg, Sudh singref (Higul) 35.0 mg, Shilajit 5.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Urja Lepapm उर्जा लेपम्

Palash 400.0 mg, Gorakhmundi 200.0 mg, Pipal 200.0 mg, Multani mitti 100.0 mg, Ashwagandha 100.0 mg. **Dosage :** Make a paste with water as required. Apply on external genital organ & leave it till it dries then wash it.

Urja Powder उर्जा पॉउडर

Ashwagandha 166.0 mg, Kronch beej 166.0 mg, Amla 166.0 mg, Musli 166.0 mg, Goakshur 166.0 mg, Lavang 86.0 mg, Jaiphal 85.0 mg. **Dosage :** Take 1 gm (approximately ¼ tsp.) twice a day with water / honey.

INDICATIONS :- A- Act as potent stimulant, rejuvenator, improves stamina, vigour & vitality. **B-** Revitalizes & energizes body & helps to build muscle strength. **C-** Improves nervous weakness due to diabetes & acts as anti-oxidant. **D-** Relieves stress, fatigue & anxiety improves alertness. **Erectile dysfunction, oligospermia, asthenospermia, improves ovulation & general weakness due prolonged illness/ diabetes.**

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चय-अपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि..

कार्य:- प्रभावशाली नुस्खा जो कि उत्तेजक कायाकल्प करने वाला, ताकत, सहनशीलता व प्राणशक्ति प्रदान करता है। पुन: शक्ति प्रदायक शरीर और मांसपेशिओं को शक्ति प्रदान करता है। रक्त मधुमेह के कारण होने वाली नसों की ताकत को पुन: शक्ति देता है। और Anti-Oxidant की तरह काम करता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। थकान व चिन्ता को दूर करता है। और ध्यान शक्ति बढ़ाता है। **उचित सहायक:- नपुंसकता, शुक्राणुओं की कमी, कमजोरी थकावट, या रक्त मधुमेह के कारण होने वाली कमजोरी को दूर करता है।**
सार:- संम्भोग आनन्द के सात मुख्य बिंदु इस प्रकार है। 1- वीर्य की मात्रा का ज्यादा और गाढ़ा होना। 2- ज्यादा काम उत्तेजकता का होना। 3- लिंग का कड़ापन होना। 4- स्खलन में ज्यादा समय लगना। 5- मानसिक तनाव का न होना। 6- संम्भोग इच्छा शक्ति का अधिक होना। 7- शारीरिक थकावट व कमजोरी का न होना। ऊर्जा किट के सभी घटकों को इन सभी सातों मुख्य बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसका किसी भी प्रकार का कोई कुप्रभाव नही है। इसे सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए लगातार भी ले सकते हैं।

क्या करें:- 1- तुलसी के बीज और मुसली लेकर चूर्ण बनाएं, फिर उसमें थोड़ी मिश्री पीसकर मिला दें और शीशी में भरकर रख दें। आधा चम्मच की मात्रा में यह चूर्ण सुबह-शाम गाय के दूध के साथ सेवन करें इससे यौन दुर्बलता दूर होती है। इसके अलावा आपकी कामशक्ति पहले से दुगुनी हो जाती है। 2- लिंग संकुचन का व्यायाम भी लिंग के कड़ेपन को बढ़ाता है। 3- उड़द की धुली हुई दाल सप्ताह में एक बार जरूर खायें। 4- सफेद प्याज व एक कली वाला लहसुन भी संम्भोग शक्ति को बढ़ाता है। 5- खजूर एक बेहतरीन मेवा में से एक है। खजूर के सेवन के बाद इलायची वाले दूध का सेवन करे। ऐसा कुछ दिन करने से प्रजनन क्षमता की कमी दूर होती है। 6- बादाम को भीगोकर सुबह खायें ऐसा करने से यौन स्वास्थ्य की शक्ति बढ़ती है तथा रक्त संचार भी ठीक रहता है और प्रजनन की क्षमता को बढ़ाता है। 7- भारतीय शौचालय का इस्तेमाल जिसमें पैरों के ऊपर भार होता है उपयोग करना चाहिए। ये एक तरह से लिंग के व्यायाम का काम करता है। 8- वीर्य को गाढ़ा करने के लिए एक चम्मच शहद में एक चम्मद हल्दी पाउडर मिलाकर रोजना सुबह के समय खाली पेट सेवन करना चाहिए। इससे संम्भोग शक्ति भी बढ़ती है।

क्या ना करें:- 1- हर प्रकार के नशे से बचना चाहिए **जैसे**- बीड़ी, सिगरेट, शराब, तम्बाकू, गुटखा आदि का सेवन नही करना चाहिए। 2- जितना हो सके मानसिक तनाव एवं शारीरिक थकावट से बचना चाहिए। 3- खट्टा पदार्थ एवं खट्टे फल नही खाने चाहिए। 4- काम उत्तेजकता बढ़ाने वाली अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल नही करना चाहिए ये कुछ समय के लिए काम को तो चलाती है पर इससे हमारे शरीर पर बहुत कुप्रभाव पड़ता है।

VedOshidhi

SHIRO SHOOL KI KIT Manages Migraine & Headache

Vat sudha tablets वात सुधा टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Sarvang sool har tablets सर्वांग शूल हर टैबलेट

Suranjaan Akshiri 40.0 mg, Mulethi 30.0 mg, Manjistha 20.0 Kali mirch 40.0 mg, Ajawain 20.0 mg, Ashwagandha 90.0 mg, Pudeena 45.0 mg, Saunth 20.0 mg, Gugul 100.0 mg, Palp Ghrit Kumari 20.0 mg, Ravand Chini 20.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Udar shool har tablets उदर शूल हर टैबलेट

Hing 8.0 mg, Namak 32.0 mg, Naushader 32.0 mg, Pudeena 408.0 mg, Saunth 64.0 mg, Suhaga 8.0 mg, Sarso 48.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudeena 120.0 mg, Saunth 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast

INDICATIONS :- Migraine Headache, trigeminal neuralgia.

A. Natural analgesic. (VAT-BALANCING).
B. Pungent, bitter herbs balance vat dosha there by helps in neuralgia & migraine.
C. Gives a relief in spam and improves digestion to excrete out toxins.
D. Prevents gas formation & improves gut mobility.
E. Herbal tranquilizer with no day time drowsiness and drug dependence. It calms mind, relieves stress, anxiety and fatigue.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे**:- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- सर दर्द, माइग्रेन व नसों का दर्द।

सहायक:- इसका वात संतुलित प्रभाव प्राकृतिक दर्द निवारक है। तीक्ष्ण कटु जड़ी बूटी वात का संतुलित प्रभाव माइग्रेन व नसों के दर्द से राहत देता है। दर्द की ऐठन को कम करता है व पाचन को सुचारू करके Toxin को बाहर निकालता है। गैस बनने से रोकता है। और आंतो की गति का ठीक करता है। यह दिमाग को शान्त व सौम्य रखता है।

माइग्रेन क्या है:- आज के समय में बहुत से लोंगो को माइग्रेन की समस्या होती जा रही है। जिसे माइग्रेन होता है उसे काफी तेज सिरदर्द होता है, सिरदर्द आधे सिर में होता है। इस बीमारी में मतली आना, तेज रोशनी का बढ़ जाना, धुंधले धब्बे, गर्दन में दर्द आदि महसूस होने लगता है। इसमें मरीज ना तो चैन से सो पाता है और ना ही आराम से बैठ भी पाता है। माइग्रेन में सिर के नीचे की धमनी बड़ी होने लगती है और जहां सिर दर्द हो रहा होता है वहां की नस सूज जाती है। माइग्रेन के दर्द को ठीक करने के कई तरीके है जैसे आयुर्वेदिक दवाइयाँ या तो कुछ खाद्य पदार्थ **जैसे**:- पीपरमेंट, मसाला चाय पीयें, लहसन का रस पीयें, लौंग और नमक पेस्ट बनाकर दूध में पीयें, अदरक की चाय, कैफीन ज्यादा लें।

क्या करें:- अंगूर का रस- अंगूर का रस भी माइग्रेन के दर्द को दूर करने का एक प्रभावी घरेलू उपाय है। अंगूर के रस में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते है। जो माइग्रेन के दर्द को दूर करते है। इसके लिए आप अंगूर को लेकर उसका रस निकालें और ताजा ही सेवन करें। लौंग को चूसें।

दालचीनी का लेप:- अगर आपको सिर में तेज दर्द का अहसास हो तो आप दालचीन को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब आप इस लेप को अपने माथे पर लगाएं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

अदरक:- अदरक शरीर के किसी भी भाग के दर्द को दूर करने में मदद करता है। आप माइग्रेन का दर्द होने पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक डालकर चाय बनाकर उसका सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो अदरक का टुकड़ा भी मुंह में रख सकते हैं। या फिर इसे शहद के साथ मिक्स करके भी ले सकते हैं।

माइग्रेन के रोगी को बार-बार सिर में दर्द न हो, इसके लिए जरूरी है कि आप इसके ट्रिगर को पहचाने। इससे आप काफी हद तक इसे मैनेज कर सकते हैं। जब भी धूप में निकलें तो छाता लेकर निकले या फिर कैप आदि लगाकर ही बाहर निकलें। धूप के कारण माइग्रेन का दर्द बढ़ सकता है। पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं। शरीर में पानी की कमी के कारण सिरदर्द काफी तेज हो सकता है।

क्या न करें:- कई बार हारमोन्स के प्रभाव, तनाव, साईकोलॉजी फैक्टर और कुछ प्रकार की दवाईयों का सेवन करने से भी माईग्रेन की समस्या हो सकती है। साथ ही बेकार लाइफ स्टाइल भी इस बीमारी की वजह बन सकता है। जो लोग देर तक भूखे रहते है। उन्हें भी यह समस्या हो सकती है। सोडियम नाईट्रेड, उन खाद्य पदार्थो में पड़ा होता है जिन्हें प्रीजर्व किया जाता है जैसे कि हॉट-डॉग, बेकन या मीट आदि। इसके सेवन से माईग्रेन का अटैक आ सकता है। साथ ही प्रीर्जेवेटिव, बेनजोइक भी माईग्रेन का कारण बन सकता है। इसलिए कोशिश करें कि आप इनका सेवन न करें। एमएसजी, मोनोसोडियम ग्लूटामेट, एक प्रकार का फ्लेवर होता है जिसे कई फूड में इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से कई बार माईग्रेन अटैक पड़ सकता है। सभी प्रकार के प्रोसेस्ड फूड में यह पाया जाता है। अगर आपको चीज बहुत ज्यादा पसंद है तो आपको माईग्रेन का दर्द झेलना पड़ सकता है क्योंकि रखे हुए चीज में सैसुरेटेड टायरामाइन होता है जो कि प्रोटीन के ब्रेकडाउन होने से बन जाता है। इससे कई लोगों को माईग्रेन अटैक पड़ने की शिकायत होती है। कैफीन को सामान्य से ज्यादा मात्रा में सेवन पर सिरदर्द यानि माईग्रेन की समस्या हो सकती है। चॉकलेट में phenyl ethylamine पाया जाता है जिससे माईग्रेन की समस्या हो सकती है। रेड वाइन और एस्पार्ट में भी यह पाया जाता है।

VedOshidhi

KABJ HAR KI KIT
Complete Gut Care

Yakrit rog har tablets यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg,

Dosage : 2 Tablets Twice a day after meal.

Udar shool har tablets उदर शूल हर टैबलेट

Hing 8.0 mg, Namak 32.0 mg, Naushader 32.0 mg, Pudeena 408.0 mg, Saunth 64.0 mg, Suhaga 8.0 mg, Sarso 48.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudeena 120.0 mg, Saunth 30.0 mg,

Dosage : 2 Tablets After Breakfast

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg.

Dosage : 2 Tablets After Dinner Daily.

Rechani guti tablets रेचनी गुटी टैबलेट

Chilka trivi 100.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Kaladana 100.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sukmonia 50.0 mg,

Dosage : 2 Tablets After Dinner.

INDICATION :- Constipation, Flatulence & Blotting as a liver tonic.

- **A.** Natural pungent Bio-constituents enhance the activity of liver, clean blood by its action on it & releases constipation by regulation the digestive fire.
- **B.** Due to laxative in action with its antidote herbs it softens the stool in natural way without any side effects like bloating, nausea, gas, diarrhoea helps to relieve constipation.
- **C.** Gives relief in acidity and constipation by regulating digestive fire to excrete out toxins & improves gut movements.
- **D.** With vata-pita dosha balancing properties it prevents gas formation, improves gut mobility and there by excretes out toxins from our system.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। इसके साथ हमें एक दिन में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी भी पीना चाहिए। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायक:- कब्ज, पेट फूलना, अफरन और as Liver tonic

कार्य:- प्राकृतिक तीक्ष्ण जड़ी बूटियाँ यकृत व तिल्ली की कार्यक्षमता को बढ़ा कर खून साफ कर कब्ज से राहत देती हैं। इसकी पेट साफ करने वाली जड़ी-बूटियाँ बिना किसी कुप्रभाव जैसे- गैस, पेट फूलना, दस्त व उल्टी लाये बिना मल को नरम कर कब्ज से राहत देती है।

Digestive fire :- को नियमित कर शरीर से Toxin को बाहर निकालती है और आंतो की गति को बढ़ाती है। यह वात-पित्त को सम कर गैस बनने से रोकती है।

कब्ज क्या है:- कब्ज से तात्पर्य पेट की ऐसी समस्या से है, जिसमें व्यक्ति को मल त्याग (Excretion) करने में परेशानी होती है। इसके अलावा उसे मल त्याग (Excretion) के समय काफी दर्द भी होता है, जिसके लिए उसे मेडिकल सहायता लेनी पड़ती है। इस स्थिति में मल (Stool) सख्त और सूखा हो जाता है, जो दर्द का कारण बनता है।

क्या करें:- जैसे ही किसी व्यक्ति को कब्ज से पीड़ित होने का पता चलता है, वैसे ही उसे अपना इलाज शुरू कर लेना चाहिए। ऐसा करने से वह कब्ज से होने वाले संभावित खतरों से बच सकता है। इस प्रकार का इलाज निम्नलिखित तरीके से किया जा सकता है।

घरेलू नुस्खे अपनाना- कब्ज का इलाज कराने का सबसे आसान तरीका घरेलू उपचार को अपनाना है। इसके लिए नींबू पानी पीना, सादा भोजन करना, तैलीय भोजन से बचना इत्यादि उपाय अपनाए जा सकते हैं।

दवाई लेना- कब्ज का इलाज दवाई के द्वारा भी संभव है। ये दवाइयाँ कब्ज को बढ़ने और इससे पीड़ित लोगों को राहत प्रदान करने का काम करती हैं।

सप्लीमेंट का सेवन करना- अक्सर, कब्ज को ठीक करने के लिए सप्लीमेंट का सहारा भी लिया जाता है। हालांकि, इन सप्लीमेंट्स का सेवन डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करना चाहिए क्योंकि अत्याधिक मात्रा में सप्लीमेंट का सेवन करना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बायोफिडबेक थेरेपी करना- आज के दौर में कब्ज के इलाज के लिए बायोफिडबेक थेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कब्ज से पेट संबंधी समस्याओं को ठीक करने को कोशिश की जाती है।

सर्जरी कराना- जब कब्ज का इलाज किसी भी तरीके से नहीं हो पाता है, तब डॉक्टर सर्जरी का सहारा लेते हैं। इसमें कोलोन (colon) को निकाल दिया जाता है, ताकि मल त्याग सही और सुचारू रूप से हो सके।

क्या ना करें:- जो लोग कब्ज की समस्या से पीड़ित हैं उन्हें दूध वाले डेयरी प्रोडक्ट नहीं खाना चाहिए ये कब्ज को बढ़ा सकते है। व्हाइट ब्रेड, व्हाइट राइस और पास्ता आदि के सेवन से भी कब्ज का रोग बढ़ जाता है। लाल मांस भी कब्ज को बढ़ा सकता है। इसे पचने में अधिक समय लगता है और ज्यादा समय पेट भरा हुआ लगता है। फास्ट फूड भी कब्ज के रोगी को नुकसान कर सकते है। इनमें फाइबर कम होते हैं और पचने में अधिक समय लेते हैं। पेस्ट्री, केक, चिप्स और दूसरे तले हुए खाद्य पदार्थ नहीं खाना चाहिए। ये पाचन शक्ति को कमजोर करते हैं और कब्ज बढ़ाते हैं। शराब आदि का सेवन भी नहीं करना चाहिये। चावल बहुत आसानी से नहीं पचता है। सफेद चावल की खपत बाउल मूवमेंट को परेशान करती है क्योंकि सफेद चावल में भूरे रंग के चावल की तुलना में ज्यादा फाइबर होता है। कब्ज के दौरान, सफेद चावल के सेवन से बचना चाहिए। परिष्कृत कुकीज कार्बोहाइड्रेट के स्रोत है। इनमें फाइबर की मात्रा कम और वसा की उच्च मात्रा होती है। कब्ज के दौरान, परिष्कृत कुकीज का सेवन कम करना चाहिए क्योंकि यह कब्ज की समस्या को बढ़ा देती है।

VedOshidhi

NAJLA-JUKAM KI KIT
Sinusitis Care
Builds Immunity in Respiratory System Naturally

Tridosh sudha tablets त्रिदोष सुधा टैबलेट

Dalchini 60.0 mg, Elaichi danna 30.0 mg, Jeera 60.0 mg, Kamalgatha 60.0 mg, Kapoor 60.0 mg, Lavang 60.0 mg, Nagkesar 120.0 mg, Nagarmoth 120.0 mg, Tager 30.0 mg, **Mixed with Kwath** of Khas 100.0 mg, Nagarmotha 50 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast Daily.

Vat kaph sudha guti tablets वात कफ़ सुधा गुटी टैबलेट

Ashwagandha 10.0 mg, Ajawain 10.0 mg, Dal chinni 30.0 mg, ghritkumari 10.0 mg, Kachur 200.0 mg, Kali mirch 30.0 mg, Kamalgatha 10.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kayaphal 15.0 mg, Kalijiri 10.0 mg, Nagkeshar 10.0 mg, Namak 5.0 mg, Pipali 30.0 mg, Pitpapada 50.0 mg, Pudina 10.0 mg, Saunth 30.0 mg, Saunf 10.0 mg, Soya 10.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 100.0 mg. Mixed with Kwath of Dashmool 45.0 mg, Gulbanaksha 25.0 mg, Jufa 10.0 mg, Paneerdhodha 45.0 mg, Vasa 25.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg.

Dosage : 1 Tablets in morning after Breakfast.

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg,

Dosage : 2 Tablets twice a day after meal.

INDICATION :- Sinusitis, sneezing, cold, flue, sore throat, viral fever and body ache. As an anti oxidant.

A. Its anti-infective, anti allergic action treats sinus & allergies without drowsiness/sedative effects.
B. Natural bio consitituents anti-inflammatory & antipyretic role with easy breathing gives fast relief from nasal congestion.
C. It is natural, non-sedative traditional formula which provides immediate relief from common cold, stuffiness of nasal track, chest congestion & body aches due to viral fever
D. Improves body's natural response to pathogens by enhancing the immune system. Cleans blood by action on liver which defense system & provides natural anti oxidant protection.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि...।

उचित सहायक:- नजला, छींके, जुकाम, फ्लू, गले व शरीर में दर्द और वायरल बुखार।

कार्य:- यह श्वास तंत्र की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है इसका एंटी - इंफेक्टिव, एंटी-एलर्जिक प्रभाव नजला और एलर्जीज को बिना नशे के ठीक कर देता है। प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का शोधहर व ज्वर नाशक प्रभाव नाक की रूकावट को हटा कर श्वास चलने की प्रक्रिया को आसान कर देता है। इसमें संलग्न प्राकृतिक औषधि का पारंपरिक नुस्खा जुकाम, नाक बंद होना, साँस लेने में कठिनाई और शरीरिक पीड़ा को कम करता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा कर जीवाणु से लड़ने की शक्ति देता है। यह यकृत पर प्रभाव कर खून साफ करता है। और शरीर से दूषित पदार्थो को बाहर निकालता है। इस प्रकार शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

क्या करें:- सर्दी जुकाम के इलाज के दो लक्ष्य होते है आपको बेहतर महसूस कराना और वायरस से लड़ने में आपकी मदद करना।

बहुत ज्यादा आराम करना सर्दी खांसी के उपचार के लिए महत्वपूर्ण होता है। कोशिश करें कि रात को 10 से 12 घंटों तक सोए। आप गर्म और नर्म वातावरण में सबसे आरामदायक महसूस करेंगे। अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए जितना ज्यादा हो सके पानी पीएं। इससे गले में बलगम के प्रवाह में आसानी होती है और साथ ही गले में बलगम के जमाव को कम करने में मदद मिलती है।

सर्दी जुकाम जिस वायरस की वजह से होता है, उसके लिए कोई विशिष्ट उपचार मौजूद नहीं है। लेकिन इसके लक्षणों के उपचार से आपको राहत मिल सकती है। अगर किसी बच्चे को 100.5 डिग्री या उससे अधिक के बुखार के साथ दर्द और पीड़ा है, तो उसे पेरासिटामोल दी जाती है (दवाई लेने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें) वयस्क भी पेरासिटोमोल ले सकते है। यदि आपके गले में दर्द हो रहा है तो अक्सर 1 कप गर्म पानी में 1/2 चम्मच नमक मिलाकर उससे आप गरारे करें। सर्दी जुकाम की दवा जिसमें स्यूडोएफेड्रिन होता है आपकी नाक को खोलने में और साफ करने में मदद करता है लेकिन एक अस्थायी रूप से आराम देता है। डिकॉन्स्टेस्टेंट (नाक का स्प्रे) जैसे ऑक्सीमेटाज़ोलिन (आफरीन) भी इसमें मदद करते हैं। लेकिन अगर उनका उपयोग तीन या पांच दिनों से ज्यादा हो, तो वे रिबाउंड प्रभाव का कारण बन सकते है। इसका मतलब है कि नाक और गले में अधिक बलगम पैदा होना और गले में जमाव को बढ़ा देना। स्यूडोएफेड्रिन आपके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और हृदय की दर को बढ़ा सकता है। अगर आपको हृदय रोग, हाई बी पी, प्रोस्टेट कैंसर या प्रोस्टेट की अन्य समस्या, मधुमेह या थायराइड की समस्याएं हैं तो ऐसे में बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी प्रकार की दवाई न लें।

क्या ना करें:- दूध एक स्टडी के मुताबिक सिर्फ कुछ ही लोगों को जुकाम-खांसी में दूध पीने से कफ की परेशानी होती है। सिर्फ दूध ही नहीं बल्कि डेयरी प्रोडक्ट्स भी कफ बनाते है। इसके लिए खुद दूध पीकर देखें अगर आप भी उनमें से हो जिन्हें दूध पीने से आराम नहीं बल्कि कफ बढ़ता है तो इसे अवॉइड करें। जुकाम-खांसी ठीक होने के बाद ही इसे पिएं। **फ्राई फूड और मैदा** जुकाम-खांसी में तला खाना जैसे फ्राइड पोटैटो, पकौड़े, रोल्स, पराठे अवॉइड करें। इसी के साथ मैदे से बनी चीजें ब्रेड, पास्ता, मैगी, भटूरे, कुल्चे इन सब को भी जुकाम-खांसी ठीक होने से पहले ना खाएं यह आपकी समस्या को बढ़ा सकता है। **ऑयली फूड** तले हुए खाद्य पदार्थ आपकी खांसी को और बढ़ा सकते है। डॉक्टर भी खांसी में ऑयली फूड से बचने की सलाह देते हैं। इन्हें खाने से आपको भारीपन महसूस होगा। खांसी में चिप्स फ्रेंच फ्राइज और जंक फूड से परहेज करें। **जूस** सर्दी-खांसी की समस्या में डिब्बाबंद जूस न पीएं। इनमें हाई शुगर इंग्रीडिएंट्स होते है। जो बीमारी से निपटने के लिए सफेद रक्त कोशिकाओं की क्षमता को और कम कर सकते है जूस में मौजूद एसिड खांसी में आपके गले की खराश को बढ़ा सकता है। **ठंडी चीजें न खाएं** ठंडी चीजें सर्दी-खांसी की समस्या को बढ़ा सकती है। खांसी से पीड़ित लोगों को पूरी तरह से ठीक होने तक इनसे बचने की सलाह दी जाती है दरअसल ठंडे पेय और खाद्य पदार्थ श्वसन के बाहर सूखेपन का कारण बनते हैं।

VedOshidhi

GREEVAKATE SHOOL KI KIT
Spinal Pain Management

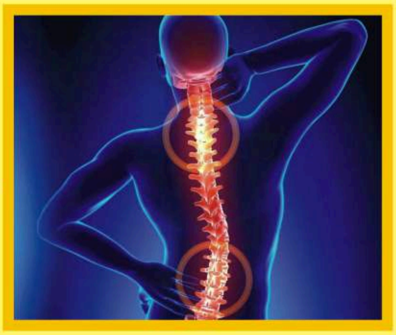

Greevakati shool har tablets ग्रीवाकटी शूल हर टैबलेट

Jtamansi 5.0 mg, Harad 15.0 mg, Nishoth 12.5 mg, Dalchinni 25.0 mg, Elaichi dana 10.0 mg, Gugul 12.5 mg, Ghritkumari 40.0 mg, Geru 10.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 40.0 mg, Kali mirch 90.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Kaladana 10.0 mg, Kutki 15.0 mg, Kayphal 10.0 mg, Lahsun 12.5 mg, Nagkeshar 30.0 mg, Pipali 75.0 mg, Pipali mool 120.0 mg, Pudeena 50.0 mg, Rasanjan 12.5 mg, Sendha namak 10.0 mg, Saunf 15.0 mg, Saunth 90.0 mg, Tagar 10.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 60.0 mg, Methidana 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Sarvang shool har tablets सर्वांग शूल हर टैबलेट

Suranjaan Akshiri 40.0 mg, Mulethi 30.0 mg, Manjistha 20.0 Kali mirch 40.0 mg, Ajawain 20.0 mg, Ashwagandha 90.0 mg, Pudeena 45.0 mg, Saunth 20.0 mg, Gugul 100.0 mg, Palp Ghrit Kumari 20.0 mg, Ravand Chini 20.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day after meal.

Udar shool har tablets उदर शूल हर टैबलेट

Hing 8.0 mg, Namak 32.0 mg, Naushader 32.0 mg, Pudeena 408.0 mg, Saunth 64.0 mg, Suhaga 8.0 mg, Sarso 48.0 mg, **Mixed with Kwath of** Pudeena 120.0 mg, Saunth 30.0 mg, **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

Var shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Indication :- Spondylosis, sciatica neck & back pain, severe sprain & Fibromyalgia.

A. Quick relief from spinal pains.
B. High potency potent bio-constituents prevent deterioration of vertebral damage thereby helps in preventing slip disc herniation.
C. Natural anti-inflammatory properties relieve neck & back pain, muscle stiffness & balance vata.
D. With vata dosha balancing properties it prevents gas formation, improves gut mobility and thereby excretes out toxins from our system which are the main cause of pain.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं।

जैसे:- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

उचित सहायक:- गर्दन व पीठ दर्द से शीघ्र राहत एवं रीढ़ दर्द का नियंत्रक

शक्तिशाली व तीक्ष्ण जड़ियों से निर्मित यह रीढ़ की हड्डियों के क्षय को रोकती है। इस प्रकार यह Slip -Disc से बचाती है। प्राकृतिक शोधहर गर्दन व पीठ के दर्द तथा मांस पेशियों की अकड़न से राहत देती है।इसकी वात सन्तुलित जड़ियाँ गैस बनने से रोकती है। तथा आंतो की शक्ति बढ़ाती है जिसके फलस्वरूप शरीर से Toxic Waste पदार्थ बाहर निकल जाते है जो कि दर्द का मुख्य कारण माना जाता है। **कब पड़ता है रीढ़ पर दबाव-** जब रीढ़ या स्पाइन सही अवस्था में नहीं रहती तो पीठ की मांसपेशियां, लिगमेंट्स और डिस्क पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। मजबूत मांसपेशियां रीढ़ को सुरक्षित रखती हैं। और पीठ दर्द से बचाती है। रीढ़ के किसी भी हिस्से पर दबाव पड़ने से पीठ में दर्द हो सकता है। यह दर्द गर्दन से लेकर कमर के निचले हिस्से तक हो सकता है। **दर्द होने के कारण-** रीढ़ की हड्डी में दर्द होने के कई कारण है। खराब जीवनशैली, उठने-बैठने का गलत तरीका, उम्र बढ़ना और आनुवंशिक कारण। सिर्फ पीठ का दर्द ही नहीं बल्कि स्लिप डिस्क जैसी समस्याएं भी होती है। स्टडी के मुताबिक, ऑफिस में एक ही अवस्था में गलत ढंग से ज्यादा समय तक बैठने से पीठ, कमर या गर्दन के दर्द से जूझना पड़ सकता है। गलत कुर्सी, टाइपिंग की गलत टेक्नीक, मॉनिटर की पॉजीशन ठीक न होने, ठीक ढंग से खड़े न होने या बैठने से भी पीठ का दर्द हो सकता है।

उचित सहायक:- गर्दन व पीठ दर्द से शीघ्र राहत एवं रीढ़ दर्द का नियंत्रक

शक्तिशाली व तीक्ष्ण जड़ियाँ से निर्मित यह रीढ़ की हड्डियों के क्षय को रोकती है। इस प्रकार यह Slip -Disc से बचाती है। प्राकृतिक शोधहर गर्दन व पीठ के दर्द तथा मांस पेशियों की अकड़न से राहत देती है।इसकी वात सन्तुलित जड़ियाँ गैस बनने से रोकती है। तथा आंतो की शक्ति बढ़ाती है जिसके फलस्वरूप शरीर से Toxic Waste पदार्थ बाहर निकल जाते है जो कि दर्दो का मुख्य कारण माने जाते है। **कब पड़ता है रीढ़ पर दबाव-** जब रीढ़ या स्पाइन सही अवस्था में नहीं रहती तो पीठ की मांसपेशियां, लिगमेंट्स और डिस्क पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। मजबूत मांसपेशियां रीढ़ को समुचित रखती है और पीठ दर्द से बचाती हैं। रीढ़ के किसी भी हिस्से पर दबाव पड़ने से पीठ में दर्द हो सकता है। यह दर्द गर्दन से लेकर कमर के निचले हिस्से तक हो सकता है। **दर्द होने के कारण-** रीढ़ की हड्डी में दर्द होने के कई कारण है। खराब जीवनशैली, उठने-बैठने का गलत तरीका, उम्र बढ़ना और आनुवंशिक कारण। सिर्फ पीठ का दर्द ही नहीं बल्कि स्लिप डिस्क जैसी समस्याएं भी होती है। स्टडी के मुताबिक, ऑफिस में एक ही अवस्था में गलत ढंग से ज्यादा समय तक बैठने से पीठ दर्द, कमर दर्द या गर्दन के दर्द से जूझना पड़ सकता है। गलत कुर्सी, टाइपिंग की गलत टेक्नीक, ठीक ढंग से खड़े न होने या बैठने से भी पीठ का दर्द हो सकता है।

क्या ना करें- (1)लगातार एक ही पोजीशन में एक जगह पर बैठकर काम नही करें और थोड़ा ब्रेक लेते रहें। अपनी स्थिति को बदलते रहें ताकि मांसपेशियों में अकड़न न आने पाए। (2) दिन में कई घंटे अपने फोन या टैब में बिजी रहते हैं, चूंकि वे फोन या टैब पर काम करते समय अपनी गर्दन को नीचे झुकाए रहते हैं। इससे उनके मेरूदंड यानी स्पाइन पर अतिरिक्त वजन पड़ता है। यह आदत धीरे-धीरे उनके बैठने के ढंग को प्रभावित करने लगता है, और पीठ का दर्द शुरू हो जाता है। स्क्रीन में दिन रात घुसे रहने से आपकी आँखें ही नहीं, बल्कि शरीर के दूसरे अंगों में भी परेशानी होती है। लगातार इस स्थिति में न रहें। (3) आप अगर लैपटॉप और डेस्कटॉप पर काम कर रहे हों तो इस चीजों के सबसे ऊपरी भाग आपकी नजर के 90 डिग्री के कोण में होनी चाहिए। वहीं माउस भी 90 डिग्री के कोण पर होना चाहिए। मोबाइल फोन इस्तेमाल करते वक्त गर्दन न झुकाएं, सिर्फ नजर नीचे रखें। (4) अक्सर लोगों को कमर में अकड़न पीठ और जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है लेकिन वे इसे नजर अंदाज कर देते हैं, ऐसा करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। (5) गर्दन, कंधों और आसपास की मांसपेशियों में दर्द सामान्य या गंभीर होता है। इससे सिर में दर्द, सुन्नता, गठोरता, अकड़ जाना, झुनझुनी, कुछ भी निगलने में दर्द होना और सूचन आदि जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्दन में दर्द कई कारणों से होता है।

VedOshidhi

SANDHISHOOL Safe Management of Osteoarthrits

Sandhi shool har tablets सन्धि शूल हर टैबलेट

Ashwagandha 150.0 mg, Ajwain 10.0 mg, Ghritkumari 25.0 mg, Gugul sudh 25.0 mg, Haldi 75.0 mg, Hing 5.0 mg, Kali mirch 50.0 mg, kayaphal 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Manjistha 25.0 mg, Nagkesar 10.0 mg, Namak 5.0 mg, Piplamool 75.0 mg, Pipali 25.0 mg, Pudina 75.0 mg, Sargikshar 25.0 mg, Saunth 150.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmool 60.0 mg, Kateri 10.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Amal pitt har tablets अम्ल पित्त हर टैबलेट

Chhilka harad 85.0 mg, Dalchin 15.0 mg, Elaichi dana 15.0 mg, Jeera 27.0 mg, Kamalgatha 15.0 mg, Kachur 100.0 mg, Mulethi 24.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Nagkeshar 30.0 mg, Sanay patti 24.0 mg, Saunf 35.0 mg, Soya 30.0 mg, Tage 15.0 mg, Vasa 155.0 mg, **Mixed with Kwath of** Chhilka harad 25.0 mg, Jeera 3.50 mg, Kachur 37.0 mg, Mulethi 7.50 mg, Sanaya patti 7.50 mg, Soya 10.0 mg, Vasa 52.50 mg. **Dosage :** 2 Tablets in morning After Breakfast.

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Aamvatari guti tablets आमवातारि गुटी टैबलेट

Kali mirch 55.0 mg, Ravand chini 35.0 mg, Haldi 65.0 mg, Manjistha 35.0 mg, Vacha 35.0 mg, Sarjikshar 35.0 mg, Shudh gugul 165.0 mg, Pulp ghritkumari 65.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

INDICATION :- Knee pain, shoulder pain, osteoarthritis/ periarthritic pains and gout.

A. Natural joint pain reliever.
B. Hot & high potency Bio-constituents fight on our inflammatory joints & relieve pain & muscle stiffness.
C. Anti oxidant free radicals protect from damage of bones and cartilage ultimately increase bone density & maintenance of joint mobility naturally.
D. Pungent, bitter & digestive herbs improve digestive fire and thereby help in excreting out toxins from our system which ane the main cause of pain.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि.... ।

उचित सहायक:- घुटनों का दर्द, कंधों का दर्द, बड़े जोड़ो का दर्द व युरिक एसिड में आराम देता है।

कार्य:- प्राकृतिक जोड़ों का दर्द निवारक। यह उष्ण जड़ी-बुटियों से निर्मित योग जोड़ों के दर्द, सूजन व अकड़न से राहत देता है।

इसके **Anti-Oxidant Free Radicals** हड्डियों व मांसपेशियों को नुकसान से बचाते है। जिसके कारण जोड़ गतिशील रहते है। और **Bone Density** को बढ़ाते है।

इसमें उपस्थित कटू कड़वे व पाचक जड़ियाँ पाचक अग्नि को बढ़ाती है जिसके परिणाम स्वरूप शरीर से **Toxins** पदार्थ बाहर निकल जाते है। और इससे हमें लाभ भी मिलता है। पर फिर भी इनके द्वारा किये गए उपचारों से शायद हमें कुछ नुकसान भी हो सकते है जो आमतौर पर हमें नजर नहीं आते है। आप इन होने वाले नुकसानों से भी बच सकते है। डॉक्टर पारंपरिक रूप से एंटी-इंफ्लामैट्री दवाओं और दर्द नाशकों के साथ जोड़ों में दर्द का इलाज करते है। हांलाकि कुछ दवाएं दुष्प्रभाव का कारण बनती है, जिसके कारण जोड़ों में दर्द के उपचार के लिए प्राकृतिक उपाय अधिक लोकप्रिय हो रहे है। दर्द और सूजन से राहत पाने के लिए इन प्राकृतिक उपायों को आजमाने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना आवश्यक है।

क्या करें- जोड़ो को चोट से बचाना चाहिए अगर जोड़ों पर चोट लगती है तो वो हड्डी को तोड़ भी सकती है, इसलिए कोशिश करें कि जोड़ों को चोट से बचाकर रखें, जब भी कोई ऐसा खेल खेलें जिसमें जोड़ों पर चोट लगने का डर रहता हो तब शरीर पर ज्वाइंट सेफ्टी पेड्स पहनकर रखें। अगर किसी गंभीर चोट की वजह से घुटनों में दर्द हो रहा है तो घुटनों का इलाज कराएं और डॉक्टर की सलाह के अनुसार जोड़ों के दर्द की दवा खाएं। **गतिशील रहना चाहिए-** जोड़ों के दर्द से राहत के लिए सदैव गतिशील रहे। अगर जोड़ों की मूवमेंट होती रही तो आपको लंबे समय किसी भी प्रकार का कोई दर्द नहीं सताएगा। बहुत देर तक एक ही स्थिति में बैठे रहने से भी जोड़ों में कठोरता महसूस होती है। **वजन को नियंत्रित रखना चाहिए-** यदि आपका वजन नियंत्रण में रहेगा तो आपका शरीर और शरीर के सारे जोड़ भी स्वस्थ रहेंगे। शरीर का ज्यादा वजन घुटनों और कमर पर अधिक दबाव डालता है और इससे आपके शरीर में कार्टिलेज के टूटने का डर बना रहता है। अब ऐसे में आपको बजन को नियंत्रण में रखना बेहद जरूरी है। **दूध पीएं-** दूध में कैल्शियम और विटामिन-डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो जोड़ो को मजबूत रखने के लिए बेहद जरूरी होता है, इसलिए हर रोज दूध जरूर पीना चाहिए। जिससे हड्डी मजबूत बनती है, अगर आपको दूध पसंद नहीं है तो दूध से बने खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जैसे पनीर, घी आदि। **व्यायाम करें-** जोड़ो के दर्द से निजात के लिए और अपने स्वास्थ्य की सही देखभाल के लिए आपको, व्यायाम को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बना लेना चाहिए।

क्या ना करें- जोड़ो के दर्द की शिकायत वालों को ऐसे खाद्य पदार्थों से दूर रहना चाहिए जो इसके दर्द को बढ़ाने का कारण बनते है।

सोडा- सोडा ना केवल डायबटीज और दिल के रोगियों के लिए खतरनाक होता है बल्कि जोड़ों के दर्द में भी इसका असर काफी खतरनाक होता है। सोडा में ग्लूकोज की मात्रा काफी होती है, जिससे बॉडी में साइटोकिन्स रिलीज होता है। यह जोड़ों के दर्द को बढ़ाने में मदद करता है इसलिए इसका सेवन बिल्कुल भी न करें।

टमाटर- टमाटर भी जोड़ों के दर्द के लिए काफी नुकसानदायक है क्योंकि टमाटर में यूरिक एसिड की मात्रा बहुत ज्यादा पाई जाती है। ये शरीर की हड्डियों में सूजन बढ़ाने में मदद करती है, जिससे जोड़ों में दर्द होने लगता है।

दही का सेवन न करें, पालक कम खायें, डेयरी उत्पादों का सेवन कम से कम करें, सुखे मेवे कम खायें, सोडा न सिर्फ दिल और मधुमेह रोगियों के लिए खतरनाक होता है इसके अधिक सेवन से जोड़ों में दर्द होने लगता है। आप ज्यादा मात्रा में सुगर का सेवन करते हैं तो साइटोकीन्स शरीर में रिलीज होता है जिससे दर्द और ज्यादा बढ़ता है। ऑमेगा 6 ज्यादा मात्रा में मात्रा खाने से जोड़ों में दर्द होता है।

VedOshidhi

CHARM (TVAK ROG) KI KIT
Psoriasis, Eczema & Acne Management

Tvak rog har tablets त्वक रोग हर टैबलेट

Chilka harad 75.0 mg, Giloy 75.0 mg, Geru 37.0 mg, Neem patra 75.0 mg, Naushadar 37.50 mg, Nagkesar 37.50 mg, Paneer dhodhi 75.0 mg, Pitpapda 75.0 mg, Sanaya patti 37.50 mg, Vasa patra 75.0 mg. **Mixed with Kwath of** Chilka harad 25.0 mg, Giloy 25.0 mg, Neem patra 25.0 mg, Paneer Dhodhi 25.0 mg, Vasa patra 25.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast

Pitt kaph sudha tablets पित्त कफ़ सुधा टैबलेट

Dal chinni 10.0 mg, Elaich Dana 5.0 mg, Ghritkumari 5.0 mg, Kachut 300.0 mg, kamal gatha 5.0 mg, kala dana 10.0 mg, kayaphal 10.0 mg, Kali jeri 25.0 mg, Kali mirch 5.0 mg, Nagkesar 5.0 mg, Pitpapda 60.0 mg, Pipali 15.0 mg, soya 10.0 mg, Sounf 15.0 mg,vasa 110.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 20.0 mg, Giloy 10.0 mg, Paneer papda 45.0 mg, Soya 10.0 mg, Sounf 10.0 mg, Vasa 10.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugulsudh 100.0 mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Kulathi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Pitambari powder पिताम्बरी पॉउडर

Multani mitti 850.0 mg, Kali jeeri 62.5 mg, Kutaki 62.5 mg, Suhaga 12.5 mg, Safeda kashgiri 12.5 mg. **Apply as :** Make paste with water apply on affected parts & leave it till it's dries then wipe it off.

Bajrangi powder बजरंगी पॉउडर

Kamila Powder 166.0 mg, Sindoor 500 mg, Suhaga 167.0 mg, Sefeda kashgiri 167.0 mg. **Apply as :** Mix in 100 ml of coconut oil & apply on affected parts at night.

INDICATIONS :- Dermatitis and fungal skin infections. In acne, pimple blemishes & black heads. balances the pit-kapha dosha.

- **A.** Blood purifier and shield for skin allergies.
- **B.** Repairs, rejuvenates, nourishes and tones skin naturally with its anti-oxidant action.
- **C.** anti-microbial & anti-effective action on skin allergies detoxifies impurities.
- **D.** Its anti-Inflammatory & cooling action improve our bodies natural response to pathogens by enhancing the immune system.
- **E.** Clean blood by its action on liver & releases constipation by regulating the digestive fire.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

उचित सहायकः-

क्या है (Acne)**:- मुंहासे** (Acne) क्या है मुंहासे-मुंहासे से तात्पर्य ऐसी त्वचा की समस्या है, जो उस स्थिति में होती है, जब केश कूप (follicles) वसा और मृत कोशिकाओं से ब्लॉक हो जाते हैं। इस स्थिति में चेहरे, कंधे, गर्दन, बांह इत्यादि पर फुंसी, सफेद दाने, धब्बे इत्यादि जो जाते हैं। मुंहास (Acne) की समस्या किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। चूंकि, यह मुख्य रूप से चेहरे पर ही होती है, इसी कारण इसके होने पर व्यक्ति काफी परेशान हो जाता है और वे इसे ठीक करने के लिए हर तरह के प्रयास करता है।

मुंहासे मुख्य रूप से 5 प्रकार के होते हैं- सफेद धब्बो का होना, काले धब्बों का होना, फुंसी का होना, सिस्ट का होना, छालों का पड़ना।

सोरायसिस क्या है: स्वस्थ एवं चमकदार स्किन कौन नही चाहता है सोरायसिस, स्किन में होने वाली बेहद आम लेकिन गंभीर बीमारी है। इस बीमारी में शरीर में लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते है, जिससे शरीर में जबरदस्त खुजली की समस्या होती है। बार-बार होने वाली खुजली के साथ ही सोरायसिस के अन्य गंभीर खतरे भी हो सकते है।

दाद खुजली क्या है: दाद को मेडिकल की भाषा में टिनिया कहते है, इस त्वचा की बीमारी का नाम उस संदर्भ में रखा जाता है, त्वचा के जिस भाग में इसका संक्रमण शुरू होता है। दाद संक्रमण के कुछ प्रकार होते हैं जिनमें शामिल है कोर्पोरिस, टिनिया कैपेटिस, टिनिया पेडिस आदि।

क्या करें:- 1) मुल्तानी मिट्टी गुलाबजल और नींबू के रस को मिलाकर एक पेस्ट बनाए और हाथ से इस पेस्ट को पूरे चेहरे पर या सिर्फ एक्ने पर लगायें इस पेस्ट को 10 से 15 मिनट लगाकर रखे फिर ठण्डे पानी से धोलें। 2)एलोवेरा जेल एक्ने के पूर्णतया ठीक करता है जेल को 10 से 15 मिनट तक एक्ने पर लगाये और फिर ठण्डे पानी से धो दें। 3) एक छोटी कटोरी में नींबू का रस निकाल लें और उस रस में रूई का एक छोटा सा टुकड़ा डुबो लें। सोने से पहले रूई से नींबू के इस को एक्ने वाली जगह पर लगाए रात भर रस को लगा रहने दें और अगले दिन सुबह उसे पानी से धो दें। 4) टी ट्री एक कटोरी लें और उसमें टी ट्री ऑयल और जैतून का तेल को मिलाले अब इस तेल के मिश्रण को रूई से एक्ने पर लगायें। 5) लहसुन का पेस्ट- लहसुन की कलियों का पेस्ट उसको थोड़ा-सा पानी मिला लें। इस पेस्ट को सीधे एक्ने के ऊपर लगायें। **सोरायसिस में पोषण वाला भोजन खाना चाहिए** इसके अलावा तनाव और मानसिक विकारों से बचना चाहिए। शराब और धूम्रपान जैसी आदतों को छोड़ देना चाहिए। त्वचा को सूखा रखने की कोशिश करें, सूरज की तेज रोशनी से त्वचा को रक्षा करें और कई प्रकार की दवाओं का साइड इफेक्ट भी सोरायसिस का कारण बनता है। जैसे दर्द निवारक दवाएं, मलेरिया, ब्लडप्रेशर कम करने की दवाएं लेने से सोरायसिस की बीमारी हो सकती है। **दाद में क्या खाना चाहिए:** दाद संक्रमित व्यक्ति को यह सलाह दी जाती है कि वह अपने मुख्य व्यंजन में लहसुन वाले व्यंजन को शामिल करें जैसे पुलाव, करी, सूप, पास्ता या उबली हुई सब्जियां आदि।

क्या न करे:- अधिक मात्रा में तेल का सेवन करना- मुहांसे की समस्या मुख्य रूप से उस स्थिति में होती है जब किसी व्यक्ति के शरीर में तेल की मात्रा अधिक हो जाता है। इसी कारण डॉक्टर कम मात्रा में तेल से भरपूर भोजन लेने के लिए सलाह देते हैं। 2) तनाव लेना- यदि कोई व्यक्ति अधिक तनाव लेता है, तो उसे मुंहासे होने की संभावना अधिक रहती है इसी कारण व्यक्ति को अधिक तनाव नहीं लेना चाहिए क्योंकि इसका व्यक्ति की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। 3) धूम्रपान करना- कई बार ऐसा देखा गया है कि जो व्यक्ति धूम्रपान करता है, उसे मुंहासे हो जाते हैं क्योंकि यह धूम्रपान की वजह से उसके शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इसी कारण किसी भी व्यक्ति को धूम्रपान नहीं करना चाहिए। 4) दवाई लेना- मुंहासे की समस्या उन लोगों को भी हो सकती है, जिनका कोई इलाज चल रहा होता है क्योंकि उनके द्वारा खाई जाने वाली दवाईयों का उनके शरीर पर बुरा असर पड़ता है।

5) हार्मोन बदलाव का होना- मुहाँसे की समस्या मुख्य रूप से हार्मोन बदलाव के कारण भी होती है। कुछ लोगो में हार्मोन का बदलाव असमान्य तरीके से होते हैं, जिसकी वजह से बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सोरायसिस में क्या न करें:- सोरायसिस से ग्रस्त लोगों को इन चीजों को सेवन नही करना चाहिए जैसे- अनाज, नया धान, मैदा। दाल, चना, मटर, उड़द। फल एवं सब्जियाँ- सरसों, टमाटर, बैंगन, नारंगी, नींबू, खट्टे अंगूर, आलू, दही मछली, गुड़, दूध, मसालेदार भोजन न करे। **दाद में क्या न करें:** दाद में अत्याधिक पसीने से बचें। शरीर पर जो जगह संक्रमण से प्रभावित है उसे खुरचें या रगड़ें नहीं क्योंकि ऐसा करने से संक्रमण शरीर के दूसरे भागों में भी फैल सकता है।

VedOshidhi

STREE BANJHPAN KI KIT
Female Infertility Care Kit

Nari sudha tablets नारी सुधा टैबलेट

Anar Pushp 9.6 mg, Ashok Chhal 40.0 mg, Ajawain 11.2 mg, Dal chini 64.5 mg, Elaichi big 16.3 mg, Dhataki 19.2 mg, Katira 30.0 mg, Harad Small 70.0 mg, Jeera 2.4 mg, Kayphal 2.4 mg, Kamarkas 19.2 mg, Kamalgatha 7.5 mg, Kachur 120.0 mg, Lodh 4.8 mg, Mulethi 30.0 mg, Majuphal 19.2 mg, Nagkeshar 20.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Sauf 5.0 mg, soya 60.0 mg, Tagar 7.5 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 37.5 mg, Kamalgatha 37.5 mg, Lodh 37.5 mg, Sauf 6.0 mg, Soya 31.5 mg, **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Pitt kaph sudha tablets पित्त कफ़ सुधा टैबलेट

Dal chinni 10.0 mg, Elaich Dana 5.0 mg, Ghritkumari 5.0 mg, Kachut 300.0 mg, kamal gatha 5.0 mg, kala dana 10.0 mg, kayaphal 10.0 mg, Kali jeri 25.0 mg, Kali mirch 5.0 mg, Nagkesar 5.0 mg, Pitpapda 60.0 mg, Pipali 15.0 mg, soya 10.0 mg, Sounf 15.0 mg,vasa 110.0 mg. **Mixed with Kwath of** Dashmool 20.0 mg, Giloy 10.0 mg, Paneer papda 45.0 mg, Soya 10.0 mg, Sounf 10.0 mg, Vasa 10.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugulsudh 100.0 mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Kulathi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jetamansi 50.0 mg, Kutaj chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg. **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shnkh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner.

Krishan guti tablets कृष्णा गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

INDICATIONS :- Safe choice for primary and secondary infertility. Act as potent stimulant, rejuvenator, improves stamina, vigour & vitality. Relieves menstrual pain, irregular mensuration, dysfunctional uterine bleeding, infertility, Act as Uterine Tonic improves ovulation & general weakness.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:**- कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

सार:- एक वर्ष तक नियमित सम्भोग करने वाली महिला आगर गर्भधारण करने में असमर्थ हो तो वह बांझपन से जुड़ी समस्या का शिकार होती है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भावस्था रखने और जीवित बच्चे को जन्म न दे पाना भी बांझपन में ही सम्मिलित होता है। स्त्रियों में प्रजनन क्षमता के प्रभावित होने के कारण कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है **जैसे:**- पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओ)ऐंडोमेटरिओसिज, श्रोणि सूजन की बीमारी, गर्भाशय फाइब्रॉएड, एनीमिया, थायराइड की समस्याएं, अवरूद्ध फैलोपियन ट्यूबज, कैंडिडा और यौन संचारित रोग (एसटीडी) इत्यादि।

इसी के साथ शराब, सिगरेट, मोटापा, तनाव, अनियमित एवं दर्दपूर्ण माहवारी की समस्या, पोषण-रहित भोजन या फिर अत्यधिक शारीरिक-प्रशिक्षण भी स्त्री की गर्भ-क्षमता को प्रभावित करते है। यह समस्या 35 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिला को ज्यादा होती है।

स्त्री बांझपन की किट- वेदऔषधि की किट में लगभग 90 प्रतिशत स्त्री बांझपन की समस्याओं का निदान करने की क्षमता है। वेदऔषधि में उपचार- आहार, विहार और उपचार पर आधारित पद्यती से किया जाता है। इसकी औषधियों का किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं होता।

क्या करें क्या ना करें:-

कुछ चीजों को घरेलू खान-पान में सम्मलित करें जैसे:- **अनार** गर्भाशय में खून के प्रवाह को तेज करता है और गर्भाशय की दीवारों को मोटा करके गर्भपात की संभावना को कम करने के लिए सहायक है। यह भ्रूण के स्वस्थ विकास को बढ़ावा देता है। **अनार** के बीज और छाल को बराबर मात्रा में मिलाकर इसका चूर्ण बना ले और किसी एयर टाइट जार में रख लें। कुछ हफ्तों के लिए दिन में 2 बार गर्म पानी के एक गिलास के साथ इस मिश्रण का आधा चम्मच ले। आप ताजा अनार-फल भी खा सकते है, और अनार का ताजा रस भी पी सकते है।

अश्वगंधा हार्मोनल-संतुलन बनाए रखती है और प्रजनन क्षमता को बढ़ती है। यह गर्भाशय को समुचित आकार में लाकर उसे स्वस्थ बनाने में मदद करती है। बायोलाईफ **अश्वगंधा** एक्सट्रेक्ट 2 टैबलेट दिन में दो बार गरम पानी से लें।

दालचीनी डिम्ब-ग्रंथि के सही रूप से कार्य करने में मदद कर सकती है। गर्म पानी के एक कप में, दालचीनी पॉउडर का 1 चम्मच मिलाएं। कुछ महीनों के लिए दिन में एक बार इसे पीते रहे। इसक अलावा, अपने अनाज, दलिया, और दही पर भी **दानचीनी** पॉउडर का छिड़काव करके इसे अपने आहार में शामिल करें। ध्यान रहे कि इस मसाले का प्रयोग एक दिन में 2 चम्मच से अधिक ना करे।

खजूर यह गर्भ धारण करने के लिए, आपकी क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसमें कई पोषक तत्व होते है, जैसे कि:- विटामिन ए, ई और बी लोहा और अन्य जरूरी खनिज, जोकि एक महिला को गर्भ धारण करने के लिए और गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म तक आवश्यक है। 2 बड़े चम्मच कटे हुए धनिए की जड़ के साथ 10 से 12 खजूर (बीज के बिना) पीस ले। पेस्ट बनाने के लिए गाय के दूध के पौना कप मिलाए और इसे उबाल ले। इसे पीने से पहले ठंडा होने दें। अपनी अंतिम माहवारी की तारीख से, एक सप्ताह के लिए, इसे दिन में एक बार पीएं। एक स्वस्थ नाश्ते के रूप में प्रतिदिन 6-8 खजूर खाते रहें और दूध, दही और स्वास्थ्य-पेय में भी कटे हुए खजूर का समावेश करे।

योग प्रजनन क्षमता को बढ़ावा को बढ़ावा देने में मदद हेतु कुछ योगासन है जैसे कि:- नाड़ी-प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, पश्चिमोत्तनासन, हस्तपादासन, जानू शीर्षासन, बाधा कोनासना, विपरी करण और योग निद्रा इत्यादि। याद रखें, योग का लाभ लेने के लिए इसे ठीक-प्राकर से किया जाना चाहिए।

संतुलित आहार एक अच्छी तरह से संतुलित आहार लेना, प्रजनन क्षमता में सुधार के लिए एक और महत्त्वपूर्ण कारक है। एक स्वस्थ, संतुलित आहार स्वास्थ्य की उस दशा या बीमारीयों को रोकने में मदद करता है जो बांझपन का कारण हो सकती है।

VedOshidhi

PURUSH BANJHPAN KI KIT Male Infertility Care Kit

Pushti vardhak tablets पुष्टि वर्धक टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Dalchini 25.0 mg, Elaichi danna 40.0 mg, Gond katiri 100.0 mg, Giloy 15.0 mg, Harad kali 25.0 mg, Jeera 50.0 mg, Kachur 35.0 mg, Nagkesar 40.0 mg, Nagarmotha 40.0 mg, Pudina 50.0 mg,Ravend chinni 50.0 mg, Saunf 50.0 mg, Soya 10.0 mg, Tager 20.0 mg. **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Nagarmoth 50.0 mg, Ravend Chinni 75.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Shaktikar guti tablets शक्तिकर गुटी टैबलेट

Ashwagandha 320.0 mg, Beej vidhara 35.0 mg, Gugul sudh 70.0 mg, Kesar 3.0 mg, Long 12 .0 mg, Sudh kuchala 10.0 mg, Sudh singref (Higul) 35.0 mg, Shilajit 5.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Krishan guti tablets कृष्ण गुटी टैबलेट

Amla shushk 120.0 mg, Baheda 60.0 mg, Chhilka anar 60.0 mg, Haldi 60.0 mg, Harad 120 mg, Loh Basham 60.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Urja powder उर्जा पॉउडर

Ashwagandha 166.0 mg, Kronch beej 166.0 mg, Amla 166.0 mg, Musli 166.0 mg, Goakshur 166.0 mg, Lavang 86.0 mg, Jaiphal 85.0 mg. **Dosage :** Take 1 gm (approximately ¼ tsp.) twice a day with water / honey.

INDICATIONS :- A- Act as potent stimulant, rejuvenator, improves stamina, vigour & vitality. **B-** Revitalizes & energizes body & helps to build muscle strength. **C-** Improves nervous weakness due to diabetes & acts as anti-oxidant. **D-** Relieves stress, fatigue & anxiety improves alertness. **Erectile dysfunction, Oligospermia, Asthenospermia, General weakness due prolonged illness/ diabetes. Primary choice for Male Infertility**

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अतः इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णतः काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णतः पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

कार्य:- प्रभावशाली नुस्खा जो कि उत्तेजक कायाकल्प करने वाला, ताकत, सहनशीलता व प्राणशक्ति प्रदान करता है। पुनः शक्ति प्रदायक शरीर और मांसपेशिओं को शक्ति प्रदान करता है। रक्त मधुमेह के कारण होने वाली नसों की ताकत को पुनः शक्ति देता है। और Anti-Oxidant की तरह काम करता है। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। थकान व चिन्ता को दूर करता है। और ध्यान शक्ति बढ़ाता है। **उचित सहायक:- नपुंसकता, शुक्राणुओं की कमी, कमजोरी थकावट, या रक्त मधुमेह के कारण होने वाली कमजोरी को दूर करता है।**
सार:- संम्भोग आनन्द के सात मुख्य बिंदु इस प्रकार है। **1-** वीर्य की मात्रा का ज्यादा और गाढ़ा होना। **2-** ज्यादा काम उत्तेजकता का होना। **3-** लिंग का कड़ापन होना। **4-** स्खलन में ज्यादा समय लगना। **5-** मानसिक तनाव का न होना। **6-** संम्भोग इच्छा शक्ति का अधिक होना। **7-** शारीरिक थकावट व कमजोरी का न होना। इस किट के सभी घटकों को इन सभी सातों मुख्य बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसका किसी भी प्रकार का कोई कुप्रभाव नही है। इसे सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए लगातार भी ले सकते हैं।

क्या करें:- **1-** तुलसी के बीज और मुसली लेकर चूर्ण बनाएं, फिर उसमें थोड़ी मिश्री पीसकर मिला दें और शीशी में भरकर रख दें। आधा चम्मच की मात्रा में यह चूर्ण सुबह-शाम गाय के दूध के साथ सेवन करें इससे यौन दुर्बलता दूर होती है। इसके अलावा आपकी कामशक्ति पहले से दुगुनी हो जाती है। **2-** लिंग संकुचन का व्यायाम भी लिंग के कड़ेपन को बढ़ाता है। **3-** उड़द की धुली हुई दाल सप्ताह में एक बार जरूर खायें। **4-** सफेद प्याज व एक कली वाला लहसुन भी संम्भोग शक्ति को बढ़ाता है। **5-** खजूर एक बेहतरीन मेवा में से एक है। खजूर के सेवन के बाद इलायची वाले दूध का सेवन करे। ऐसा कुछ दिन करने से प्रजनन क्षमता की कमी दूर होती है। **6-** बादाम को भीगोकर सुबह खायें ऐसा करने से यौन स्वास्थ्य की शक्ति बढ़ती है तथा रक्त संचार भी ठीक रहता है और प्रजनन की क्षमता को बढ़ाता है। **7-** भारतीय शौचालय का इस्तेमाल जिसमें पैरों के ऊपर भार होता है उपयोग करना चाहिए। ये एक तरह से लिंग के व्यायाम का काम करता है। **8-** वीर्य को गाढ़ा करने के लिए एक चम्मच शहद में एक चम्मद हल्दी पाउडर मिलाकर रोजना सुबह के समय खाली पेट सेवन करना चाहिए। इससे संम्भोग शक्ति भी बढ़ती है।

क्या ना करें:- **1-** हर प्रकार के नशे से बचना चाहिए **जैसे-** बीड़ी, सिगरेट, शराब, तम्बाकू, गुटखा आदि का सेवन नही करना चाहिए। **2-** जितना हो सके मानसिक तनाव एवं शारीरिक थकावट से बचना चाहिए। **3-** खट्टा पदार्थ एवं खट्टे फल नही खाने चाहिए। **4-** काम उत्तेजकता बढ़ाने वाली अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल नही करना चाहिए ये कुछ समय के लिए काम को तो चलाती है पर इससे हमारे शरीर पर बहुत कुप्रभाव पड़ता है।

VedOshidhi

THYROID ROG KI KIT
Thyroid Care Kit

Vat sudha tablets वात सुधा टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Kanchnari guti tablets कंचनारी गुटी टैबलेट

Kachnar 120.0 mg, Varun 12.0 mg, Triphala 72.0 mg, Trikuta 36.0 mg, Gugul 252.0 mg, Elaichi dana 3.0 mg, Dal chini 3.0 mg, Tej patta 3.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

Medo har guti tablets मेदो हर गुटी टैबलेट

Saunth 20.0 mg, Kali mirch 28.0 mg, Pipali 28.0 mg, Harad chilka 28.0 mg, bageda 28.0.0 mg, Amla 28.0.0 mg, chitrak Chal 56.0.0 mg, Val vading 56.0 mg, Shudh Gugul 248.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Breakfast.

INDICATIONS :- A- Regulates Thyroid hormones. **B-** Regulates PCOS. **C-** Natural pungent bio-constituents enhance the activity of liver and pancreas to enable pancreatic amylase convert fat into energy at its initial level & Increase fat metabolism. **D-** It softens the stool, gives relief in acidity and constipation by regulating digestive fire to excrete out toxins & improves gut movements. **E-** Regenerates mind, relieves mental stress, and anxiety, Stabilizes mood by calming brain thus reduces tiredness and fatigue.

आर्युवेद में सभी बीमारियों की जड़ हमारे चयअपचय (Metabolism) को माना गया है। जो कि हमारे गलत खान-पान की वजह से 70 प्रतिशत लोगों में खराब ही पाया जाता है अत: इसे ठीक रखने के कुछ उपाय इस प्रकार है। हमें खाना खाने से 1 घण्टा पहले और खाना खाने के 1.5 घण्टे के बाद ही पानी पीना चाहिये। ऐसा करने से हमारी उदर अग्नि पूर्णत: काम करती है। जिससे जो भी हम खाते है। वह पूर्णत: पचता है। ऐसा करने से हम कई प्रकार की बीमारियों से बच जाते हैं। **जैसे:-** कब्ज, गैस, सिरदर्द, कोलेस्ट्रोल, यूरिक एसिड, कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, पाईल्स, मोटापा, मधुमेह इत्यादि....।

सार:- थायरॉइड से सम्बन्धित बीमारी अस्वस्थ खान-पान और तनावपूर्ण जीवन जीने के कारण होती है। आयुर्वेद के अनुसार, वात, पित्त व कफ के कारण थायरॉइड संबंधित रोग होता है। जब शरीर में वात एवं कफ दोष हो जाता है तब व्यक्ति को थायरॉइड होता है। थायरॉइड ग्रन्थि में आई गड़बड़ी के कारण थायरॉइड से संबंधित रोग जैसे Hyperthyroidism या Hypothyroidism होते है। Thyroid gland को अवटु ग्रन्थि भी कहा जाता है। अवटु या Thyroid ग्रन्थियाँ मानव शरीर में पाई जाने वाली सबसे बड़ी अतस्रावी ग्रंथियों में से एक है।

यह Thyroid ग्रन्थि Tri-iodothyronin (T3) और Thyrocalcitonin नामक हार्मोन स्रावित करती है। ये हार्मोन शरीर के चयापचय दर और अन्य विकास तंत्रों को प्रभावित करते हैं। Thyroid harmone हमारे शरीर की सभी प्रक्रियाओं की गति को नियंत्रित करता है।

आपका शरीर थायरॉइड से ये फायदा होता है:-

थायरोक्सिन (ThyroÛine) हार्मोन वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के चयापचय को नियंत्रित रखता है।

यह रक्त में चीनी, कोलेस्ट्रॉल (Cholestrol) तथा फोस्फोलिपिड की मात्रा को कम करता है।

यह हड्डियों, पेशियों, लैंगिक तथा मानसिक वृद्धि को नियंत्रित करता है।

हृदयगति एवं रक्तचाप को नियंत्रित रखता है और महिलाओं में दुग्धस्राव को बढ़ाता है।

थायरॉइड रोग होने के कारण थायरॉइड होने के ये कारण हो सकते हैं:-

अधिक तनावपूर्ण जीवन जीने से थायरॉइड हार्मोन (Thyroid harmone) की सक्रियता पर असर पड़ता है।

आहार में आयोडीन की मात्रा कम या ज्यादा होने से थायरॉइड ग्रंथियाँ विशेष रूप से प्रभावित होती हैं।

यह रोग अनुवांशिक भी हो सकता है। यदि परिवार के दूसरे सदस्यों को भी यह समस्या रही हो, तो परिवार के दूसरे सदस्यों को भी हो सकती है।

महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान थायरॉइड हार्मोन्स में असंतुलन देखा जाता है, क्योंकि इस समय महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल बदलाव आते हैं।

भोजन में सोया उत्पादों का अधिक इस्तेमाल करने के कारण।

कार्य :- इस किट में सभी प्रकार की औषधियों को सम्मलित किया गया है जो **त्रीदोष** वात, पित्त, कफ की मात्रा को नियंत्रित कर थायरॉइड की ग्रन्थि को सुचारू रूप से कार्य करने की शक्ति प्रदान करतीं है। इसके अलावा इसमें इस रोग से उत्पन्न हुई सभी प्रकार की समस्याओं को कुप्रभाव रहित ठीक करने की शक्ति है। इसके अलावा मोटापा और कफ सम्मबन्धित रोगों को भी ठीक करती है।

थायराइड में क्या करें

1. इन रोगियों को नियमित रूप से 1 गिलास दूध का सेवन करना चाहिए। इन रोगियों को अगर फल खाने हैं तो आम, शहतूत, तरबूज और खरबूज का सेवन कर सकते हैं।
2. खाने में दालचीनी, अदरक, लहसुन, सफेद प्याज, थाइम और स्ट्रॉबेरी की पत्तियों का प्रयोग बढ़ा देना चाहिए। इन रोगियों को खाना पकाने के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना चाहिए। इन रोगियों को लघु और सुपाच्य भोजन करना चाहिए, खिचड़ी का प्रयोग कर सकते हैं।
3. ऐसे रोगियों को सुबह 10 से 15 मिनट गुनगुनी धूप भी लेनी चाहिए। इस बीमारी में खासौतर से सूर्य नमस्कार, सर्वांगासन, मत्स्यासन, नौकासन का प्रयोग कर सकते हैं और प्रायाणाम में अनुलोम-विलोम और उज्जायी का प्रयोग करें।

थायराइड में क्या न करें:-

1. इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को खाने में उन चीजों का परहेज करना चाहिए जिसे पचाने में परेशानी होती हो।
2. बहुत ज्यादा ठंडे, खुष्क पदार्थो का सेवन नहीं करना है।
3. बहुत ज्यादा मिर्च-मसालेदार, तैलीय, खट्टे पदार्थो का प्रयोग नहीं करना है।
4. दही का प्रयोग नहीं करना है।
5. बासी खाद्य-पदार्थ या जिनमें एडेड शुगर है उनका प्रयोग नहीं करना है।
6. इस बीमारी में हमें पालक, शकरकंदी, बंदगोभी, फूलगोभी, मूली, शलजम, मक्का, सोया, रेड मीट, कैफीन और रिफाइंड ऑयल का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

MANOROG KI KIT
Kit for Psychological Problems

Vat sudha tablets वात सुधा टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Smrati vardhak tablets स्मृति वर्धक टैबलेट

Amla 25.0 mg, Akharot giri 100.0 mg, Arjuna Chhal 5.0 mg, Ajwain khurasani 25.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Chirongi 100.0 mg, Harad chhilaka 25.0 mg, Jetamansi 25.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Mulethi 25.0 mg, Pippali 25.0 mg, Shankh puspi 100.0 mg, Saunth 25.0 mg, Vach 100.0 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 30.0 mg, Arjuna chhal 30.0 mg, bhrami 30.0 mg, Shankh puspi 30.0 mg, Vach 30.0 mg. **Dosage :** 3 Tablets twice a day after meal.

Smrati vardhak Avaleg स्मृति वर्धक अवलेह

Amla 25.0 mg, Akharot giri 100.0 mg, Arjuna Chhal 5.0 mg, Ajwain khurasani 25.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Chirongi 100.0 mg, Harad chhilaka 25.0 mg, Jetamansi 25.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Mulethi 25.0 mg, Pippali 25.0 mg, Shankh puspi 100.0 mg, Saunth 25.0 mg, Vach 100.0 mg. **Mixed with Kwath of** Amla 30.0 mg, Arjuna chhal 30.0 mg, bhrami 30.0 mg, Shankh puspi 30.0 mg, Vach 30.0 mg. **Mixed with : - Cow ghee, Honey**

INDICATIONS:- Poor memory, Memory disturbances. Mental Fatigue, Examination phobia and stress. Attention deficit disorders. Speech disorders & bed-wetting in children. Stress, anxiety, depression & disturbed sleep pattern.

- **A.** Improves concentration enhances learning ability and grasping power.
- **B.** Regenerates mind, relieves mental stress, exhaustion and anxiety.
- **C.** Stabilizes mood by calming brain thus reduces tiredness and fatigue.
- **D.** Provides natural source of iron in highly assimilation form without any gastrointestinal disturbances.
- **E.** Helps to improve physical and mental activeness & lertness.

उचित सहायक:- कमजोर व बिगड़ी हुई याददाश्त, भूल जाना, दिमागी थकावट, एग्जाम का डर व तनाव, ध्यान में कमी, बोलने में तकलीफ बच्चों का बिस्तर में पेशाब करना, तनाव चिंता, सोच अवसाद व नींद न आना।

कार्य:- एकाग्रता बढ़ाकर यह स्मरण करने व ग्रहण करने की खमता बढ़ाती है। दिमाग तेज कर मानषिक तनाव चिंता व थकावट को हटाती है। मनोदशा शान्त कर दिमाग की थकावट कम करती है। प्राकृतिक लोह जो कि बिना हाजमा खराब किए आसानी से रक्त में मिल जाता है। शारीरिक व मानसिक तीव्रता बढ़ाती है।

कारण:- 1- स्मरण शक्ति कमजोर होने का कारण स्वस्थ भोजन की कमी।
2- उम्र की वजह से स्मरण शक्ति का कमजोर होना। 3- मस्तिक की कमजोरी का कारण दवाइयों का अधिक सेवन है। 4- ड्रग्स का अत्यधिक उपयोग दिमाग की कमजोरी की वजह है। 5- अपाच्य भोजन के कारण नींद की कमी हो सकती है । 6- मानसिक तनाव के कारण स्मरण शक्ति कम होती है। 7- सिर पर गहरी चोट भी है स्मरण शक्ति कमजोर होने का कारण। उम्र बढ़ने पर तो स्मरण शक्ति कमजोर होती ही है लेकिन कुछ बच्चों और वयस्कों को भी बाते और चीजें याद रखने में दिक्कत होती है। 8-पोषण की कमी या किसी चोट या बीमारी की वजह से व्यक्ति की स्मरण शक्ति कमजोर हो सकती है।

क्या करें:- याददाश्त बढ़ाने के घरेलू तरीके -
फिश ऑयल सप्लीमेंट:- मछली का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड इकोसपेंटेनोइक एसिड (ईपीए) और डोकोसेहैक्सेनोइक एसिड (डीएचए) से युक्त होता है। ये फैट तनाव और एंग्जायटी को कम करने में मदद करते है। कई अध्ययनों में सामने आया है कि फिश ऑयल सप्लीमेंट से खासतौर पर बुजुर्ग व्यक्तियों की याददाश्त में सुधार आ सकता है। **सेब:-** सेब में क्यूरसेटिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कि मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है। अगर इन कोशिकाओं को नुकसान पहुंचे तो बौद्धिक क्षमता में भारी गिरावट आ सकती है। सेब पार्किंसन और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के खतरे को कम करने की शक्ति रखता है। **याददाश्त तेज करने का घरेलू उपाय है ब्राह्मी:-** याददाश्त बढ़ाने और बौद्धिक क्षमता में सुधार लाने के लिए ब्राह्मी सबसे बेहतरीन जड़ी बूटियों में से एक है। इसमें बैकोसाइड और सिटग्मास्टेरोज जैसे कई बायोएक्टिव तत्व मौजूद हैं जो न सिर्फ याददाश्त में सुधार लाते हैं। बल्कि मस्तिष्क के कार्य को भी ठीक करते हैं। **याददाश्त तेज करने का घरेलू उपाय है मेडिटेशन:-** मेडिटेशन तनाव को कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। साइकोलॉजी के 293 छात्रों को माईन्डफुलनेस ट्रेनिंग दी कई जिससे इनकी चीजों को याद रखने की क्षमता में सुधार आए। अध्ययन में पाया गया कि जिन छात्रों को ट्रेनिंग नही दी गई थी उनकी तुलना में ट्रेनिंग लेने वाले छात्रों की याददाश्त में सुधार आया है।

क्या न करें:-शराब का अधिक सेवन न करें, देर रात तक बिना किसी कारण न जागें और 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें, मानषिक तनाव न लें और खुश रहने की कोशिश करें, व्यायाम जरूर करें आलस्य न करें, ड्रग्स न लें जिसके कारण याददाश्त कमजोर हो जाती है, मेडिटेशन का उपयोग करें जिससे तनाव कम होता है, खाली बैठ कर अपना समय नष्ट न करें पजल गेम खेलें जिससे दिमाग की कसरत होगी, खाली समय में मनोरंज की बुक पढ़े जिससे दिमाग व्यस्त रहे, ऐलोपैथिक दवाई लगातार काफी समय से लेते रहने के कारण याददाश्त की समस्या उत्पन होती है जिससे बचे, जब आप किसी जानकारी को याद करने का प्रयास कर रहे हों, तो अपनी सभी इंद्रियों को जागृत रखना बहुत महत्वपूर्ण है इसका मतलब यह है कि आपने जिस दृश्य, श्रवण और अर्थ संबंधी इंद्रियों को शामिल किया है यह रणनीति बहुत उपयोगी है क्योंकि सूचना को पूरी तरह से बनाए रखने के लिए विपरीत इंद्रियों की आवश्यकता होती है, केवल बादाम खाने से ही आप इंटेलीजैंट नहीं बन सकते, मेमोरी को शार्प करने के लिए कुछ फल भी असर करते है, अनार में सबसे अधिक पोषक तत्व होते है, अनार खाने से केवल खून ही नहीं बढ़ता बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। गाय के दूध के सेवन से मस्तिष्क की स्मरण शक्ति का पुर्ण विकास होता है

VedOshidhi

NASHA MUKTI KI KIT
Kit for De - Addiction

Yakrit rog har tablets यकृत रोग हर टैबलेट

Giloy 5.0 mg, Jeera 15.0 mg, Kachur 120.0 mg, Kutki 120.0 mg, Kamalgatha 20.0 mg, Muethi 12.50 mg, Nagermotha 30.0 mg, Ravend chinni 50.0 mg, Sanaya patti 12.50 mg, Saunf 25.0 mg, Soya 20.0 mg, Vasa 120.0 mg, **Mixed with Kwath of** Giloy 25.0 mg, Makoy 25.0 mg, Nagkesar 35.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Saunf 15.0 mg, Soya 15.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets Twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Vat sudha tablets वात सुधा टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Nasha mukti chay नशा मुक्ति चाय

Kulanjan 2.5 mg, Mulathi 500 mg, Jyotishmat 500 mg, Jatamansi 500 mg, Elachi 250 mg, Bharmi 250 mg, vacha 250 mg, Madanphal 250 mg.

INDICATIONS :-

A- This kit is completely safe & don't cause any short or long term side effects.

B- It helps to come out from abuse of Alcohol, Tobacco as well as Drugs.

C- It is effective in Deliberating addiction. It crubs the craving of Nicotine & Alcohol.

D- Anxiety & Depression are common in heavy Drinkers. Addiction can cause Liver & Heart diseases, weak Immune system & even Cancer.

E- It improve liver functions, acts as a Liver tonic & helps in detoxifying the blood by removing toxins.

F. It effects the part of brain which is responsible for addiction.

कार्य:- प्रकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित योग, स्नायु तन्त्र को मजबूत कर इच्छा शक्ति प्रबल करती है। खूद पर नियंत्रण पाने में आसानी होती है। जिसके कारण किसी भी प्रकार के De-addiction को छोड़ने में मदद मिलती है। यकृत के कार्य प्रणाली को सुधार कर रक्त को साफ कर शरीर को तन्दुरूस्त बनाती है।

उचित सहायक:- तनाव, चिंता, नींद न आना, सोच से परेशान, सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू की तलब, शराब का नशा, शरीर का कमजोर होना, गुस्सा आना, दिमाग पर बोझ महसूस करना, घबराहट व डर इत्यादि में लाभदायक है।

इस किट में लगभग हर उस रास्ते को कवर किया गया है जहां से हम अपने प्रियजनों को इस घातक बिमारी से छुटकारा दिलवा सकते है। इसमें लगभग 3 से 4 सूत्रों पर ध्यान दिया गया है। जैसे:- दिमागी ताकत, खून में से नशे के असर को बाहर निकालना, यकृत (लीवर) पर हो गये कुप्रभाव ठीक करना एवं नशे के कारण शरीर में आयी कमजोरी को दुरूस्त करने की सभी प्रकार की औषधियाँ डाली गयी है।

इसके नियमित प्रयोग से आप अपने प्रिय जनों को नशे की लत से बाहर निकाल सकते है। नशे के रोगी की इच्छा शक्ति और आपका सहयोग (उसके प्रतीक व्यवहार, विश्वास व समाजिक बनाना) जैसे कुछ कार्य है जो कि रोगी को जल्द ठीक करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते है।

क्या करें:- शीतकारी प्राणायाम जो करता है उस व्यक्ति के शरीर का सिस्टम इस तरह का हो जाता है कि वह नशीली चीज का सेवन नहीं कर पाता और उससे दूर हो जाता है। उसके सेवन की इच्छा भी मर जाएगी। इस लिए उसे प्राणायाम भी करना चाहिए।

अंगूर, गंभीर नशे जैसे धतूरे, गाँजा, भांग और शराब के सेवन से पड़ने वाले बुरे प्रभावों से शरीर को बचाता है। इसके अलावा शराब छोड़ने के लिए अंगूर का सेवन सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। शायद आपको पता नहीं होगा कि प्राचीनकाल से ही शराब का नशा छुड़ाने के लिए खजूर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

आप ज्यादा से ज्यादा खुद को व्यस्त रखें। कोई भी नशा छोड़ने के लिए पहले उसकी मात्रा कम करें। अपने पास लाइटर, माचिस, गुटखे की पुड़िया, तंबाकू रखना छोड़ दें। डायरी बनाएं और उसमें लिखें कि नशा कब और कितनी मात्रा में, किसके साथ लेते हैं। उसे बार-बार पढ़ें। हफ्ते भर में अपनी ऐशट्रे मे बुझी सिगरेट गिनें और निश्चय करें कि अगली बार संख्या कम हो।

विटामिन सी के लिए नींबू सबसे अच्छा स्त्रोत है। यह प्रा तिक रूप से शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालकर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों को रोजाना 3-4 नींबू का रस निकालकर खाली पेट पीना चाहिए।

क्या न करे:- नशा डिप्रेशन की ओर भी ले जाता है। नशा में मौजूद केमिकल ब्रेन के एक खास हिस्से को प्रभावित करता है। इससे डिप्रेशन हो सकता है। दरअसल, नशा करने की वजह से जीवन में दूसरी कई समस्याएं भी आ जाती हैं। मसलन: घर-बार छूटना, नौकरी छूटना, पैसे की परेशानी, पर्सनल लाइफ में किसी और तरह की समस्या होना, नशे के कारण अपराधबोध होना या हीन भावना से ग्रस्त होना। इन समस्याओं से भी डिप्रेशन की समस्या हो सकती है। इलाज के दौरान अगर मरीज सिर्फ नशे की लत का शिकार है तो सिर्फ उसी का इलाज किया जाता है। अगर वह नशे और डिप्रेशन, दोनों का शिकार होता है तो दोनों का साथ-साथ इलाज किया जाता है।

नशे का मरीज- खेल, टीवी यहां तक कि सिनेमा जैसे मनोरंजन के साधनों को छोड़ देना या बहुत कम कर देना ऐसा न करें और अपने आप को व्यस्त रखें।

नशे की वजह से शरीर में हो रही शारीरिक या मानसिक समस्या के बारे में जानकारी होने के बावजूद भी नशीली पदार्थो का बार-बार इस्तेमाल न करें।

मरीज को नशा छोड़ने और काउंसिलिंग और जरूरत पड़ने पर दवा लेने के लिए मोटिवेट करके भी हेल्प करें और उसे असहाय न होने दें। नशे की तलब लगने वाली परस्थितियों के बारे में जागरुक करके उसकी मदद करें उसे किसी भी नशे के गलत कार्य को न करने दें। किसी को मरीज के साथ बदसलूकी की इजाजत न दें।

VedOshidhi

PAURUSH GRANTHI KI KIT
Kit for Enlarge Prostate

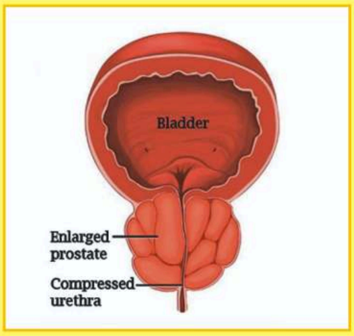

Varikk rog har tablets वृक्क रोग हर टैबलेट

Giloy 25.0 mg, Haldi 60.0, Kalijiri 100.0 mg, Kachur 120.0 mg, Mulathi 15.0 mg, Nagarmotha 25.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Punarnava 25.0 mg, Sanaya patti 15.0 mg, Saunf 33.0 mg, soyaa 17.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 120.0 mg **Mixed with Kwath** of Giloy 30.0 mg, Gokhuru 30.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Punarnava 15.0 mg, paneer doda 15.0 mg, Saunf 2.0 mg, Soyaa 13.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulathi 50.0 mg, Shankhpushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg **Mixed with Kwath** of Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Mulathi 37.5 mg, Shankhpushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner Daily.

Pitt shodhani tablets पित्त शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 125.0 mg, Chilka harad, 62.50 mg, Jeera 93.75 mg, Mulathi 187.50 mg, Sanaya patti 187.50 mg, Saunf 93.75 mg **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner Daily.

Harsh guti tablets हर्ष गुटी टैबलेट

Gugul sudh 100.0mg, Ghritkumari 100.0 mg, Harad kali 100.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Rasont 100.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets in morning after Breakfast.

Shaktikar guti tablets शक्तिकर गुटी टैबलेट

Ashwagandha 320.0 mg, Beej vidhara 35.0 mg, Gugul sudh 70.0 mg, Kesar 3.0 mg, Long 12 .0 mg, Sudh kuchala 10.0 mg, Sudh singref (Higul) 35.0 mg, Shilajit 5.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets twice a day.

Indications :-

A. Natural health restorative Constituents recommended for prostate enlargement or BPH which helps to remove blockage of urine flow.

B- Less chances urine infections and problems in bladder and urinary tract

C- It restore normal kidney functions.

B- Nephro protective-protects from diabetes inducing nephron damage.

C. Improves red blood cells and restores electrolyte imbalance.

D. Improves general debility, stress and gives a feeling of wellness.

सार :- प्रोस्टेट नामक ग्रंथि केवल पुरुषों के शरीर में ही पाई जाती है। यह ग्रंथि उम्र बढ़ने के साथ आकार में बड़ी हो जाने से पेशाब करने में तकलीफ होती है। यह तकलीफ आमतौर पर 60 साल के पश्चात् अर्थात् बड़ी उम्र के पुरुषों में ही पाई जाती है।

भारत और पुरे विश्व में औसत आयु में हुई वृद्धि के कारण बी. पी. एच. की तकलीफवाले मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

पुरुषों में सुपारी के आकार की प्रोस्टेट मूत्राशय के नीचे द्धठसंककमत छमबात्र्ञ वाले भाग में होती है, जो मूत्रनलिका के प्रारंभिक भाग के चारों ओर लिपटी होती है। अर्थात् मूत्राशय से निकलती मूत्रनलिका का प्रारंभिक भाग प्रोस्टेट के बीच से गुजरता है।

वीर्य ले जानेवाली नलिकाएं प्रोस्टेट से गुजरकर मूत्रनलिका में दोनों तरफ खुलती हैं। इसी वजह से प्रोस्टेट ग्रंथि पुरुषों के प्रजनन तंत्र का एक मुख्य अंग है।

बी. पी. एच. के लक्षण :-

रात को बार-बार पेशाब करने जाना, पेशाब की धार धीमी और पतली हो जाना, पेशाब करने के प्रारंभ में थोड़ी देर लगना, रुक रुककर पेशाब का होना, पेशाब लगने पर जल्दी जाने की तीव्र इच्छा होना किन्तु, उस पर नियंत्रण नहीं होना और कभी-कभी कपड़ों में पेशाब हो जाना, पेशाब करने के बाद भी बूँद-बूँद पेशाब का आना, पेशाब पूरी तरह से नहीं होना और पूरा पेशाब करने का संतोष नहीं होना और गंभीर बी. पी. एच. अगर अनुपचारित छोड़ दिया जाये तो एक समय के बाद यह गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

क्या करें क्या ना करें:- पेशाब की आदतों में और पेय पदार्थ की मात्रा में साधारण परिवर्तन करें।

मूत्राशय नियमित रूप से खाली करें। ज्यादा समय तक पेशाब को रोक कर न रखें। तीव्र इच्छा होते ही पेशाब त्याग करें।

डबल वाइड का अर्थ है पेशाब को दो बार लगातार पारित करना। पहले सामान्य रूप से एवं आराम से मूत्राशय खाली करें। फिर कुछ पल इंतजार करने के बाद पुन: पेशाब करने का प्रयास करें।

कैफीन युक्त पेय पदार्थ और शराब पीने से बचें। दोनों ही मूत्राशय की मांसपेशियों की ताकत को प्रभावित करते हैं। दोनों ही किडनी को पेशाब उत्पादन करने के लिए उत्तेजित/प्रोत्साहित करते हैं। ये रात के समय पेशाब करने के लिए अग्रणी कारक हैं।

तरल पदार्थ के अत्यधिक सेवन से बचें। (एक दिन में ३ लीटर तरल पदार्थ से कम) एक बार में ही ज्यादा मात्रा में तरल पदार्थ लेने के बजाय दिन भर में रुक रुककर तरल पदार्थों का सेवन करें।

ठंड और जुकाम की दवाओं को ज्यादा न लें क्योंकि इनमें एंटीहिस्टेमाइस या डीकंजेस्टेन्ट होता है जो मूत्रमार्ग में रूकावट पैदा कर सकते है और बीमारी के लक्षण में वृद्धि भी कर सकते है।

नियमित रूप से कसरत करें और स्वयं को स्वस्थ रखें। ठंडा मौसम और शारीरिक श्रम के आभाव से बीमारी बढ़ सकती है।

श्रोणि (Pelvis) मजबूत बनाने के व्यायाम सीखें और करें क्योंकि यह पेशाब के रिसाव को रोकने के लिए उपयोगी है। श्रोणि (Pelvis) कसरत, पैल्विक की मांसपेशियों को मजबूत करता है, मूत्राशय को सहारा देता है और स्फिंक्टर को बंद करने में मदद करता है। इस कसरत से पैल्विक मांसपेशियों को बार-बार सिकोड़ने और ढीला करने की प्रक्रिया होती है।

बी. पी. एच. के हल्के लक्षण होने पे बिना कोई दवाई सिर्फ जीवनशैली में परिवर्तन असरकारक है।

मूत्राशय प्रशिक्षण, समय और पेशाब निकासी पर केंद्रित होता है। नियमित समय पर पेशाब करने की कोशिश की जानी चाहिए।

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो उसका उपचार तत्काल करें।

तनाव को कम रखना - घबराहट और तनाव के कारण अधिक पेशाब हो सकता है।

टमाटर:- टमाटर में ग्लाइकोपिन होता है, यह प्रोस्टेट ग्लैंड के लिए एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है। टमाटर को कच्चा या पका कर खाने से शरीर को लाइकोपीन मिलता है, जिससे प्रोस्टेट ग्लैंड की कोशिकाओं को हेल्दी रहने में मदद मिलती है।

ब्रोकोली:- ब्रोकोली में सल्फोराफेन होता है, यह कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करता है और इससे प्रोस्टेट ग्लैड भी स्वस्थ रहती है।

P.C.O.S. KI KIT
Kit for P.C.O.S.
Hormonal disease

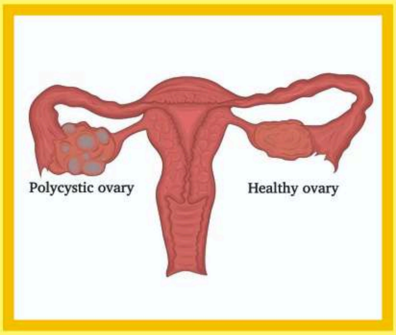

Vat sudha tablets वात सुधा टैबलेट

Ashwagandha 75.0 mg, Ajawain 25.0 mg, Elaichi Dana 10.0 mg, Ghritkumari 10.0 mg, Geru 25.0 mg, Hing 10.0 mg, Haldi 75.0 mg, Kali mirch 25.0 mg, Kala danna 10.0 mg, Kutki 10.0 mg, Nagkesar 25.0 mg, Namak 25.0 mg, Pippli 25.0 mg, Pudina 50.0 mg, Saunth 175.0 mg, **Mixed with Kwath of** Dashmoo 60.0 mg, Kanthkari 30.0 mg, Dhodha 30.0 mg, Saunf 30.0 mg, Soya 30.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day after meal.

Varikk rog har tablets वृक्क रोग हर टैबलेट

Giloy 25.0 mg, Haldi 60.0, Kalijiri 100.0 mg, Kachur 120.0 mg, Mulathi 15.0 mg, Nagarmotha 25.0 mg, Pitpapda 35.0 mg, Punarnava 25.0 mg, Sanaya patti 15.0 mg, Saunf 33.0 mg, soyaa 17.0 mg, Tagar 10.0 mg, Vasa 120.0 mg **Mixed with Kwath** of Giloy 30.0 mg, Gokhuru 30.0 mg, Nagarmotha 30.0 mg, Punarnava 15.0 mg, paneer doda 15.0 mg, Saunf 2.0 mg, Soyaa 13.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets twice a day.

Shantikar guti tablets शान्तिकर गुटी टैबलेट

Ajwain 50.0 mg, Arjuna Chhal 100.0 mg, Ajwain Khurasani 50.0 mg, Bhrami 100.0 mg, Jatamansi 50.0 mg, Kutaj Chhal 50.0 mg, Mulethi 50.0 mg, Shankh pushpi 100.0 mg, Vach 50.0 mg, **Mixed with Kwath of** Arjuna chhal 37.5 mg, Bhrami 37.5 mg, Muleth 37.5 mg, Shankh pushpi 37.5 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Dinner

Vat shodhani tablets वात शोधनी टैबलेट

Amaltas guda 40.0 mg, Ajwain 20.0 mg, Chilka harad 200.0 mg, Chilka trivi 25.0 mg, Kaladana 25.0 mg, Mulethi 100.0 mg, Pudina 80.0 mg, Sukmonia 10.0 mg, Sanaya patti 160.0 mg, Saunf 50.0 mg, Sarso 20.0 Sauth 20.0 mg, **Mixed with Kwath of** Amla 50.0 mg, Baheda 50.0 mg, Chilka harad 50.0 mg. **Dosage :** 2 Tablets After Dinner.

Kanchnari guti tablets कंचनारी गुटी टैबलेट

Kachnar 120.0 mg, Varun 12.0 mg, Triphala 72.0 mg, Trikuta 36.0 mg, Gugul 252.0 mg, Elaichi dana 3.0 mg, Dal chini 3.0 mg, Tej patta 3.0 mg. **Dosage :** 1 Tablets After Breakfast Daily.

INDICATIONS :-

A- Regulates hormonal imbalance.

B- Regulates PCOS.

C- Natural pungent bio-constituents enhance the activity of liver and pancreas to enable pancreatic amylase convert fat into energy at its initial level & Increase fat metabolism.

D- It softens the stool, gives relief in acidity and constipation by regulating digestive fire to excrete out toxins & improves gut movements.

E- Regenerates mind, relieves mental stress, and anxiety, Stabilizes mood by calming brain thus reduces tiredness and fatigue.

कारण एवं लक्षण 1- पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) महिलाओं में होने वाली बेहद ही आम समस्या है। पहले यह समस्या 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं में देखने को मिलती थी, लेकिन आज यह समस्या छोटी उम्र की लड़कियों को देखने को मिलती हैं। पीसीओएस महिला में होने वाली एक ऐसी समस्या हैं जिसमें ओवरी में सिस्ट यानी गांठ आ जाती है। हार्मोस में गड़बड़ी इस बीमारी का अहम कारण हैं। कई बार यह बीमारी जेनेटिक भी हो सकती है। इसके अलावा खराब लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज की कमी, खान-पान की गलत आदतें भी इसका बहुत बड़ा कारण है। डश्क्टरों के अनुसार, पीसोओएस की समस्या पिछले 10 से 15 सालों में दोगुनी हो गई है।

2- आजकल अनियमित पीरियड्स की समस्या किशोरियों में बेहद आम हो गई है। यही समस्या आगे चलकर पीसीओएस का रूप ले सकती है। पीसीओएस endocrine से जुड़ी ऐसी स्थिति है जिसमें महिला की बॉडी में androgenes या मेल हार्मोन अधिक होने लगते हैं। ऐसे में बॉडी का हार्मोनल बैलेंस गड़बड़ हो जाता है जिसका असर अंडे के विकास पर पड़ता है। इससे ovulation और monthly cycle रुक सकता है। इस तरह से सेक्स हार्मोन में असंतुलन पैदा होने से हार्मोन में जरा सा भी बदलाव पीरियड्स पर तुरंत असर डालता है। इस अवस्था के कारण ओवरी में सिस्ट बन जाता है। इस समस्या के लगातार बने रहने से ओवरी के साथ फर्टिलिटी पर भी असर पड़ता है! यह स्थिति सचमुच में खतरनाक होती है। ये सिस्ट छोटी-छोटी थैलीनुमा रचनाएं होते हैं, जिनमें तरल पदार्थ भरा होता है। ओवरी में ये सिस्ट इकट्ठा होते रहते हैं और इनका आकार भी धीरे-धीरे बढ़ता चला जाता है। यह स्थिति पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम है। और यही समस्या ऐसी बन जाती है, जिसकी वजह से महिला को प्रेग्नेंट होने में प्राब्लम होती हैं।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के लक्षण

चेहरे पर बाल उगना, यौन इच्छा में अचानक कमी, वजन बढ़ना, पीरियड्स का अनियमित होना, प्रेग्नेंसी में मुश्किल आना आदि शामिल है। इसके अलावा स्किन संबंधी प्रॉब्लम्स जैसे अचानक भूरे रंग के धब्बों का उभरना या बहुत ज्यादा मुंहासे भी हो सकते हैं।

कार्य:- P.C.O.S में सम्मलित सभी प्रकार की औषधियॉं इन सभी समस्याओं से छुटकारा दिलाती है। और इनका आपके शरीर पर किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं होता। यह पूर्णत: सुरक्षित औषधि है।

क्या करें क्या न करें:- आप अपनी डायट का ध्यान रखें और मौसम के अनुसार ही खान-पान अपनाएं। प्रकृति के साथ जुड़ें। यानी वश्क, रनिंग करें और पार्क में टहलें। रोज एक्सर्साइज करें। खूब पानी पिएं और अच्छी किताबें पढ़ें। इससे तन और मन दोनों को शांत रखने में मदद मिलती है।

आपकी डायट होनी चाहिए ऐसी

जो महिलाएं पीसीओडी की समस्या से जूझ रही हैं, उन्हें अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इन्हें घर का बना शुद्ध भोजन ही करना चाहिए। जितना अधिक हो सके प्रॉसेस्ड फूड से दूर रहें।

फाइबर बेस्ड डायट लें। इसके लिए अपने खाने में सब्जियां, दालें, दलिया आदि शामिल करें।

कोशिश करें कि आपका भोजन कम से कम तेल में बना हो। ऑइली फूड आपको नुकसान दे सकता है।

चाय-कॉफी के जरिए कैफीन लेना बंद कर दें। ऐसा संभव ना हो तो दिन में केवल एक या दो बार ही इनका उपयोग करें। एल्कोहॉल और शुगर की मात्रा को भी बहुत सीमित कर दें।

जंक फूड से दूरी बना लें। इसकी जगह अपनी डायट में ड्राई फ्रूट्स, नट्स, दूध, दही, छाछ, फ्रूट्स और फिश जैसी हेल्दी चीजें शामिल करें।

सेहत एवं शक्ति BIOLIFE का खज़ाना

An ISO 9001:2015 Certified Co.

एक ऐसा आयुर्वेदिक टूथपेस्ट जिसे बच्चे भी पसंद करते है।

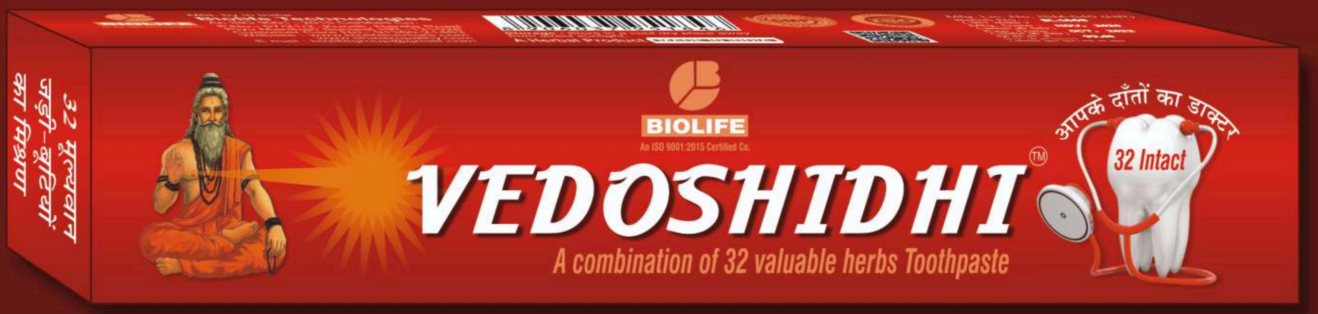

ये सिर्फ फ्लेवर नहीं जड़ी-बूटियों का मिश्रण है।

आपके दाँतो का डाक्टर

32 Intact

32 मूल्यवान जड़ी-बूटियों का मिश्रण

सेहत एवं शक्ति BIOLIFE का खज़ाना

An ISO 9001:2015 Certified Co.

गेंहू के ज्वारे , रोगों से उभारें।

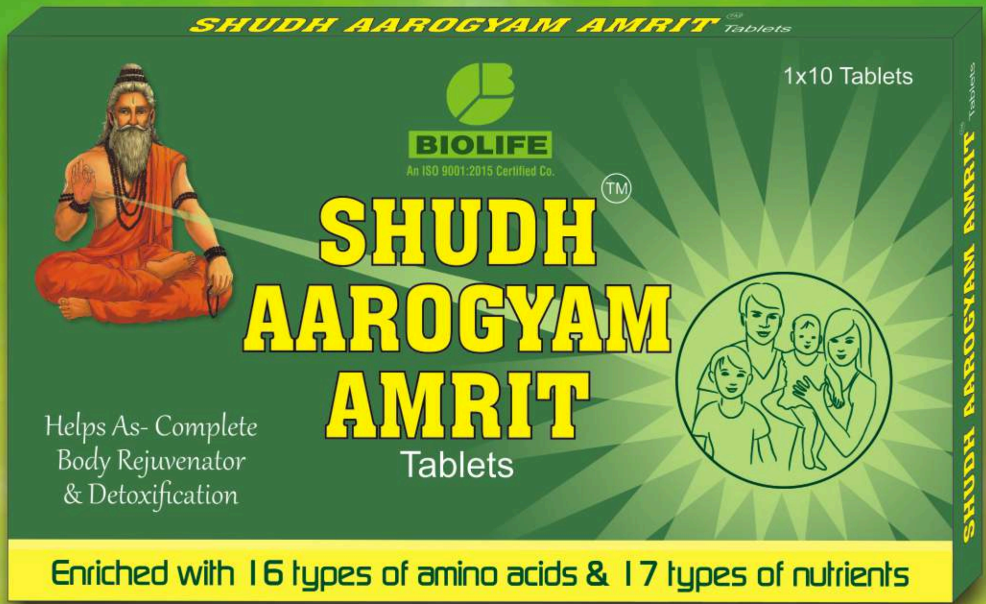

16 मुल्यवान जड़ी-बूटियों का मिश्रण

शुद्ध आरोग्यम् अमृत में ह्वीट ग्रास, अल्फा-अल्फा, अश्वागंधा, मुलेठी, तुलसी, जामुन, एलोवीरा, त्रीफला, कासनी, अर्जुना, गिलाय, गुगुल, वासा, कुटकी, नीम एवं ग्रेपसीड जैसे लगभग 1200 मिली. ग्राम की शक्ति सम्माहित है। जो हमें लगभग 90 प्रतिशत रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है। व एक अभूत पूर्व एनर्जी का स्त्रोत है। जो कि आजकल के खान-पान व रहन-सहन को देखते हुए परिवार के हर एक सदस्य को इसे खाना चाहिए।

Certificate of Compliance

This is to Certify that the Quality Management System of

Biolife Technologies

Works: I.67/21/2, Kundli Narela Road, Piyau Maniari, Kundli, Distt.: Sonipat (Hr.) India
Office: B-4, IInd Floor, Suraj Park, Delhi-110042

has been independently assessed and is complaint with the requirements of :

WHO-GMP

For the following scope of activities:

MANUFACTURER & EXPORTER OF AYURVEDIC AND HERBAL PRODUCTS, HERBAL COSMETICS, DIETARY SUPPLEMENTS, NUTRACEUTICALS AND HEALTH FOODS

Certificate No. AC-121902

Date of Initial Registration *1st Feb., 2020* *Issue Date 1st Feb., 2020*

1st Surveillance on or before *31st Jan, 2020* *Expiry Date 31st Jan., 2023*

2nd Surveillance on or before *31st Jan., 2022*

This Certificate is Valid for 3 years & will remain current subject to the company maintaining its system to the required standards(s). This will be monitored regularly by Aecan Projects Consultant. The certification details & effectiveness are listed at www.aecan.in The registration does not assure the quality of products produced by a quality system. This certificate is granted based on the limited sampling audit as per relevant ISO standard & Aecan Projects Consultant is not responsible for client's failure to maintain documented quality systems.

Authorised Signatory

Aecan

Aecan Projects Consultant AECAN Delhi

To verify this certificate status & details, kindly log on : www.aecan.in

---

QUALITY CERTIFICATION

IQCS

Certificate of Registration

This is to certify that
The Quality Management System of

BIOLIFE TECHNOLOGIES

Works :- I- 67/21/2, Kundli Narela Road, Piyau Maniari, Kundli, Dist.:- Sonepat (HR.), India.
Works :- II- 391,EPIP, HSIIDC, Kundli, Dist.:- Sonepat (HR.), India
Regd. Office :- B- 4, IInd Floor, Suraj Park, Delhi- 110042

has been assessed and found to be in compliance with the requirements of the standard

ISO 9001:2015

for the following scope :

Manufacturer and Exporter of Ayurvedic and Herbal Products, Herbal Cosmetics, Dietary Supplements, Nutraceuticals and Health Foods

CERTIFICATE NO. : 20ZACE03542Q

ISSUED DATE : 23/01/2020
EXPIRY DATE : 22/01/2023

1ST SURVEILLANCE : 22/01/2021
2ND SURVEILLANCE : 22/01/2022

UKAC UK ACKREDITERING CERTIFICATION LIMITED

Authorised Signatory

INTERNATIONAL QUALITY CERTIFICATION SERVICES UK LTD
272, Bath Street, Glasgow, G2 4JR, U.K.

This Certificate is intellectual Property of IQCS and can be maintained through surveillance and renewal audits.
Certificate should be returned to IQCS in case of non compliance of certification procedure.
Authenticity of this certificate can be verified at www.ukacert.co.uk / www.iqcscert.co.uk
The Registration is not a Product Quality Certificate.

QUALITY APPROVED ISO 9001

CandCert CANADA CERTIFICATION

Certificate of Compliance

HALAL CERTIFICATE

شهادة حلال

Certificate Number: 2020/BT/699459

Certificate issued to:

BIOLIFE TECHNOLOGIES

Works : I. 67/21/2, Kundli Narela Road, Piyau Manihari Kundli, Sonepat- 131028, Haryana, India

Works: II. 391, EPIP, HSIIDC, Kundli, Dist. Sonepat-131028, Haryana, India

Regd. Office : B-4, IInd floor, Suraj Park, Delhi- 110042, India

Manufacturer and Exporter of Ayurvedic and Herbal Products, Herbal Cosmetics, Dietary Supplements, Nutraceuticals and Health Foods.

STANDARDS APPLICABLE:

ISO 22000:2005- Food safety Management System, HACCP- Hazard Analysis Critical Control Point

This is to certify that the listed above products independently assessed and is compliant with the requirements of HALAL.

This registration is subject to the company continuing to maintain effective management systems to control the above that shall be monitored by CANDCERT.

CERTIFICATE ISSUE DATE : 04/09/2020
RECERTIFICATION DUE : 03/09/2023

1stSURVEILLANCE DUE : 03/09/2021
2ndSURVEILLANCE DUE : 03/09/2022

AUTHORISED SIGNATORY

CandCert CANADA CERTIFICATION

حلال HALAL

This is an accredited certificate authorized for issue by Canada Quality Accreditation Services. (CQAS) who have assessed Canada Certification as a Certification Body The Certificate of Registration remains the property of CQAS & Canada Certification and valid for 3 years subject to satisfactory Surveillance audits. Must be returned. if Certificate is withdrawn Compliance & Accreditation by CQAS. www.cqas.ca. Registration No CQAS/CB 1000099 Canada Certification. 3271 Flanagan Cres. Mississauga L5C2M6 Ontario Canada . email: info@candcert.ca

The Validity of the this certificate can be verified at www.candcert.ca

---

FORM 26-E-1
(See rule 155-B & 157)

CERTIFICATE OF GOOD MANUFACTURING PRACTICES (GMP) TO MANUFACTURER OF AYURVEDAISIDDHA OR UNANI DRUGS.

Certified that Licensee Namely M/s. **Biolife Technologies** situated at K.No. 67/21/2, Kundli, Distt. Sonepat (Haryana) License No. **540-ISM (HR)** complies with the requirement of Good Manufacturing Practices of Ayurveda/Siddha/Unani Drugs as Laid down in Schedule 'T' of the Drugs and Cosmetic Rules, 1945.

This certificate is valid for period of five years from **26.10.2018 to 25.10.2023** and the Good Manufacturing Practices (GMP) is valid for the various dosage forms as follows:-

1. **Powder**
2. **Tablet**
3. **Capsule**
4. **Syrup**
5. **Oil**
6. **Ointment**

State Licensing Authority
Directorate of AYUSH Haryana

Our Division

BIOLIFE
An ISO 9001:2015 Certified Co.

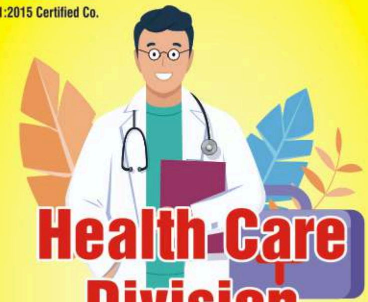

Health Care Division

More than 160 Products

BIOLIFE
An ISO 9001:2015 Certified Co.

DEFINE BEAUTY. DEFINE YOU
Be Beautiful
BY BIOLIFE

Be Beautiful- Beautiful & Personal Care Products

BIOLIFE
An ISO 9001:2015 Certified Co.

FOREVER FIT, FOREVER STRONG
BIO-SHAPE

Bioshape- Range of Gym Products

We are Exporting all over the world for last 10 years. Major countries covered are Australia, Canada, Ukraine, United Kingdom, Mauritius, etc.

BIOLIFE
An ISO 9001:2015 Certified Co.

BIOLIFE TECHNOLOGIES

Plot No. 67/21/2, Piyu Manihari, Kundli Narela Road, Kundli, Sonepat
(Haryana)- 131028, Customer Care No. : 91360 21463
www.biolifeherbals.com, www.shastropathy.com
e-mail : biolifegroup@gmail.com